धनबाद
शुक्रवार 14.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-30 अंक-351 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-2
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑब्जर्वर

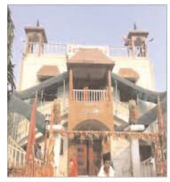

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया नया आयकर बिल

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में नए आयकर विधेयक को पेश किया। नए आयकर अधिनियम संसद के विधायी कार्य के तहत पेश किया गया। पेश होने के बाद बिल को सेलेक्ट कमेटी को भेजा गया।

एक बार यह कमेटी अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर देती है, तब संसद बिल को पारित करने के लिए उस पर विचार करेगी। मोदी सरकार वित्तीय वर्ष २०२६-२७ से ही नया आयकर अधिनियम लाने की कोशिश कर रही है।

सरकार सभी स्टेकहोल्डर्स जैसे करदाताओं, कर विशेषज्ञों और लोगों को नए कर बिल को समझने और नए आयकर कानूनों के लिए अच्छी तरह से तैयार करने के लिए पर्याप्त समय देगी।

मोदी सरकार प्रत्यक्ष कर कानून की भाषा को सरल बनाने और मुकदमेबाजी को कम करने के लिए नया आयकर बिल लाई है। इसके लाने की घोषणा पिछले साल जुलाई में ही हुई थी। तब आयकर अधिनियम १९६१ की समीक्षा की घोषणा की गई थी। समीक्षा की घोषणा इसलिए हुई क्योंकि वर्तमान आयकर अधिनियम छह दशक पुराना है और ६० से अधिक बजटों के माध्यम से किए गए संशोधनों के कारण बहुत बड़ा हो चुका है।

नए आयकर बिल का उद्देश्य करदाताओं को आसानी प्रदान करने और कानूनों और विनियमों के बारे में कर निश्चितता प्रदान करने के साथ-साथ अनावश्यक और अप्रचलित प्रावधानों के कारण मुकदमेबाजी को कम करने के लिए आयकर कानूनों को समेकित और संशोधित करना है।

आयकर अधिनियम १९६१ की समीक्षा को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया था:

१. भाषा का सरलीकरण
२. मुकदमेबाजी में कमी
३. अनुपालन में कमी, और
४. अनावश्यक/अप्रचलित प्रावधान

केंद्रीय वित्त सचिव ने बजट २०२५ के बाद कहा कि नई कर व्यवस्था में घोषित कर दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। नए आयकर बिल का उद्देश्य कानून को बेहतर बनाना और भविष्य में मुकदमेबाजी को कम करने के लिए कर निश्चितता प्रदान करना है।

हालांकि, कई कर विशेषज्ञ आयकर अधिनियम के दंड और अभियोजन कानूनों में बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। कर विशेषज्ञ वर्तमान आयकर अधिनियम के तहत निर्दिष्ट कई अभियोजन कानूनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की उम्मीद कर रहे हैं।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू, सीएम बीरेन सिंह पहले ही दे चुके हैं इस्तीफा

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने गुरुवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया। इससे पहले, ९ फरवरी को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया था।

गौरतलब है कि जातीय हिंसा के चलते भारी दबाव के बाद बीरेन सिंह ने पद से इस्तीफा दिया था। मणिपुर में ३ मई २०२३ से जातीय हिंसा जारी थी, जिससे राज्य में अशांति बनी हुई थी। २१ महीनों से जारी इस हिंसा को लेकर बीरेन सिंह पर इस्तीफे का दबाव था। विपक्षी पार्टियां भी एनडीए सरकार से लगातार इस मुद्दे पर सवाल पूछ रही थीं। इसके चलते ९ फरवरी को बीरेन सिंह ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

कूकी समुदाय की मांग: अलग प्रशासन

कूकी समुदाय की संस्था आईटीएलएफ के प्रवक्ता गिन्जा वूलजोंग ने कहा कि बीरेन सिंह ने

अविश्वास प्रस्ताव में हार के डर से इस्तीफा दिया। हाल ही में उनका एक ऑडियो टेप लीक हुआ था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया। प्रवक्ता ने कहा, मैतेई समुदाय ने हमें अलग कर दिया है, अब हम पीछे नहीं हट सकते। बहुत खून बह चुका है। हमारी मांग अलग प्रशासन की है। कूकी समुदाय ने साफ कर दिया कि वे अपनी अलग प्रशासन की मांग से पीछे नहीं हटेंगे। ▶▶ 8

बजट सत्र को लेकर 21 को स्पीकर की अध्यक्षता में होगी सर्वदलीय बैठक

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा सचिवालय ने बजट सत्र की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सत्र सुचारू रूप से चलाने और लोगों की जरूरत से संबंधित ज्यादा से ज्यादा

सवालों पर में चर्चा कराने के उद्देश्य से २१ फरवरी की को स्पीकर रबींद्र नाथ महतो की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक होगी। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य दलों के नेता उपस्थित रहेंगे। इस दौरान सत्र के सुचारू तरीके से संचालन समेत अन्य विषयों पर बातें होंगी।

भाजपा ने अभी तक विधायक दल के नेता का चयन नहीं किया है। इस पर निगाहें टिकी हैं। २१ फरवरी को ही राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा समेत अन्य मामलों को लेकर महत्पूर्ण बैठक होगी। विधानसभा सचिवालय ने विभिन्न विभिन्न विभागकों के समय विधेयक, प्रश्नों का जवाब भेजने का आग्रह किया है, ताकि सदन के संचालन के दौरान तकनीकी परेशानी नहीं आए।

संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि स्पीकर के साथ अबुआ बजट समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत हुई। बजट की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पहले कई दौर ▶▶ 8

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट दोनों सदनों में पेश, विपक्ष ने किया हंगामा

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का जवाब, विपक्ष सदन को गुमराह कर रहा

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के दोनों सदनों में गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट पेश कर दी। रिपोर्ट पेश होते ही राज्यसभा और लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। जेपीसी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली समिति की रिपोर्ट पेश की। इस दौरान विपक्षी सांसदों का कहना है कि जेपीसी की रिपोर्ट से विपक्षी सांसदों द्वारा जारी की गई डिसेंट नोट को हटाया गया है, जोकि असंवैधानिक तरीका है। तिरुचि शिवा ने कहा कि जो सदस्य कमेटी में होते हैं, उनकी असहमति को लेकर डिसेंट नोट के साथ रिपोर्ट का नियम है इसमें इसका पालन नहीं हुआ है।

वहीं विपक्ष के आरोप पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इस बिल में सारी चीजें हैं। कुछ भी हटाया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सदन को गुमराह न करे। रिपोर्ट नियमों के मुताबिक ही तैयार की गई है।

विपक्ष के सारे आरोप झूठ हैं।

विपक्षी सांसदों के आरोपों का जवाब देकर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस बिल में सारी चीजें हैं। कुछ भी डिलीट नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सदन को गुमराह न करे। रिपोर्ट नियमों के मुताबिक ही तैयार की गई है। विपक्ष के सारे आरोप झूठ हैं। वहीं, जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्षी सांसद तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। विपक्ष जेपीसी की रिपोर्ट पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं। बता दें कि मेधा ▶▶ 8

महाकुंभ के लिए बहुत पैसे मिलते हैं, लेकिन गंगा सागर के लिए?

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार महाकुंभ के आयोजन के लिए बहुत पैसा देती है। इससे मुझे खुशी होती है लेकिन गंगा सागर के लिए कुछ भी नहीं देती। राज्य का बजट पेश होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में ममता बनर्जी ने कहा, हमने द्वीप को जोड़ने के लिए नदी पर पांच किलोमीटर लंबा पुल बनाने का ऐलान किया है। इसके लिए ५०० करोड़ रुपये अतिरिक्त बजट भी दे रहे हैं।

महाकुंभ की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, महाकुंभ में इतनों का मौत हुई, कितने कमिश्नर गए? प्रेस को रोका, इंटरनेट बंद किया। इतना हाइप किया कि इतने लोग पहुंच गए, वीवीआईपी के लिए ऐसा किया कि कॉमन लोगों को मुश्किल हुई। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि बंगाल के लोगों को कोई साइन बिना किए डेथ सर्टिफिकेट दे दिया है। ममता ने कहा, केंद्र का बजट चुनाव आने पर एक तरह की बात करते हैं, वादे करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद वादे नहीं निभाते। हम लोग ऐसा नहीं करते हैं, हमारा बजट जो परमिट करता है करते हैं। राज्य का जीएसटी केंद्र ले जाता है, रुपये नहीं देता है। २८ लाख परिवारों को घर देने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ रहा है। ५० हजार करोड़ हम लक्ष्मी भंडार में दे रहे हैं। भाजपा कई राज्यों में हमारी देखादेखी देती है फिर बंद कर देती है, शर्तें लगा देती है। ममता बनर्जी ने राज्य कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता ४ प्रतिशत बढ़ा दिया गया है, जो अप्रैल २०२५ से प्रभावी होगा। कर्मचारी सातवें वेतन आयोग की डिमांड कर रहे थे लेकिन एक दशक बाद भी उनकी यह मांग पूरी नहीं हो पाई है। जबकि केंद्र सरकार आठवें वेतन आयोग की घोषणा पहले ही कर चुकी है।

दलाई लामा को मिली जेड श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली (ईएमएस): तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को खुफिया अलर्ट के बाद भारत सरकार ने जेड-श्रेणी की सुरक्षा प्रदान कर दी है। यह सुरक्षा सीआरपीएफ की ओर से दी जाएगी और संपूर्ण भारत में लागू रहेगी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने खुफिया ब्यूरो (आईबी) की एक रिपोर्ट के मद्देनजर यह फैसला लिया है। इससे पहले तक दलाई लामा की सुरक्षा हिमाचल प्रदेश पुलिस और अन्य एजेंसियों की ओर के हवाले थी। अब भारत सरकार ने सीआरपीएफ को उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है। बताते चलें कि सरकार ने यह फैसला चीन से तनाव की स्थिति और दलाई लामा की वैश्विक लोकप्रियता को देखते हुए लिया है। उन्हें जेड श्रीणी सुरक्षा के तहत सीआरपीएफ कमांडो उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। दलाई लामा के साथ एक एस्कॉर्ट और क्लोज प्रोटेक्शन ऑफिसर भी रहेंगे।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर ट्रैफिक नियम में बदलाव

रांची (एजेंसी): रांची में १४ और १५ फरवरी को ट्रैफिक संबंधी कुछ नए निर्देश जारी किए गए हैं। १४ फरवरी को सुबह ८:०० बजे से रात १०:०० बजे तक शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। इसके अलावा, १४ फरवरी को दोपहर ३:०० बजे से शाम ७:०० बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों का प्रवेश भी प्रतिबंधित किया गया है।

कौन से मार्ग रहेंगे बंद? १४ फरवरी को दोपहर ३:०० बजे से शाम ६:०० बजे तक कांके, रातू, दलादली, काठीटांड़ और काठीटांड़ की ओर जाने वाले वाहन शहर के मुख्य मार्ग लालपुर रोड और कांटाटोली होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इसके अलावा, रांची वासियों को एयरपोर्ट रोड, हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, बाइपास रोड, न्यू मार्केट चौक, हॉट लिप्स चौक और राजभवन मोड़ तक सड़कों का कम से कम उपयोग करने की सलाह दी गई है।

१४ फरवरी को कांके रोड, रातू रोड, काठीटांड़ से शहर की ओर आने वाले सभी वाहन कांके रिंग रोड, लालपुर चौक और कांटाटोली रोड होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे। १५ फरवरी को ट्रैफिक पाबंदी १५ फरवरी को सुबह ८:०० बजे से रात १०:०० बजे तक शहर में सभी प्रकार के बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। इसके साथ ही पलामू, गढ़वा, लातेहार और गुमला से आने वाले बड़े वाहन रिंग रोड होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। जमशेदपुर से आने वाले सभी बड़े वाहन, जिन्हें पलामू की ओर जाना है, वे रामपुर रिंग रोड से बाएं मुड़कर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। वहीं, हजारीबाग से आने वाले बड़े वाहन, जिन्हें पलामू गुमला की ओर जाना है, वे नेवरी रिंग रोड चौक से बाएं मुड़कर रामपुर चौक होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।

दिल्ली को मिनी इंडिया के रुप में विकसित करेगी भाजपा सरकार, हो सकते हैं दो डिप्टी सीएम

नई दिल्ली (ईएमएस): भाजपा राजधानी को मिनी भारत के रूप में दिखाना चाहती है। इसके लिए नए मंत्रिमंडल में दो उपमुख्यमंत्री रखने के विकल्प पर भी विचार कर रही है। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी किसे मुख्यमंत्री बनाएगी इसे लेकर तमाम तरह की चर्चा चल रही है। कई लोगों के नाम सीएम रेस में चल रहे हैं। पार्टी ने साफ किया है कि १४ फरवरी के बाद मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लिया जाएगा। जवाहर लाल नेहरू में ग्रैंड शपथग्रहण समारोह होगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली को मिनी भारत का प्रतिबिंब बताया था। दिल्ली भाजपा के एक शीर्ष नेता ने कहा, पंजाबी, सिख, पूर्वांचली, उत्तराखंडी, वैश्य, जाट समेत समाज के विभिन्न वर्गों से भाजपा नेता अब विधायक बन गए हैं, जिन्हें हमारी सरकार में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री बनाने का विचार पार्टी की इस प्रक्रिया में मदद करेगा। मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के रूप में भाजपा विधायकों के कई नाम चर्चा में हैं। पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा, अगर भाजपा का मुख्यमंत्री एक समुदाय से होगा, तो उपमुख्यमंत्री के पद का प्रयोग उन अन्य लोगों के दावों को संतुलित करने के लिए किया जा सकता है, जिनके समुदाय जैसे कि महिला, सिख, जाट या बनिया ने पार्टी को दिल्ली में इतनी शानदार जीत दिलाई है। रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार जल्द ही छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन करेगी जो चार साल से लंबित है।

सीएम रेस में कई लोगों के नाम चल रहे हैं। जिनमें प्रवेश वर्मा शामिल हैं जिन्होंने नई दिल्ली सीट से आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को हराया है। इसके अलावा दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रमुख विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय, मनजिंदर सिंह सिरसा, पवन शर्मा, आशीष सूद, रेखा गुप्ता और शिखा राय जैसे वरिष्ठ नेता भी शामिल हैं। ▶▶ 8

पाकिस्तानी सेना ने की सीमा पर गोलीबारी भारत ने दिया जवाब 6 को किया ढेर

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। सीमा पार से गोलीबारी की लेकिन भारतीय सेना ने भी इसका मुंह तोड़ जवाब दिया। पाकिस्तानी सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पार गोलीबारी कर दी। इसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इसमें पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ। उसके ६ जवान मारे गए हैं कई घायल भी हुए हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से सीजफायर का उल्लंघन किया गया, जब एक दिन पहले ही जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध आतंकवादियों की ओर से किए गए आईईडी विस्फोट में एक कैप्टन सहित दो भारतीय सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पर तारकुंडी क्षेत्र में अग्रिम चौकी पर बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसका भारतीय सेना ने जवाब दिया। ▶▶ 8

सुनीता विलियम्स लौटेंगी, लेकिन क्या इन मुश्किलों से गुजरना होगा उन्हें

नई दिल्ली (ईएमएस): अंतरिक्ष में ८ महीने बिताने के बाद भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स आखिरकार १२ मार्च २०२५ को धरती पर लौटेंगी। हालांकि, इतने लंबे समय तक माइक्रोग्रैविटी में रहने के कारण उनके शरीर पर कई प्रभाव पड़ सकते हैं, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अनेक एक्सपर्ट बताते हैं कि वापसी के बाद उन्हें किन दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है।

चलने-फिरने में परेशानी- अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण न होने के कारण मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। वहां चलने की जरूरत नहीं होती, इसलिए धरती पर लौटने के बाद शरीर को दोबारा गुरुत्वाकर्षण के अनुसार एडजस्ट होने में समय लगता है। शुरुआत में संतुलन बनाने और सामान्य रूप से चलने-फिरने में दिक्कत हो सकती है।

हड्डियों की कमजोरी- माइक्रोग्रैविटी के कारण हर महीने हड्डियों का घनत्व लगभग १% कम हो जाता है। पैरों, रीढ़ और गर्दन की हड्डियों पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कठिनाई ▶▶ 8

नाबार्ड के सहयोग से चल रहीं योजनाओं को गति दें अफसर : मुख्य सचिव

रांची (ससे): मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से चल रहीं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने योजना क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के ससमय पूरा होने से ही नाबार्ड के ऋण का फायदा मिलेगा।

उन्होंने बहुत धीमी गति वाली योजनाओं के कार्य में प्रगति लाने और जो समय पर पूरी हो सकती हैं, उन योजनाओं पर फोकस करने पर बल दिया। मुख्य सचिव गुरुवार को रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड और अन्य से जुड़ी योजनाओं की हाई पावर कमिटी की बैठक में समीक्षा कर रही थीं। इस दौरान योजनाओं के विरुद्ध स्वीकृत ऋण निकासी के बाद बचे पैसे (गैप) पर भी गहन मंथन किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष २०२५-२६ की संभावित योजनाओं पर चर्चा की गयी।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि विभिन्न विभागों की वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में कुल २९२१.७९ करोड़ की ५०० योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए १८३९.३९ करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हैं या प्रक्रियाधीन हैं। उसमें से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पेयजल से जुड़ी ११३७.५३ करोड़ की १८ योजनाओं के लिए ९७६.९६ करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत हो चुका है। जल संसाधन विभाग के ३६५.३० करोड़ के पलामू लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए ३०८ करोड़ और ५११.३६ करोड़ के पीरटांड़ मेगालिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए ४६१.५३ करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत है।

बताया गया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ३६९ गोदाम और मार्केटिंग सेंटर बनाने के लिए १०३.६६ करोड़ की योजना के विरुद्ध ९२.८५ करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं ग्रामीण कार्य विभाग की ग्रामीण पुल निर्माण की ८०३.९४ करोड़ की योजना है। इसमें से १२४ पुल निर्माण के लिए २७१.३५ करोड़ का ऋण प्रक्रियाधीन है।

समीक्षा के दौरान स्पष्ट हुआ कि वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में सड़क निर्माण विभाग की १,०८८.३६ करोड़ की ३४ में से २२ योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और १२ लगभग पूरी होने की स्थिति में हैं। वहीं जल संसाधन विभाग की २,८७३ करोड़ की सिंचाई योजनाओं में से ४ बड़े प्रोजेक्ट पूरा होने की स्थिति में हैं। ग्रामीण विकास विभाग की ३८० करोड़ की योजनाओं की प्रगति बढ़िया पायी गयी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हाई पावर कमिटी की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री अजय कुमार, पथ निर्माण के प्रधान सचिव श्री सुनील कुमार, कृषि सचिव श्री अबू बक्कर सिद्धीकी, ग्रामीण विकास सचिव श्री के श्रीनिवासन एवं नाबार्ड के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

सीबीआई ने पोस्टमास्टर को 30 हजार घूस लेते रंगे हाथ दबोचा

धनबाद (कासं) : सीबीआई टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बीसीसीएल टाउनशिप कोयला नगर उप डाकघर के पोस्टमास्टर प्रभात रंजन सिंह को ३० हजार रुपए रिश्वत लेते सीबीआई की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बुधवार की रात सीबीआई की टीम ने यह कार्रवाई की है। जगजीवन नगर स्थित बीसीसीएल के न्यू कॉलोनी स्थित उसके आवास से प्रभात रंजन की गिरफ्तारी की गई है। गुरुवार शाम करीब चार बजे तक प्रभात रंजन से सीबीआई ने दूसरे स्थान पर पूछताछ की। शाम चार बजे के बाद उन्हें कार्मिक नगर स्थित सीबीआई कार्यालय लाया गया।

धनबाद प्रधान डाकघर के वरिष्ठ अधीक्षक कार्यालय (एसएसपीओ) में कार्यरत ग्रामीण डाक सेवा के कुछ कर्मचारियों का प्रमोशन हुआ था। इनमें से एक नाम अमन नाम के कर्मचारी का भी था जो कि शिकायतकर्ता है। अमन से प्रमोशन दिलाने के लिए प्रभात रंजन ने ७० हजार रुपए घूस देने की मांग की थी। लेकिन वह घूस देने के लिए तैयार नहीं था. जिसके बाद अमन ने मामले की लिखित शिकायत सीबीआई ऑफिस में की।

सीबीआई की टीम ने शिकायत मिलने के बाद सत्यता की जांच पड़ताल की। जांच पड़ताल के दौरान सीबीआई की टीम ने प्रथम दृष्टया मामला सही पाया। जिसके बाद सीबीआई की टीम ने जाल बिछाया और पोस्टमास्टर को ३० हजार रुपए लेते रंगे हाथ धर दबोचा।

सीबीआई एसपी पीके झा ने बताया कि डाक विभाग के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी से प्रमोशन कराने के नाम पर बीसीसीएल कोयला नगर उप डाकघर में पदस्थापित पोस्ट मास्टर प्रभात रंजन सिंह के द्वारा घूस की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद जांच पड़ताल के दौरान मामला सही पाया गया। जिसके बाद जाल बिछाकर पोस्ट मास्टर प्रभात रंजन सिंह को रंगे हाथ ३० हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

सवारी को लेकर भिड़े ऑटो चालक व सिपाही

धनबाद (कासं) : धनबाद के रणधीर वर्मा चौक के समीप गुरुवार को अवैध रूप से सड़क किनारे ऑटो रिक्शा खड़ा कर सवारी उतारने और बैठाने को लेकर धनबाद पुलिस जवान और ऑटो रिक्शा चालक में जमकर बहसबाजी हो गई। इस दौरान ऑटो रिक्शा चालक ने आरोप लगाया कि परीक्षा देने आए विद्यार्थियों को ले जा रहा था इस दौरान पुलिस जवान ने उसके साथ धक्कामुक्की करते हुए पिटाई कर दी। पुलिस और ऑटो चालक के बीच हुई बकझक के कारण थोड़े देर के लिए माहौल गर्मा गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा बीच बचाव कर मामला को शांत किया। जिसके बाद ऑटो रिक्शा चालक वहां से चला गया।

हालांकि पुलिस जवान पिंकू महतो ने बताया कि अवैध रूप से सड़क किनारे ऑटो रिक्शा खड़ा कर चालक सवारी बैठा रहा था जब आगे बढ़ाने को कहा तो बहस करने लगा। मारपीट का आरोप पूरी तरह से गलत है। बता दे कि इन दिनों रणधीर वर्मा चौक के समीप कई वाहन चालक ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखकर लगातार सड़क पर अवैध रूप से अपनी वाहनों को खड़ा कर दे रहे हैं जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिला प्रशासन द्वारा लगातार कारवाई भी की जाती है लेकिन वाहन चालकों की मनमानी नहीं रुकती।

पेड़ से लटकता ईसीएलकर्मी का मिला शव, हत्या की आशंका

निरसा (ससे) : ईसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर कोलियरी के बन्द १० नम्बर खदान के समीप ईसीएल कर्मी नन्दू राय ५६ वर्षीय का पेड़ से लटकता शव मिला जिससे क्षेत्र में सनसनी मच गई। शव को देखने से प्रतीत होता है कि किसी ने हत्या कर पेड़ से लटका दिया है। मृतक ईसीएल में सुरक्षागार्ड के रूप में कार्य करता था। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। घटना की सूचना पर पहुंची निरसा पुलिस शव को अपने कैंजे में लेकर पोस्टमॉडम हेतु धनबाद भेजकर जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि मृतक ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या हुई है रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। मृतक के परिजनों के अनुसार नन्दू राय पूर्व में दो बार आत्महत्या का प्रयास किया था जो बच गया था। दो दिनों से घर में झगड़ा चल रहा था जिसके कारण घर से बाहर चला गया। हमलोंगों ने खोजा नहीं मिला। सुबह जानकारी मिली कि नन्दू राय पेड़ से लटका हुआ है जिसकी सूचना पुलिस को दी। जांच में पहुंचे पुलिस अधिकारी शशिकांत पांडेय ने भी कहा कि प्रथमद्रष्टया आत्महत्या का मामला नहीं लगता। पोस्टमॉडम रिपोर्ट से स्थिति का स्पस्ट हो सकेगी। हर बिंदुओं पर जांच जारी हैं।

कुम्हारडीह में शव पहुंचते ही छाया मातम

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर साहिबगंज रोड पर कुम्हारडीह मोड़ में बुधवार शाम हुई दुर्घटना में मृत जयप्रकाश राय एवं मंजू देवी का शव पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार को पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया।

रामनगर और कुम्हारडीह में शव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया। जयप्रकाश राय के परिजन शव लेकर बिहार के मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत घोसरा, पटशर्मा ले गए, जबकि कुम्हारडीह की मंजू देवी की अंतिम क्रिया शाम में खुदिया घाट कुम्हारडीह में कर दी गई। मंजू देवी कुम्हारडीह निवासी कालू रजवार की पत्नी थी। उनके परिवार में तीन पुत्र और एक पुत्री है।

जयप्रकाश राय के परिवार में पत्नी और एकलौता पुत्र रवि रंजन है। इस घटना के लिए साहिबगंज रोड चौड़ीकरण कंपनी को जिम्मेदार ठहराते हुए झामुमो नेता एजाज अहमद, अनवर अंसारी, समीर दे, कौशल यादव एवं विमल चंद्र दे ने कहा कि यदि कंपनी ने मृतक के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया तो कोर्ट में मुकदमा दायर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में लगी कंपनी की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई और दोनों की जान गई है।

कंपनी ने साहिबगंज रोड को नाला में परिणत कर दिया है। रोड के पूरब और पश्चिम दिशा में ऊंचीऊंची मेड़ बना दी गई है। इससे वाहनों को आनेजाने में भारी परेशानी हो रही है। वाहनों के घूमने का कोई जगह नहीं रह गया है। इससे सड़क पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही है और लोगों की जान जा रही है। उन्होंने कहा कि पूरा समाज मृतक के परिजनों के साथ है।

शिकायत करने वाले व्यक्ति को धमका रहे निबंधन पदाधिकारी : वालिया

धनबाद (कासं) : झारखंड मुक्ति मोर्चा (यू) के धनबाद महानगर अध्यध जेपी वालिया ने उपायुक्त के माध्यम से निबंधन मंत्री

रामदास सोरेन को एक पत्र भेजकर धनबाद निबंधन कार्यालय में पदस्थापित जिला निबंधन पदाधिकारी की शिकायत कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने शिकायत पत्र में लिखा है कि धनबाद अंचल कार्यालय के आसपास बाहरी लोगों ने कब्जा जमा रखा है। वे सरकारी जमीन पर टेबल-कुर्सी लगाकर दलाली के धंधे में सक्रिय देखे जाते हैं। कार्यालय के दरबाजे पर बैठा चपरासी उत्तम सेन अवैध वसूली में लगा रहता है। सर्टीफाइ कॉपी निकालवाने के लिए लोगों से मुंह मांगा पैसे लेता है। इसके अलावा गेट पर खड़ा रहने वाला विनय ठाकुर निबंधन के साथसाथ कोर्ट मैरेज का भी काम करवाता है। इन्हे निबंधन पदाधिकारी का खुला समर्थन हासिल है। वहीं, मानस और इकबाल नामक बाहरी लोगों का रिकार्ड रूम में पूरी तरह से कब्जा है। इन लोगों ने रेकार्ड रूम से कई जरूरी कागजात गायब कर दिया है। यह कार्य अवर निबंधन पदाधिकारी के इशारों पर किया जाता है। श्री वालिया ने इस पूरे मामले की जांच कराए जाने की मांग की है। श्री वालिया ने पत्र में आगे लिखा है कि निबंधन पदाधिकारी की शिकायत करने वाले व्यक्ति को अपने कार्यालय में बुलाकर उन्हें धमकाया जाता है।

बिनोद बिहारी महतो कॉलेज में विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत बिनोद बिहारी महतो इण्टर महिला महाविद्यालय, मदैयडीह में निर्मित विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन गुरूवार को किया गया। इस अवसर पर बीसीसीएल के निदेशक कार्मिक मुरलीकृष्ण रमैया तथा विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने संयुक्त रूप से विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

इस प्रयोगशाला के निर्माण का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों और सुविधाओं से युक्त वातावरण प्रदान करना है, जिससे उनकी विज्ञान विषय में रुचि बढ़े और वे व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त कर सकें।

इस कार्यक्रम में बीसीसीएल के विभिन्न विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने बीसीसीएल के इस प्रयास की सराहना की और इसे क्षेत्र के शैक्षिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) मुरलीकृष्ण रमैया ने कहा कि बीसीसीएल द्वारा सीएसआर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस प्रयोगशाला के निर्माण से छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त हुआ तुलसी भुईयां

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद पुलिस ने गुप्त सूचना पर अपहृत तुलसी भुईयां को गुरूवार को धनबाद मेन पोस्ट ऑफिस के पास से बरामद किया गया है। पुलिसिया दबिश के कारण अपहरणकर्ताओं ने तुलसी भुईयां को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस तुलसी भुईयां से कांड के संबंध में पूछताछ कर रही है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि कमलेश मांझी गया निवासी ने अपने मामा तुलसी भुईया का अज्ञात लोगों के विरुद्ध अपहरण का लिखित शिकायत लोयाबाद थाना में दिया था। पुलिस ने शिकायत पर कांड संख्या ५/२५ दर्ज कर, टीम गठित कर छापामारी किया जा रहा था। पुलिसिया दबाव के कारण अपहरणकर्ताओं ने तुलसी भुईयां को छोड़कर फरार हो गये थे।

इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में आरबीआई ने दी वित्तीय जानकारी

धनबाद (कासं) : भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय द्वारा मोरहाबादी मैदान में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में वित्तीय जागरूकता केंद्र लगाया गया है। वित्तीय जागरूकता केंद्र का उद्घाटन भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने किया। क्षेत्रीय निदेशक ने वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक जो हमारे आर्थिक परिदृश्य में सुदृढ़ता, विकास और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आरबीआई इस वर्ष अपनी ९०वीं वर्षगांठ मना रही है। इस अवसर पर वित्तीय समावेशन और जागरूकता के आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक झारखंड राज्य के विभिन्न स्कूलों में ९० वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय, महिलौंग तथा कस्तूरबा प्लस २ उच्च विद्यालय, खरसीदाग बिरसा आवासीय बाल विकास विद्यालय, कामड़े, राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, तिलता रातू के विद्यार्थियों ने वित्तीय साक्षरता केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस वित्तीय जागरुकता केंद्र में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता संबंधित पुस्तिकाएं प्रदर्शित की गई हैं। केंद्र में बैंकिंग संबंधी आवश्यक सूचनाएं व जानकारियों को ऑडियोबीडियो के माध्यम से प्रसारित किया जा रहा है। वित्तीय साक्षरता स्टॉल में उपस्थित दर्शकों के लिए एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें हर वर्ग के दर्शकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को वित्तीय साक्षरता संबंधी पुस्तिकाएं व संदेश पत्र तथा आकर्षक उपहार भी दिए गए।

सिंदरी को टुकड़ेटुकड़े करने की साजिश का विरोध

सिंदरी (ससे) : गुरुवार को संयुक्त संघर्ष मोर्चा सिंदरी की बैठक बिरसा समिति सिंदरी में विकाश कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में हुई, जिसका संचालन सुरेश रावत ने किया। बैठक में मोर्चा में शामिल सभी घटक दलों के प्रमुख नेता एवं सिंदरी के विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे।

बैठक में एफसीआईएल प्रबंधन द्वारा पीपी एक्ट के माध्यम से सिंदरी के आवासों में रहने वाले परिवारों को नोटिस देकर सिंदरी को टुकड़ेटुकड़े करने की साजिश का एकजुट होकर विरोध करने का फैसला लिया गया। एफसीआई प्रबंधन द्वारा सिंदरी को उजड़ने की नीति के खिलाफ आगामी अठारह फरवरी को एफसीआईएल के मुख्य द्वार पर प्रस्तावित महाधरना को सफल बनाने के लिए सिंदरी में जन जागरण एवं प्रचार अभियान चलाने का फैसला लिया गया। इसके तहत नुक्कड़ सभा, प्रचार वाहन एवं मसाल जुलूस निकाला जाएगा। सभी वक्ताओं ने सिंदरी के गांवशहर के सभी लोगों से अपील की गई कि महा धारणा में उपस्थित होकर एफसीआईएल के द्वारा सिंदरी उजाड़ने का विरोध दर्ज करें एवं सिंदरी के अस्तित्व की रक्षा की इस लड़ाई में अपना भागीदारी निभाएं। अठारह फरवरी को प्रस्तावित महाधरना को ऐतिहासिक बनाकर एफसीआई मैनेजमेंट को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की गई।

बैठक में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष अजय कुमार, सीपीआई (एमएल) के वरिष्ठ नेता सुरेश प्रसाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नगर अध्यक्ष अशोक महतो, राष्ट्रीय जनता दल के जिला नेता सुरेश राउत, सीपीआई (एम) सिंदरी बलियापुर लोकल कमेटी सचिव विकास कुमार ठाकुर, शाखा सचिव गौतम प्रसाद, सूर्यकुमार सिंह, विमल रवानी, मंगल महतो, ध्रुव दास, सहदेव सिंह, विरिची महतो, दशरथ ठाकुर, अमर सिंह, परशुराम सिंह, सोहन सोरेन, हेमन्त जयसवाल, शिवू राय, छोटन चटर्जी, राजीव मुखर्जी, दिलीप मिश्रा, विदेशी सिंह, विनय कुमार सिंह, नरेंद्र नाथ दास, दीपक बनर्जी, राजन तिवारी तथा सुरेश सिंह ने अपना वक्तव्य रखा।

समाज में फैले कुरीतियों को खत्म करें : राजपूत समाज

पुटकी (ससे) : धनबाद बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज झारखण्ड प्रदेश का दसवां महाधिवेशन गुरूवार को राजपूत भवन मुनीडीह (जतुडीह) प्रधान कार्यालय में संपन्न हुआ। धनबाद बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज झारखंड प्रदेश का दसवां महा अधिवेशन एवं ३२वां स्थापना दिवस गुरुवार को काफी तनातनी के बीच में संपन्न हुआ। अधिवेशन मे सर्वप्रथम समाज के दो दिवंगत सदस्य समाज के प्रथम महामंत्री एस के राय एवं सी आर पी एफ के जवान शहीद गौरीशंकर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। महा अधिवेशन को अध्यक्ष जनमंजय सिंह ने आये सभी ५ ज़ोन और ५६ गांव के उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को अपने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में एकजुट होकर भेदभाव को भुला कर आगे आना होगा। साथ ही उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में सभी से आगे आने का आह्वान किया। सचिव शंकर दयाल सिंह ने अपने ३ साल के कार्यकाल का लेखाजोखा प्रस्तुत किया। जिसमें बताया गया कि समाज के गरीब कन्याओं का विवाह में आर्थिक मदद प्रदान की गई। वही दो बीमार लोगों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता दी गई।

समाज के एक दिवंगत सदस्य का शव विशाखापट्टनम से धनबाद लाने का खर्चा समाज के द्वारा उठाया गया सहित अन्य बातों को प्रस्तुत किया। अन्य वक्ताओं में सूर्य नारायण सिंह, दुनिया लाल सिंह, जीत लाल सिंह, पंचायत समिति सदस्य सुधीर कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, (वरडूभी) रमेश कुमार सिंह (दुबराजडीह पंचायत) दोनों मुखिया आदि ने सम्बोधित किया। अधिवेशन की अध्यक्षता जनमंजय सिंह ने की। संचालन शंकर दयाल सिंह एवं जीत लाल सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल आयोजन में सूर्य नारायण सिंह, सुधीर कुमार सिंह, दुनिया लाल सिंह, बबलू सिंह, कामदेव सिंह, धरणीधर सिंह, विष्णु सिंह, मुकेश सिंह, शिवराम सिंह आदि का अहम् योगदान रहा। चुनाव की गलत प्रक्रिया और प्रतिरोध के कारण चुनाव संपन्न नहीं हो सका। इस संबंध में सूर्य नारायण सिंह ने बताया कि अगले १ महीने के अंदर इस पर पुन बैठक कर नई कमिटी के गठन की प्रक्रिया सर्वसम्मति से शुरू की जाएगी। महा अधिवेशन का धन्यवाद ज्ञापन बोकारो निवासी अतुल सिंह ने किया।

यूनियन सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेवारी

जोड़ापोखर (ससे) : गुरुवार को बिहार कोलियारी कामगार यूनियन के क्षेत्रीय कार्यालय में यूनियन के अध्यक्ष रंजीत यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें संगठन सचिव शिव बालक पासवान एवं केन्द्रीय सचिव दिलीप चक्रवर्ती के उपस्थित में उत्तम कुमार शाह को क्षेत्रीय सहायक सचिव बनाया गया।

संगठन को विस्तार एवं दुरुस्त करते हुए रंजीत यादव को अमलाबाद कोलियरी का प्रभारी मोती लाल मुर्मू को, सह प्रभारी भौंरा कोलियारी के प्रदीप भट्टाचार्य, प्रभारी दुकालू दास को, सह प्रभारी एरिया शाखा में उत्तम कुमार शाह एवं गौतम पत्रा को एवं सुदामडीह एसपी कोलियारी में साधन बनर्जी, मोती लाल हेम्ब्रम को प्रभार दिया गया तथा अंत में यह फैसला लिया गया कि २३ फरवरी २०२५ को जेलगोरा गेस्ट हाउस हॉल में विस्थापन तथा प्रदूषण के कन्वेंशन में भौंरा से अधिक से अधिक यूनियन तथा लोगों को शामिल करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से दिलीप चक्रवर्ती, शिव बालक पासवान, प्रमोद तिवारी, राजेन्द्र सिंह, दुकालू दास, सुनूं हेम्ब्रम, प्रदीप भट्टाचार्य, मोती लाल हेम्ब्रम, संतोष कुमार, राम प्रवेश यादव आदि उपस्थित थे।

डीएवी मॉडल स्कूल में तीसरे चरण का नामांकन शुरू

जोड़ापोखर (ससे) : गुरूवार को डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई, धनबाद में तीसरे चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया के अंतर्गत एलकेजी से कक्षा नवीं तक के बच्चे शामिल हुए। इस चरण के नामांकन हेतु कुल १०० आवेदन आए थे। अभिभावक एवं बच्चों को संबोधित करते हुए स्कूल की अनुशासन प्रिय प्राचार्या ने कहा कि प्रत्येक बच्चे

को अच्छे से अच्छे स्कूल में पढ़ने का अधिकार है, हमारा विद्यालय शहर के प्रतिष्ठित विद्यालयों में से एक है। यहां स्मार्ट शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्मार्ट क्लास रूम, नृत्य एवं संगीत शाला, एम्यूजमेंट पार्क आदि की व्यवस्था है। हमारी प्राथमिकता गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं अनुशासन है। इस नामांकन प्रक्रिया का परिणाम १५ की सुबह १० बजे स्कूल के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

मैट्रिकइंटर परीक्षा के दौरान सभी केन्द्रों पर रहेगी निषेधाज्ञा

धनबाद (कासं) : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की १०वीं एवं १२वीं की परीक्षा जिले के २० परीक्षा केंद्रों में संचालित की जाएगी। अनुमंडल दंडाधिकारी राजेश कुमार ने सभी परीक्षा केंद्रों के १०० मीटर परिक्षेत्र में परीक्षा अवधि तक धारा १६३ बी.एन.एस.एस. के तहत निषेधाज्ञा जारी की है।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि १५ फरवरी से ४ अप्रैल २०२५ तक जिले के डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर, डीएवी पब्लिक स्कूल मुनीडीह, डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई, इंडियन स्कूल ऑफ़ लर्निंग कतरास मोड़, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर धनसार, दिल्ली पब्लिक स्कूल कार्मिक नगर, डीएवी सैंटनरी पब्लिक स्कूल बनियाहीर, धनबाद पब्लिक स्कूल केजी आश्रम गोविंदपुर रोड, सरस्वती शिशु मंदिर श्यामडीह कतरास, सरस्वती विद्या मंदिर भूली, किड्स गार्डन सेकेंडरी स्कूल झरिया, गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल बैंक मोड़, धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच, सिंबोसिस पब्लिक स्कूल बरवाअड्डा, द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन एकेडमी बिहाइंड पॉलिटेक्निक, मोंटफॉर्ट एकेडमी तोपचांची, स्वामी विवेकानंद स्कूल चिरकुंडा, केंद्रीय विद्यालय नंबर १ धनबाद, केंद्रीय विद्यालय मैथन डैम तथा जवाहर नवोदय विद्यालय बेनागरिया में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों में कदाचार मुक्त, शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा का संचालन करने के लिए विधि-व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए निषेधाज्ञा के दौरान परीक्षा अवधि में परीक्षा केंद्रों के अगलबगल में अनावश्यक भीड़ लगना, मटरगश्ती करना, लाउडस्पीकर का उपयोग करना एवं अनाधिकृत रूप से हथियार लेकर चलने तथा कदाचार से संबंधित किसी प्रकार की वस्तु का उपयोग करने आदि पर प्रतिबंध रहेगा। उपरोक्त आदेश १४ फरवरी की रात्रि १२ बजे से ४ अप्रैल २०२५ तक, परीक्षा अवधि में लागू रहेगा।

हनुमान मंदिर का वार्षिक महोत्सव संपन्न

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना मोड़ स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर का १५वां वार्षिक दो दिवसीय महोत्सव गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ। वार्षिक महोत्सव के साथसाथ प्राण प्रतिष्ठा को लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जी की पूजाअर्चना के साथसाथ २४ घंटे का अखंड संकीर्तन का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम में आचार्य अनिमेष ओझा एवं पंडित सुरेंद्र नाथ दुबे उर्फ भण्डारी बाबा एवं अन्य पंडितों के द्वारा पूरे विधिविधान के साथसाथ बुधवार को सुबह ११ बाजे से अखंड संकीर्तन का शुभारम्भ किया गया। मुख्य यजमान में भास्कर सिंह चौधरी, पीताम्बर सिंह चौधरी सह पत्नी शामिल थे। मौके पर मंदिर को भव्य तरीके से विद्युत एवं फूलों से सजाया गया था। गुरुवार को हवन एवं आरती के साथ महाभोग वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। रात्रि में जागरण का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तम सिंह चौधरी, विजय सिंह चौधरी, विशाल सिंह चौधरी, अमित सिंह चौधरी, लालू, अभिमन्यु रवानी, विजय कुमार शुक्ला आदि का अहम् योगदान था।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

करंट की चपेट में आने से हेल्पर की मौत

जोड़ापोखर (ससे) : बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र कुजामा कोलियरी में बिजली हेल्पर के पद पर कार्यरत कुलदीप साव (४५) की बुधवार की शाम को कुजामा कोलियरी विद्युत सब-स्टेशन कुजामा में ११ वोल्ट के बिजली की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में सहकर्मियों ने आनन फानन में उसे जियलगोरा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचा. जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने केंद्रीय अस्पताल धनबाद रेफर कर दिया।

इस दौरान अस्पताल पहुंचते ही परिसर में उसने दम तोड़ दिया। मृत कर्मी जियलगोड़ा सात नंबर कॉलोनी का रहनेवाला था। मृतक के शव को धनबाद एसएनएमएमसीएच में पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार को सयुंक्त मोर्चा के नेताओं और परिजनों ने लोदना क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य गेट के समीप एंबुलेंस लेकर पहुंचे। कार्यालय परिसर मे अंदर शव रखने को लेकर हंगामा करना लगा। इस दौरान सुरक्षा इंचार्ज रामजी पांडे के द्वारा मुख्य गेट का ताला नहीं खोलने के कारण मोर्चा के लोगों ने सुरक्षा प्रहरियों में जमकर नोंकझोंक हुई। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने ऑफिस के अंदर शव रखने को लेकर मुख्य गेट का ताला तोड़ने लगे उसके बाद हो हंगामा होते रहा। उसके बाद मोर्चा के लोगों ने गेट बाहर ही प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, मोर्चा के नेताओं व परिजनों ने कहा कि एक यूनियन व लोदना महाप्रबंधक के बीच जो समझौता पत्र में प्रबंधन लिखित दिया गया है कि कुलदीप साव कि मृत्यु कार्य के दौरान गिरने से हुई, वह गलत है।

कार्य के दौरान बिजली लगने से मौत हुई है। पूरा शरीर उसका जला हुआ था इसलिए उसे के परिजनों को फेटल एक्सीडेंट के तहत मिलने वाली राशि व तत्काल उसके पुत्र शत्रुघ्न साव को प्रोविजनल ज्वाइनिंग का पत्र दिया जाए, जो यूनियन ने वार्ता किया। वह मजदूरों हित में नहीं है मजदूर के खिलाफ है प्रबंधन फेटल एक्सीडेंट के तहत सारा सुविधा दें। घटना के बाद से मृतक की पत्नी ललिता देवी, सहित बड़ा पुत्र शत्रुघ्न साव, छोटा पुत्र करण साव, पुत्री इंद्राणी कुमारी का रो रोकर बुरा हाल है।

बताया जाता है कि मृतक कुलदीप पिछले माह ही लोदना कोलियरी से स्थानांतरित होकर कुजामा कोलियरी आया था। बुधबार की शाम कोलियरी अभियंता संदीप कुमार ने कुलदीप को कुजामा कोलियरी के ट्रांसफार्मर में हुई तकनीकी गड़बड़ी को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। जिसके बाद अभियंता के दवाब में वह अपने सहकर्मी अमरेंद्र सिंह के साथ ट्रांसफार्मर को ठीक करने के लिए चला गया। उसने पहले स्वीच काटा, लेकिन स्वीच ऑफ नहीं हो सका। जिसकारण वह ११ हजार बिजली की चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस कर घायल हो गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। मौके पर धर्मेन्द्र रॉय, मनोहर सिंह, अनिल सिंह, ललन पासवान, मुनीलाल राम, विजय यादव एवं संयुक्त मोर्चा के सभी नेतागण थे।

जंगल में मिला महिला का शव

धनबाद (कासं) : बेलगढ़िया जंगल में गुरुवार को एक महिला की लाश मिली है, जिसकी पहचान बेलगढ़िया मोहली टोला निवासी जयराम मोहली की पत्नी डॉली देवी के रूप में की गई है। महिला की मौत फांसी के फंदे से हुई है, जो गमछे से बनाया गया था। घटना बलियापुर थाना क्षेत्र की है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डॉली देवी का दो दिन पूर्व अपने पति से विवाद हुआ था और इसके बाद से वह लापता थी। डॉली ने अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ा है। उनका मायका बोकारो के चास प्रखंड में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मृतका डॉली देवी के भाई दिलीप मोहली ने बताया कि दो दिन पहले उनकी बहन के पति ने फोन कर कहा कि डॉली घर से गायब है। इसके बाद उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने डॉली की तलाश शुरू की। उन्हें पता चला कि डॉली का अपने पति के साथ बहुत विवाद हुआ था और इसके बाद से वह लापता थी। दिलीप मोहली ने बताया कि वे लोग डॉली की तलाश में इस जंगल में भी आए थे, लेकिन उस समय उन्हें कुछ नहीं मिला। आज उन्हें पता चला कि डॉली की लाश मिली है। मृतका डॉली देवी के परिवार ने उनके पति जयराम मोहली पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद से आरोपी पति फरार है। मृतका के ससुराल में उनके पति के अलावा उनका भाई, साससुर और ननद भी रहते थे। डॉली के भाई दिलीप मोहली ने इस घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल में उनकी बहन के साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। बलियापुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आरोपी पति की तलाश में जुट गई है।

उपायुक्त ने दिये जीर्णोद्धार कार्य में तेजी लाने का निर्देश

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने गुरुवार को अमृत २.० के तहत किए जा रहे लोको टैंक के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में उन्होंने लोको टैंक के चारों ओर किए जा रहे निर्माण कार्य, निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल, टिकट घर, शौचालय, स्टेप्स इत्यादि की समीक्षा की। साथ ही कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान संवेदक मनमोहन ग्रोवर ने बताया कि रेलवे लाइन के किनारे वाले क्षेत्र को छोड़कर लोको टैंक के तीनों तरफ मॉर्निंग वॉक ट्रैक बनाया जाएगा। लाइटिंग की व्यवस्था भी की जाएगी। साथ ही आमजनों के लिए पार्क, गजिबो, ओपेन जिम, स्ट्रीट लाइट तथा पार्किंग स्थल उपलब्ध रहेगा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, अंचल अधिकारी धनबाद शशिकांत सिंकर, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, प्रकाश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, नगर निगम के कार्यपालक अभियंता व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

खड़ी कार में लगी आग, मची अफरा तफरी

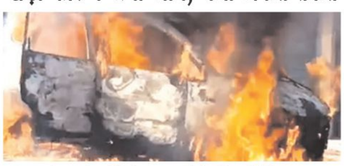

झरिया (ससे) : झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग चौथाई कुल्ही स्थित इमामबाड़ा के समीप गुरुवार की सुबह सड़क किनारे खड़ी एक कार मे अचानक आग लग गई। कार के मालिक द्वारा आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई गई। वही कार में आग लगने के दौरान लगभग एक घंटे तक अफरातफरी मची रही। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूचना उपरांत दमकल विभाग द्वारा घटनास्थल पर पहुंच कड़ी मस्कत से आग पर काबू पाया। घटना के संबंध मे स्थानीय समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता फैज अहमद रिजवी ने बताया कि सुबह अचानक देखा कि सड़क किनारे खड़ी जो कार संख्या जेएच १० आर ०९४० में अचानक आग लग गई। कार चालक ऊपरकुल्ही निवासी रिजवान आलम अपने बच्चों को स्कूल पहुंचा कर जैसे ही सड़क किनारे खड़ी कर सेल्फ स्टार्ट किया वैसे ही गाड़ी में स्पार्क हो गया और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। कार चालक रिजवान आलम किसी प्रकार कार से बाहर निकल गया। इतने ही देर में कार धूधू कर पूरी तरह से जल गई। आग की तेज लपटे और आवाज से पूरा हड़कंप मच गया। लोग इधर उधर भागते दिखाई दिए। जिसके बाद झरिया थाना प्रभारी को सूचना दी गई। झरिया थाना द्वारा दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल विभाग की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंच आग पर काबू पाया।

रिटायर्ड कर्मियोंअधिकारियों को मिलेगा उपचार का लाभ

धनबाद (कासं) : झारखंड हाई कोर्ट के एक फैसले से कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी इकाई में कार्यरत या रिटायर्ड कर्मियोंअधिकारियों को तो फायदा होगा ही, साथ ही अन्य को भी फायदा हो सकता है। कोल इंडिया की इकाई बीसीसीएल के एक रिटायर्ड एग्जीक्यूटिव की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया है। आदेश में कहा गया है कि किसी व्यक्ति को कंपनी की चिकित्सा बीमा योजना के तहत मानसिक उपचार से वंचित नहीं किया जा सकता। मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति या शारीरिक रूप से बीमार व्यक्ति के बीच उपचार और अन्य सुविधाएं देने के मामले में कोई अंतर नहीं किया जा सकता।

अदालत ने बीसीसीएल के प्रार्थी की पत्नी के मानसिक उपचार में हुए खर्च की भरपाई करने का निर्देश दिया है। प्रार्थी ने अपनी पत्नी के मानसिक इलाज के लिए कंपनी की स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इलाज करने के लिए आवेदन दिया था। लेकिन कंपनी ने कहा कि बीमा योजना का लाभ शारीरिक उपचार के लिए है, मानसिक उपचार के लिए योजना का लाभ नहीं दिया जा सकता।

इसके बाद प्रार्थी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा अधिनियम चिकित्सा प्रतिपूर्ति योजनाओं में मानसिक और शारीरिक दोनों बीमारियों के लिए समान उपचार को अनिवार्य बनाता है। न्यायालय ने कहा है कि यह वैधानिक निर्देश सभी स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं को मानसिक बीमारी के उपचार के लिए इस तरह प्रावधान करने का आदेश देता है, जैसा कि शारीरिक बीमारी वाले व्यक्तियों के संबंध में किया जाता है। अदालत ने बीसीसीएल को प्रार्थी के खर्च की भरपाई करने का भी आदेश दिया है।

शक्ति मंदिर से निकलेगी प्रभात फेरी

धनबाद (कासं) : २८वें शक्ति मन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर श्रीश्री भगवती जागरण कमिटी की बैठक अध्यक्ष एसपी सौंधी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्राण प्रतिष्ठा पूजन प्रातः ९ बजे से १२ बजे तक एवं हवन संध्या ३ बजे से ५ बजे तक उसके बाद आरती होगी। समस्त पूजन १५ फ़रवरी से प्रारम्भ होकर १९ फ़रवरी तक प्रतिदिन होंगे। मन्दिर प्रांगण से १९ तारीख़ प्रातः पाँच बजे प्रभात फेरी निकाली जायेगी जो धनसार, धोबाटाँड, बैंकमोड, पानी टंकी, तेतुलतल्ला छोटा गुरुद्वारा होते हुए पुनः शक्ति मन्दिर पहुँचेगी एवं २० फ़रवरी को माता का विशाल भण्डारा होगा। बैठक में सर्वश्री सचिव अरुण भण्डारी, उपाध्यक्ष राजीव सचदेव, संयुक्त सचिव सुरेन्द्र अरोड़ा, सह कोषाध्यक्ष दिनेश पूरी, कार्यकारिणी सदस्य रवि गंडोतरा, अशोक अरोड़ा, साकेत साहनी, सदस्य सोमनाथ प्रूथी, अशोक भसीन, दीपक चौपड़ा, अरुण गुजराल, पूर्णचंद झाम उपस्थित हुए।

केनरा बैंक ने बच्चों में बांटे खेल सामग्री

गोविंदपुर (ससे) : केनरा बैंक की गोड़तोपा शाखा ने गुरुवार को सीएसआर के तहत राजकीय उच्च विद्यालय प्रधानखनता में विद्यालय को बच्चों को खेल सामग्री प्रदान की। बच्चों को बैट बॉल किट, बैडमिंटन व फुटबॉल किट प्रदान किये। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय से मंडल प्रबंधक नीरज बाबू एवं प्रबंधक निवेदिता कंचन ने भाग लिया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। शाखा प्रबंधक अनिल कुमार मल्लिक ने कहा कि पढ़ाई के साथसाथ मानसिक विकास के लिए खेलना कूदना भी बहुत जरूरी है। मौके पर प्रधानाध्यापिका शालिनी श्रीवास्तव, सुशील यादव, पिंकी कुमारी, संदीपन कुमार, संतोष कुमार, अजिगल हांसदा, ईश्वर प्रसाद, राकेश रंजन, कार्तिक कुमार, मनोज कुमार राय, महेंद्र कुमार हेंब्रम आदि उपस्थित थे।

मजदूरों को अपने हक व अधिकार के लिए संघर्ष करना होगा : अरूप चटर्जी

बाघमारा (ससे) : भाकपा माले लिबरेशन बाघमारा प्रखंड कमिटी और बिहार कोलियरी कामगार यूनियन, गोविंदपुर एरिया तीन के संयुक्त तत्वावधान में खरखरी दुर्गा मंडप प्रांगण में विस्थापित मजदूरों, बेरोजगारों और किसानों की समस्याओं को लेकर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया।

इस जनसभा में मुख्य अतिथि निरसा विधायक व जेबीसीसीआई सदस्य अरुप चटर्जी ने कहा कि मजदूरों और किसानों को अपने हक और अधिकार के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि बाघमारा पहले मजदूर आंदोलन के लिए जाना जाता था, लेकिन आज यह रंगदारी और माफियागिरी के लिए पहचाना जा रहा है, जिसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने प्रबंधन से स्थानीय लोगों को नियोजन एवं मुआवजा देने की मांग करते हुए कहा, लाल झंडा का इतिहास रहा है कि जिस चीज की लड़ाई लड़ी जाती है, उसे अंजाम तक पहुंचाया जाता है।

जनसभा में विशिष्ट अतिथि भाकपा माले के पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के केंद्रीय सचिव जे.के. झा, केंद्रीय उपाध्यक्ष शेख रहीम, ब्लॉक टू एरिया के क्षेत्रीय सचिव नकुल महतो सहित कई अन्य नेताओं ने संबोधित किया। नेताओं ने ७०८० के दशक में मजदूर आंदोलनों की याद दिलाते हुए कहा कि आज भी मजदूरों को अपने अधिकारों की लड़ाई लड़नी होगी।

विधायक अरुप चटर्जी ने यह भी स्पष्ट किया, ना मुझे बीसीसीएल में ठेकेदारी करनी है, ना आउटसोर्सिंग कंपनी का पार्टनर बनना है और ना ही ट्रांसपोर्टिंग कार्य में कोई रुचि है। इसलिए हमें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। इस जनसभा में वरिष्ठ नेता धनंजय महतो, बैधनाथ सोरेन, अनिल बाऊरी, पी.एन. तिवारी, बलदेव वर्मा, सीताराम कर्मकार, गोपाल महतो, शेख नवाब, हाजी हुसैन, हाजी शेख मन्नान, वंशी महतो, भरत महतो और मुन्ना तिवारी ने भी अपने विचार रखे। जनसभा की अध्यक्षता देवाशीष चटर्जी ने की एवं संचालन राजेश महतो ने किया। सभा में भारी संख्या में मजदूर, किसान और स्थानीय लोग मौजूद रहे और उन्होंने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

मध्य विद्यालय इंड्रस्टीज में झरिया विधायक ने किया शौचालय का शिलान्यास

जोड़ापोख (ससे) : मध्य विद्यालय इंड्रस्टीज परिसर में गुरुवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शौचालय निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। शौचालय निर्माण कार्य भवन निर्माण विभाग धनबाद द्वारा किया जाएगा। शौचालय का निर्माण ९ लाख की लागत से होगी। मौके पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि मध्य विद्यालय इंड्रस्टीज छात्राओं को काफी परेशानी हो रही थी। लोगों ने इस समस्या से अवगत कराया। जिसे गंभीरता पूर्वक लेते हुए विद्यालय में शौचालय निर्माण कराया जा रहा है। शौचालय का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण होने चाहिए। क्योंकि यह विद्यार्थियों की भविष्य का सवाल है। शौचालय बन जाने से यहां के छात्राओं को काफी सुविधा होगी। मौके पर प्राचार्य अशोक सिंह, मंडल अध्यक्ष तरुण, संतोष शर्मा, मनोज गोप, पप्पू पासवान, बप्पू बाउरी, शर्मिला देवी, अनिता देवी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

फेफड़े की गंभीर बीमारी का सफल इलाज

धनबाद (कासं) : एशियन हॉस्पिटल धनबाद सेंटर के अनुभवी एवं विशेषज्ञ पल्मनोलॉजिस्ट डॉ. बंदिका पृथ्वीराज ने ६० वर्षीय मरीज का जो २ सालों से फेफड़ों में पानी आने की जटिल गंभीर बीमारी से ग्रसित था उसका नवीनतम तकनीक से सफलता पूर्वक इलाज कर पूर्ण रूप से स्वस्थ किया।

फेफड़े के इस गंभीर समस्या से ग्रसित मरीज ने कई शहरों के तमाम हॉस्पिटल में दिखाएं लेकिन पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं हुए। फेफड़ों से पानी का कारण नहीं मिल सका। मरीज की इस गंभीर बीमारी को चुनौती पूर्ण स्वीकार करते हुए डॉक्टर बंदिका पृथ्वीराज ने फेफड़ों से पानी का पता करने के लिए एडवांस मिनिमम इनवेसिव मेडिकल थ्रोकोस्कोपी किया। इस प्रक्रिया के द्वारा फेफड़ों के साइड से अंदर जाकर फेफड़े का डायग्नोज किया गया और पानी के सोर्स का पता लगाया गया। इसके रिपोर्ट पर आधारित समस्या फेफड़े का यह सफल इलाज धनबाद में पहली बार डॉक्टर बंदिका पृथ्वीराज के द्वारा किया गया। इसके एक्यूरेट रिपोर्ट के आधार पर मरीज का सही एविडेंस बेस्ड ट्रीटमेंट किया जा रहा है जिससे मरीज स्वस्थ है और राहत का श्वास ले रहा है। डॉ. बन्दिका पृथ्वीराज ने बताया कि फेफड़ों में पानी आने के सैकड़ों कारण होते हैं। धनबाद शहर दूसरे शहरों की तुलना में आंकड़ों के अनुसार एक बहुत ही प्रदूषित शहर है। इसलिए छाती एवं फेफड़े की बीमारियों से सावधान एवं सतर्क रहना आवश्यक है। छोटी सी खांसी को भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। इस समस्या को अच्छे डॉक्टर से दिखाना चाहिए। छाती की बीमारियों जैसे खांसी, श्वास लेने में दिक्कत, खांसी के वक्त खून गिरना, वजन घटना छाती की बीमारियों के लक्षण होता है। इन दिक्कतों में मरीज को तुरंत स्पेशलिस्ट पालमोलॉजिस्ट डॉक्टर से दिखाना चाहिए और पूर्ण रूप से जांच करवाना चाहिए ताकि छाती की बीमारियों की जड़ का पता चल सके और मरीज का पूर्ण रूप से चिकित्सा हो सके। सिगरेट सेवन से परहेज, डस्ट वाले क्षेत्र में मास्क पहनना, बैलेंस डाइट लेना और नियमित रूप से योगा एक्सरसाइज बहुत ही आवश्यक है। डॉ. बंदिका पृथ्वीराज ने छाती के अच्छे स्वास्थ्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण संदेश दिया कि हाइली पोल्यूटेड शहरों में प्रदूषण के कारण फेफड़े के हेल्थ पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।

बताया कि बरटांड़ स्थित एशियन हॉस्पिटल धनबाद सेंटर में रेस्पिरेटरी और पल्मोनोलॉजी का सारा चिकित्सा और स्पेशल रेस्पिरेटरी आईसीयू सपोर्ट और अब डॉक्टरों बंदिका पृथ्वीराज और डॉक्टर दिनेश एचओडी क्रिटिकल केयर के नेतृत्व में अनुभवी एवं विशेषज्ञ टीम एवं नवीनतम जांच के द्वारा इलाज और निदान उपलब्ध है। अब बड़े शहरों के अस्पतालों में अधिक खर्च करके इलाज के लिए जाने की आवश्यकता नहीं है। फेफड़ों के रोगियों को यह महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए डॉक्टर बंदिका पृथ्वीराज के साथ एशियन हॉस्पिटल के सेंटर हेड सी राजन एवं पदाधिकारी मो. ताजुद्दीन उपस्थित थे।

पैरालंपिक खिलाड़ियों को 99 फाउंडेशन का समर्थन

धनबाद (कासं) : ९९ फाउंडेशन ने झारखंड पैरालंपिक कमिटी को स्पॉन्सरशिप प्रदान की है, जिससे राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। २३वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड राज्य के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह चैंपियनशिप चेन्नई में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर ९९ फाउंडेशन के सीएमडी श्याम पांडे ने जेर्सी किट लॉन्च की है, जिससे सभी बच्चों को मौका मिला और पूरे उत्साह के साथ ९९ फाउंडेशन का सहायक और समर्थन हाथ के रूप में स्वीकार किया। इस समर्थन से झारखंड के पैरालंपिक खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा और वे अपने राज्य का नाम रोशन करेंगे। ९९ फाउंडेशन के इस समर्थन से इन खिलाड़ियों को अपने सपनों को पूरा करने में मदद मिलेगी और वे अपने राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। इस अवसर पर शयाम पांडे ने कहा, हमें झारखंड के पैरालंपिक खिलाड़ियों को समर्थन देने का अवसर मिला है। हमें विश्वास है कि ये खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और अपने राज्य का नाम रोशन करेंगे। इस समर्थन के साथ, ९९ फाउंडेशन झारखंड के पैरालंपिक खिलाड़ियों को उनके सपनों को पूरा करने में मदद कर रहा है। यह समर्थन न केवल इन खिलाड़ियों को बल्कि समाज को भी प्रेरित करेगा।

जेईईई मैंस में डीएवी छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पुटकी (ससे) : जेईई मैंस के घोषित परिणाम में डी.ए.वी. मुनीडीह के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया है। एनटीए के द्वारा आयोजित जेईईई मैंस की परीक्षा में डीएवी मुनीडीह के ७ छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस परीक्षा में सफल होने वाले छात्रों में ओजस्वी कुमार, सत्यम कुमार, पीयूष कुमार, अली हसन, अभिषेक सिंह चौधरी, अंकिता व श्वेता हैं। विद्यालय की प्राचार्या इंदु प्रसाद ने खुशी जाहिर करते हुए सभी सफल अभ्यर्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई दी और सफल विद्यार्थियों से जेईईई एडवांस लक्ष्य को पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ हासिल करने और अपने अभिभावकों के सपनों को साकार करने की बात कही। विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना किये।

संपादकीय

महाकुंभ में ज्यादा होनी चाहिए थी व्यवस्था

किसी भी आयोजन की सफलता या विफलता इसी से तय हो जाती है कि उसमें पहुंचने वाले लोगों की सुविधा और सुरक्षा का इंतजाम कैसा है। प्रयागराज के महाकुंभ में बार-बार पैदा हो जा रही परेशानियां इस बात की गवाही है कि वहां जिस जोर-शोर से लोगों को आने के लिए प्रेरित किया गया, उतनी संजीदगी से उनके आने-जाने, ठहरने, नहाने आदि की व्यवस्था नहीं की जा सकी। शायद प्रशासन अंदाजा लगाने में विफल रहा कि कितने लोग वहां पहुंच सकते हैं और उनकी सुविधाओं का कैसे ध्यान रखा जाना चाहिए। पहले ही अमृत स्नान के बाद वहां बदइंतजामी की पोल खुलनी शुरू हो गई थी।

मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ में लोगों के घायल होने और मारे जाने के बाद भी जरूरी उपायों पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके चलते न केवल प्रयागराज में, बल्कि आसपास के वाराणसी और अयोध्या जैसे तीर्थस्थानों पर भी परेशानियां बढ़ गईं। मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ के बाद सरकार और प्रशासन को काफी किरकिरी झेलनी पड़ी।

विपक्ष और संत समुदाय की आलोचनाओं के बाद मेला प्रशासन ने कुछ कड़े कदम जरूर उठाए, मेला क्षेत्र में विशिष्ट लोगों के प्रवेश और गाड़ियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया, मगर फिर वैसी ही स्थिति दिखाई देने लगी। माघ पूर्णिमा के दिन इतने लोग जुट गए कि प्रयागराज को जोड़ने वाली सड़कों पर घंटों जाम लग गया।

महाकुंभ को लेकर कई महीने से प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। लोगों से अपील की गई कि एक सौ चौवालीस वर्ष बाद आए इस महाकुंभ में अमृत स्नान के लिए अवश्य आएं। बढ़-चढ़ कर

दावे किए गए कि वहां अब तक की सबसे अच्छी व्यवस्था की गई है। पैंतालीस करोड़ से ऊपर लोगों के आने का अनुमान लगाया गया था। मगर इस आयोजन में विशिष्ट लोगों की सुविधाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया, जिसके चलते आम लोगों को अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ा। लगातार रेल सेवाएं बाधित होती रहीं।

संगम क्षेत्र में भीड़ बढ़ने के कारण कई गाड़ियों को बाहर ही रोकना पड़ा। सड़क मार्ग से आने वाले लोगों को पंद्रह-सोलह घंटे तक जाम में फंसना पड़ा। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि माघ पूर्णिमा के दिन मध्यप्रदेश सरकार को भी प्रयागराज जाने वाले मार्गों पर यातायात सुगम बनाने के लिए पुलिस प्रशासन को उतारना पड़ा। जिन लोगों ने प्रयागराज से स्नान करने के बाद काशी और अयोध्या का रुख किया, उन्हें भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन शहरों में प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए।

हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने मेला प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए अतिरिक्त अधिकारियों को वहां उतार दिया और जल्दी ही समस्या पर काबू पाने में कामयाबी मिल गई। पर जिन श्रद्धालुओं को लंबी दूरी तक पैदल चलना और परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिन्होंने अपने परिजन खो दिए, जो घायल हो गए, उनके मन में स्थायी कड़वाहट बन गई।

यह सवाल अभी तक अनुत्तरित है कि जब प्रशासन को अंदाजा था कि कितने लोग स्नान के लिए आ सकते हैं, तो फिर उसने लोगों के लिए कोई व्यावहारिक व्यवस्था क्यों नहीं की। कैसे लोग जगह-जगह भीड़ की शक्ल में जमा होते और परेशानियों की वजह बनते गए। किसी भी आयोजन की सफलता केवल इसमें नहीं होती कि उसमें कितने लोगों को जुटा लिया गया, बल्कि इसमें होती है कि उसे कितने सुगम तरीके से संपन्न कराया गया।

एआइ के जरिए युवाओं को अनेक अवसर, इस्तेमाल बढ़ते से नई नौकरियां होगी सृजित

आज जब विश्व में एआइ यानी कृत्रिम मेधा को लेकर उत्साह का वातावरण है, प्रधानमंत्री ने भी पेरिस में आयोजित एक सम्मेलन में एआइ के प्रति सकारात्मक पक्ष रख कर भारत का रुख स्पष्ट कर दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं कि कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के बीच संतुलन कायम रखते हुए हमें आगे बढ़ना होगा। इस क्षेत्र में पूरी दुनिया के साथ कदमताल करते हुए भारत ने न केवल एआइ को अपनाया, बल्कि वह डेटा गोपनीयता को कानूनी जामा पहनाने वाले अग्रणी देशों में है। इस दिशा में उसने कई पहल की है। नीति आयोग ने इसे बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रणनीति भी तैयार की है। तमाम पूर्वाग्रहों को दरकिनार कर भारत जिस तरह इस दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह जरूरी भी था, क्योंकि न केवल अर्थव्यवस्था और सुरक्षा, बल्कि कृषि, चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में एआइ की बड़ी भूमिका होगी। भविष्य में भारतीय समाज का परिदृश्य भी बदलेगा। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि एआइ से लोगों की जिंदगी बदलेगी। भारत ने इस अवसर पर प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण का मुद्दा भी उठाया है, जो परस्पर विश्वास और पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो अविश्वास की भावना बनी रहेगी। भारत में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल के शुरूआती दौर में ठीक उसी तरह शंकाएं थीं, जिस तरह करीब चार दशक पहले कंप्यूटर आने और उसका उपयोग शुरू होते समय व्यक्त की गई थीं। मगर कंपयूटर से काम आसान हो गया। एआइ से भी कामकाज का तरीका बदलेगा। कई जटिल कार्य सरलता और तेजी से होंगे। प्रधानमंत्री का कथन उचित ही है कि प्रौद्योगिकी से काम खत्म नहीं होता, उसकी प्रकृति बदल जाती है। इस लिहाज से देखें, तो एआइ के बढ़ते इस्तेमाल के साथ नई नौकरियां सृजित होती जाएंगी। युवाओं को अनेक अवसर मिलेंगे। वक्त आ गया है कि लोग और खासकर युवा एआइ दक्ष बनें, ताकि भविष्य में होने वाले बदलाव के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। तभी देश भी एआइ सक्षम बनेगा। वह नवाचार की ओर भी बढ़ेगा। पारंपरिक तथा गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में कम पूंजी और श्रम से भारत भी विश्व पटल पर नई इबारत लिखेगा।

आज का कार्टून

आम आदमी पार्टी का आपदाकाल...

सावन में बहुत सी बेल-बूटियां पैदा होती हैं, जिनमें से कई तो विशाल वृक्षों से लिपटती हुई उनसे भी ऊंची उठ कर इतराने लगती हैं, पर सभी जानते हैं कि कार्तिक-माघ माह आते-आते हरित सर्पणियों सरीखी ये लताएं प्राणविहीन होने लगती हैं। कारण ढूंढें तो सामने आता है कि वृक्षों के विपरीत इन लताओं की जड़ें गहरी नहीं होतीं। देश की राजनीतिक सनसनी कहे जाने वाली आम आदमी पार्टी भी लगभग उसी मार्ग पर चलती दिखाई दे रही है, जो दीपावली के राकेट की तरह एकदम उठी और कुछ देर रोशनी बिखेर कर आज उतनी ही गति से नीचे आ रही है। दिल्ली जहां पार्टी का श्रीगणेश हुआ वहां पार्टी को कमरतोड़ पराजय का सामना करना पड़ा है। केवल पार्टी ही चुनाव नहीं हारी बल्कि उन बड़े चेहरों को भी जनता ने घर का रास्ता दिखा दिया है जो पार्टी का चेहरा माने जाते हैं। और तो और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल भी हार गए। 'आप' आज आपदाकाल से गुजर रही है यानि कह सकते हैं कि बेल पीली पड़ रही है। लेकिन इस आपदाकाल को आत्मज्ञानकाल बना लिया जाए तो बेल को पूरी तरह झुलसने से बचाया जा सकता है।

राकेश सैन

सबसे बड़ी बात तो यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी दल या संगठन को अलोकतांत्रिक पद्धति से नहीं चलाया जा सकता। परन्तु देखने में आता है कि 'आप' में आतंरिक लोकतंत्र का पूरी तरह अभाव है। गठन के पहले दिन से ही श्री केजरीवाल ने पार्टी को आत्मकेन्द्रित करना शुरू कर दिया। पार्टी जन्म से लेकर आज तक केवल वो ही राष्ट्रीय संयोजक के पद पर चले आ रहे हैं। अंदर से उन्हें किसी से चुनौती न मिले इसके लिए उन्होंने सबसे पहले अपने उन साथियों को किनारे करना शुरू कर दिया जो अन्ना आंदोलन में उनके साथ रहे। जनरल वीके सिंह, किरण बेदी, कुमार विश्वास, आशुतोष गुप्ता, योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण आदि आदि बहुत से लोगों की लम्बी श्रृंखला है जो केजरीवाल के व्यवहार के कारण उनका साथ छोड़ते गए। राष्ट्रीय स्तर पर लोकपाल का वायदा करके आई 'आप' ने अपने आंतरिक लोकपाल सेवानिवृत एडमिरल रामदास के साथ जो व्यवहार किया वह पूरे देश ने देखा। होली-होली आंदोलनकारी दूर हटते गए और सत्ताजीवी लिपटते गए। समय-समय पर वे लोग 'आप' का साथ छोड़ गए जो देश में नई तरह की राजनीति करने एक मंच पर आए थे। केजरीवाल विभव कुमार जैसे उन चापलूसों व संदिग्ध लोगों से घिर गए जो मुख्यमंत्री निवास पर भी पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल जैसी वरिष्ठ नेताओं से दुर्व्यवहार करने से नहीं झिझकते। इन 13 वर्षों में केजरीवाल की छवि संयोजक की बजाय पार्टी के मालिक की बन गई और 'आप' लोगों को कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस सरीखी कुनबावादी पार्टी लगने लगी। अगर मालिकाना हक वाली सोच न होती तो क्या कभी केजरीवाल अपनी ही पार्टी की मुख्यमंत्री आतिशी को 'टेम्परेरी सीएम' कहने का दुस्साहस करते? अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को मुख्यमंत्री बना कर केजरीवाल ने उन्हें जो अस्थाई मुख्यमंत्री कहा वह

अपने आप में अति अशोभनीय था जिसका बहुत गलत संदेश गया। दूसरी ओर अपने जन्म के 13 साल बाद भी 'आप' अपना वैचारिक आधार नहीं बना पाई। स. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर लगे आरोपों के चलते देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जनाक्रोश पनपा हुआ था और इसी का लाभ उठा कर आम आदमी पार्टी अस्तित्व में आई परन्तु अपनी किशोर अवस्था आने से पहले ही नई नवेली पार्टी इन्हीं आरोपों में घिर गई। पुलवामा में आतंकी हमला हो या भारतीय सेना की पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई केजरीवाल व उनकी पार्टी कभी भी देश के साथ खड़े दिखाई नहीं दिए। पार्टी में वैचारिक भटकाव इतना कि कभी तो लेफ्ट चलते दिखी तो कभी राइट, कभी उलटी तो कभी सीधी। केन्द्र से टकराव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अन्धविरोध पार्टी की एकमात्र विचारधारा बन गई। इसके लिए झूठ-फरेब, षड्यंत्र-अफवाहें, नाटक-नौटंकी सबकुछ आजमाया गया। तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए केजरीवाल कांग्रेस के ही बहरूपीए नजर आने लगे। कांग्रेस की ही दुर्दशा देख कर केजरीवाल को समझ जाना चाहिए था कि वैचारिक आधार के बिना या वैचारिक भटकान से उनका भी एक न एक दिन वही हश्र होगा जो कांग्रेस का हुआ है। 'आप' के पुनरुथान के लिए केजरीवाल को देश की माटी और जनमानस से जुड़े विचारों, सिद्धांतों को पार्टी की विचारधारा बनाना होगा और उन पर चलते हुए दिखना भी होगा। तभी उनका व उनके दल का कल्याण सम्भव है। एक निश्चित विचारधारा के चलते ही आज वो भारतीय जनता पार्टी सफलता की सीढियां दर सीढियां चढ़ती दिखाई दे रही है जिसके कभी दो ही सांसद हुआ करते थे। बिना विचारों के चाहे कोई संगठन सामयिक मुद्दों पर एक-दो बार सफलता हासिल कर ले परन्तु वह ज्यादा समय चल नहीं पाता। दूसरी तरफ वैचारिक संगठन कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी पूरी तरह समाप्त नहीं होते। वैचारिक आधार वाले भाजपा व वामपंथी दल इसके उदाहरण हैं जो ऊपर-नीचे तो होते हैं परन्तु हाशीए पर नहीं जाते। देश की राजनीति में अगर लम्बा सफर तय करना है तो 'आप' को भी अपनी कोई न कोई विचारधारा समाज के सामने रखनी होगी। केजरीवाल अगर ईमानदारी को अपनी विचारधारा बताते हैं तो उन्हें अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों का दृढ़ता से सामना करना होगा। ईमानदारी साबित करने के लिए किसी तरह की सर्कस करने से बचना होगा। राजनीति में इस तरह के आरोप बहुत बड़ी बात नहीं, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी पर भी हवाला घोटाले में शामिल होने के आरोप लगे, परन्तु उन्होंने राजनीतिक शूचिता का उदाहरण पेश करते हुए तत्काल यह घोषणा कर दी कि जब तक वे दोषमुक्त नहीं होते वे कोई पद ग्रहण नहीं करेंगे। इतिहास साक्षी है कि आरोपमुक्त होने के बाद वे अपने नेतृत्व में भाजपा को कहां से कहां तक ले गए। अगर शराब घोटाले के आरोप लगने के बाद केजरीवाल भी ऐसा साहस दिखाते तो आज दिल्ली के चुनाव परिणाम वह नहीं होते जो आज उन्हें देखने पड़ रहे हैं।

कांग्रेस के बाद क्षेत्रीय दलों में भी पतन का दौर

अजय कुमार

देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का उभार और कांग्रेस सहित कई क्षेत्रीय दलों का पतन काफी कुछ कहता है। भले ही हार से बौखलाए मोदी और बीजेपी विरोधी नेता चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहे हों ? सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की बात करते हों ? लेकिन ऐसा नहीं है कि विरोधियों को अपनी राजनैतिक कमजोरी और सियासी अपरिपक्वता का अहसास नहीं है,लेकिन बार-बार पराजित हो रहे यह नेता सच्चाई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। जबकि सच्चाई यह है कि बीजेपी को छोड़कर देश की किसी भी राजनैतिक दल में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही नहीं है। इसमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सहित बहुजन समाज पार्टी,समाजवादी पार्टी,राष्ट्रीय जनता दल, बीजू जनता दल,उद्धव ठाकरे की शिवसेना,शरद पवार की एनसीपी, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों की लम्बी चौड़ी लिस्ट हैं। अब इसमें नया नाम कट्टर ईमानरदार 'आम आदमी पार्टी' का भी जुड़ गया है। हालांकि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हार के लिये अभी तक ईवीएम मशीन या सरकारी मशीनरी पर किसी तरह की धांधली का आरोप नहीं लगाया है,जबकि उसी समय उत्तर प्रदेश में अयोध्या की चर्चित मिल्कीपुर विधान सभा सीट पर मिली जबर्दस्त हार के बाद समाजवादी पार्टी का प्रलाप लगातार जारी है। ऐसा ही प्रलाप कांग्रेस अध्यक्ष खरगे,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सहित उनकी पार्टी के तमाम नेता भी करते रहते हैं। हालात यह है कि हार से बौखला कर मोदी विरोधी नेता उन्हें(मोदी) और बीजेपी को ही नहीं चुनाव आयोग,सीबीआई,ईडी जैसी एजेंसियों के खिलाफ भी भड़ास निकालते रहते हैं। यह नेता मोदी को नीचा दिखाने के लिये देश की छवि भी खराब करने से नहीं चूकते हैं। इसमें विदेश से पढ़ाई करके आने वाले टेक्नोटेक सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आईआरएस रह चुके अरविंद केजरीवाल जैसे पढ़े लिखे नेता शामिल हैं तो बिहार में लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव भी आरोप-प्रत्यारोप वाली सियासत से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने अपनी आभा को एकदम मटियामेट कर दिया है. जो केजरीवाल 12 साल पहले यूथ आइकॉन बनकर उभरे थे, वे अब धूल में लथपथ पड़े हैं. विधान सभा में 'दिल्ली का मालिक मैं हूं' जैसे अहंकारी बयान देने वाले और हरियाणा सरकार पर यमुना नदी में जहर मिलाने का आरोप लगाकर अपनी फजीहत करा चुके अरविंद केजरीवाल दिल्ली जैसे आधे-अधूरे राज्य का मुख्यमंत्री रहने के बाद प्रधानमंत्री का ख्वाब देखने लगे थे मगर अब वे विधायकी भी गंवा बैठे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है, कि अरविंद जिस तेजी से राजनीति में चमके थे उसी तत्परता से औंधे मुंह जा गिरे। अब उनका कोई भविष्य नहीं है और इसकी वजह है उनका बड़बोलापन और भरोसे की राजनीति न करना एवं उनकी अवसरवादिता। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से अधिक भद्द राहुल गांधी की पिटी है। पिछले कई चुनावों से दिल्ली में शून्य सीटों का रिकॉर्ड राहुल गांधी और कांग्रेस के नाम दर्ज है। अरविंद केजरीवाल की तरह ही नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनैतिक विरासत संभाले हुए अखिलेश यादव की है। 2012 के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने अपनी जगह अपने बेटे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया था,जबकि अनुभव के नाम पर अखिलेश खाली हाथ थे। इसके बाद अखिलेश यादव अपने दम पर भले ही राजनीति में कुछ खास नहीं कर पाये हों,लेकिन उनके बड़बोलेपन और अपनी हार का ठीकरा दूसरों के सिर फोड़ने की महारथ के चलते खूब नाम कमा रहे हैं।विवादित बयानबाजी की बात की जाये तो अखिलेश यादव अपने अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद को अयोध्या का नया राजा कहकर प्रभु श्रीराम और उनके भक्तों का उपहास उड़ाने के चक्कर में खुद फजीहत करा बैठते हैं। उन्हें ट्रॉफी की तरह अपने साथ लेकर घूमते थे,लेकिन मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद अखिलेश अपने होश खो बैठे हैं। सपा नेता हार से इतना बौखला गये हैं कि पार्टी के महासचिव प्रो रामगोपाल यादव तो यूपी के सरकारी अधिकारियों को ही नसीहत देने लगे हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी जी का आदेश सुनने की बजाये उन्हें नसीहत दें। अखिलेश यादव से लेकर शिवपाल यादव, रामगोपाल यादव हताशा में डूबते जा रहे हैं। रामगोपाल तो अयोध्या में रामलला के मंदिर को भी बेकार कह चुके हैं। सपा के तमाम नेता महाकुंभ में कथित अव्यवस्था को लेकर भी लगातार सीएम पर हमलावर हैं,लेकिन इससे समाजवादी पार्टी को हासिल क्या हो रहा है,यह प्रश्न चिन्ह बना हुआ है।क्योंकि समाजवादी पार्टी का पीडीए पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मिल्कीपुर में तो सपा को यादवों तक का वोट नहीं मिला।

औसत होने का सबसे बड़ा आनंद है संतोष का अनुभव

मानदंड की मीनार में औसतपना बीच का कोई तल्ला है, जहां ऊंचाइयों की उम्मीदें और गिरावट का भय, दोनों ही कम हो जाते हैं। उत्तम होने की अपेक्षाओं से मुक्त होकर हम नई चीजों को सीखने को लेकर मुखर हो जाते हैं। जब हम गिरते हैं, तो गिरने का आनंद ले पाते हैं। फिर फुर्ती से उठते हैं। और दोबारा, तिबारा, चौबारा खुद को उस क्रियाकलाप में खपा देते हैं। कई क्षेत्रों में हाथ आजमा कर हमारा व्यक्तित्व सर्वांगीण रूप से सशक्त आकार ले लेता है। धीरे-धीरे हमें इस उन्मुक्तता का चस्का लगने लग जाता है। 'औसत' एक स्थिर स्थिति नहीं है। यह एक गतिशील मध्यबिंदु है जो लचीलापन और अनुकूलनशीलता प्रदान करता है।

अमित कुमार

समय के साथ हम मनुष्यों ने समय, दूरी, भार और तापमान आदि को मापने के मापदंड तथा विधियां विकसित कीं, जिन्होंने मानव सभ्यता की प्रगति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। मगर स्वयं को दूसरों के साथ मापने-तौलने की प्रवृत्ति से निजात न पा सकना, आज बहुतेरों के लिए ग्लानि और परेशानी का सबब बन चुका है। मानव स्वभाव में अपनी पहचान और स्थान को परिभाषित करने की प्रवृत्ति जन्मजात है। यह प्रवृत्ति आदिम युग से ही हमारे अस्तित्व का हिस्सा रही है, जब जीवन का उद्देश्य केवल जीवित रहना था। शक्ति, संसाधन और सामाजिक स्वीकृति के लिए प्रतिस्पर्धा उस समय अस्तित्व के साधन थे, लेकिन आधुनिक समाज में इस व्यवहार की अधिक उपयोगिता शेष नहीं रह गई है। बल्कि यह केवल आत्मघाती सिद्ध हो रहा है। तुलना का एक प्रमुख कारण सामाजिक अपेक्षाएं हैं। समाज ने सफलता, सुंदरता और योग्यता के मानक तय कर दिए हैं। इन मानकों पर खरा उतरने की होड़ में हम अपना आंतरिक संतुलन खो देते हैं। इसके अतिरिक्त, तकनीकी प्रगति और विशेष रूप से सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र कर दिया है। आज हर व्यक्ति अपने जीवन का एक 'संवारा हुआ' संस्करण प्रस्तुत करता है, जिसे देख कर दूसरों को लगता है कि वे पीछे छूट रहे

हैं। यह भ्रम हमें कमतरी के अहसास यानी हीनताबोध से भर देता है। इस प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हर व्यक्ति के संघर्ष का अपना संदर्भ होता है, सफलता की अपनी परिभाषाएं होती हैं। फिर संघर्षों के सामाजिक परिप्रेक्ष्य होते हैं। यह व्यक्ति की सामाजिक पृष्ठभूमि से तय होती है कि उसे सत्ता और तंत्र के मौजूदा ढांचे में कितना तथा किस स्तर का संघर्ष करना है। फिर कई बार सही दिशा में किए गए संघर्ष का नतीजा भी अनुकूल हो, यह जरूरी नहीं। यह एक आम सच्चाई है कि कई लोगों को जीवन को बेहतर बनाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए कोई संघर्ष नहीं करना पड़ता, क्योंकि सब कुछ उन्हें विरासत में उपलब्ध होता है। वहीं, किसी को जीने तक के लिए कठिन दौर से गुजरना पड़ता है। ये दो ध्रुव बताते हैं कि व्यक्ति की हैसियत को आंकने का एक पैमाना दोषपूर्ण है।

समाज में प्रतिस्पर्धा का जो ढांचा स्थापित है, उसने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। हमें यह विश्वास दिलाया गया है कि औसत होना असफलता के समान है। मगर यह धारणा गहरी और त्रुटिपूर्ण है। औसत होना प्राकृतिक है। अधिकांश लोग औसत होते हैं और यही औसत होना मानव समाज के संतुलन और स्थिरता का आधार है। यह समझने की आवश्यकता है कि हर कोई असाधारण नहीं हो सकता। अगर सभी असाधारण बन जाएं, तो 'असाधारण' शब्द का कोई अर्थ नहीं बचेगा। अगर हम सांख्यिकीय दृष्टि से देखें, तो अधिकांश लोग किसी न किसी क्षेत्र में औसत ही होते हैं। 'बेल कर्व' में अधिकतर आबादी बीच के हिस्से में आती है। असाधारण बढ़िया या असाधारण बुरा होने, दोनों की संभावना काफी कम होती है। हम न जाने क्यों यह माने बैठे रहते हैं कि हम महानता के इकलौते और असली हकदार हैं। इसी दौड़ में फंसे रह कर हम निराशा और तनाव में रहते हैं।

औसत होने का सबसे बड़ा आनंद है- संतोष का अनुभव। जब हम अपने औसतपने को स्वीकार करते हैं, तो हमारे ऊपर उत्कृष्टता की कृत्रिम अपेक्षाओं का बोझ नहीं रहता। यह स्वीकृति हमें अपने जीवन के छोटे-छोटे पलों को संजोने का अवसर देती है। जीवन के वे छोटे पल, जैसे एक शांत शाम, परिवार के साथ बिताया गया समय, दोस्तों के साथ हंसी-ठिठोली, एक बढ़िया किताब, एक गर्म चाय की प्याली, अक्सर हमारी वास्तविक खुशी के स्रोत बन जाते हैं। वहीं जब हम इस सत्य को स्वीकार करते हैं कि औसत होना आमफहम और सामान्य है, तो हम दूसरों की कमजोरियों और संघर्षों को भी बेहतर समझ पाते हैं, उनसे संबद्ध कर पाते हैं। यह समझ समाज के साथ हमारे रिश्ते को प्रगाढ़ और नजरिए को प्रखर करती है। हम धीरे-धीरे अन्य लोगों के प्रति और उदार एवं सहिष्णु हो जाते हैं। सहानुभूति रखने लगते हैं।

मानदंड की मीनार में औसतपना बीच का कोई तल्ला है, जहां ऊंचाइयों की उम्मीदें और गिरावट का भय, दोनों ही कम हो जाते हैं। उत्तम होने की अपेक्षाओं से मुक्त होकर हम नई चीजों को सीखने को लेकर मुखर हो जाते हैं। जब हम गिरते हैं, तो गिरने का आनंद ले पाते हैं। फिर फुर्ती से उठते हैं। और दोबारा, तिबारा, चौबारा खुद को उस क्रियाकलाप में खपा देते हैं। कई क्षेत्रों में हाथ आजमा कर हमारा व्यक्तित्व सर्वांगीण रूप से सशक्त आकार ले लेता है। धीरे-धीरे हमें इस उन्मुक्तता का चस्का लगने लग जाता है। 'औसत' एक स्थिर स्थिति नहीं है। यह एक गतिशील मध्यबिंदु है जो लचीलापन और अनुकूलनशीलता प्रदान करता है। औसत होने का मतलब यह कतई नहीं कि हम महत्त्वाकांक्षी नहीं हैं, बल्कि यह कि हम अपने प्रयासों और उपलब्धियों को अपनी क्षमता और परिस्थितियों के संदर्भ में देखते हैं। यह भी कि हमें तीखे ढलानों पर चढ़ाई करने से अधिक सपाट मैदानों में दूर तक चलना, सुस्ताना रास आता है। कुल मिला कर औसत होना लक्ष्य न हो, पर परिणाम में औसत होना पूरी तरह स्वीकार्य हो। हमेशा अलग और अद्वितीय दिखने की होड़ पकाऊ और थकाऊ काम है। कभी-कभी खुद को भीड़ का हिस्सा मान लेने में भारी सुकून शामिल होता है।

बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ द मंथ अवॉर्ड

बोकारो (ससे): मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में वर्ष २०२४ के मई से अगस्त माह के लिए बोकारो स्टील प्लांट के बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कुल एकतीस (३१) कर्मचारियों को उनके कार्य में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया. इस समारोह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी के साथ संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष सहित अन्य वरीय अधिकारी तथा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिक तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे.

अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस सफलता में कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार का भी काफी योगदान है. उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट की उत्पादन क्षमता को ०८ मिलियन टन तक बढ़ाने की विस्तार योजना है और हमें पूर्ण विश्वास है कि हम सभी लोग अपनी लाभप्रदता को बढ़ाकर और नवाचार के जुनून के साथ काम कर इसे संभव कर पाएंगें. अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने सभी कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार के लोगों को भी बधाई देते हुए कहा कि कर्मचारियों को अपने रोज़ के कार्यों के अलावा नित नई चुनौतियों को स्वीकार कर उनका समाधान खोजना चाहिए तथा विकास की गति को बनाये रखना चाहिए.

उन्होंने कहा कि विश्व इस्पात बाजार एक कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है और आप सभी के योगदान से हम लोग इस चुनौती को पार करेंगें और बोकारो स्टील प्लांट को एक नयी ऊँचाई तक ले जायेंगे.

मुंगेर में मां दुर्गा की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

मुंगेर (ईएमएस): बिहार के मुंगेर के महमदा गांव स्थित दुर्गा मंदिर में चैती दुर्गा पूजा के लिए बन रही मां दुर्गा की प्रतिमा को बुधवार की देर रात असमाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त किया। गुरुवार की सुबह जब ग्रामीणों को जानकारी मिली तब बड़ी संख्या में ग्रामीण दुर्गा मंदिर के पास इकट्ठा हो गए। जहां पाया गया कि मां दुर्गा की अर्धनिर्मित दुर्गा की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया गया है।

इसके बाद गुस्साएं ग्रामीण पाटम-महमदा मुख्य पथ को जाम कर दिया तथा प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि महमदा गांव में वर्ष १९४६ से चैती दुर्गा की प्रतिमा बनती है।

सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.

यह कार्यक्रम १३-१४ फ़रवरी २०२५ तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के २१ अधिशासी प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे हैं. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बी एस एल के प्रशिक्षित अधिकारी संकाय के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं.

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) डी.आर. टोप्पो तथा श्री एस के भगत उपस्थित थे. ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के श्री एस.के.डी. भौमिक,कनीय प्रबंधक ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की.

महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती डी.आर. टोप्पो ने कार्यक्रम की औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और संयंत्र में सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे इस प्रशिक्षण में अर्जित ज्ञान को अपने सहकर्मियों के साथ साझा करें और इसे अपने कार्यस्थल पर लागू करें. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री एस के भगत ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को संयंत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और सयंत्र में सुरक्षा को निरंतर सशक्त बनाने का आह्वान किया.

कार्यक्रम में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटिव श्री राकेश कुमार, और इंस्ट्रक्टर श्री अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा. यह कार्यक्रम बोकारो स्टील प्लांट में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने और सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

सीईडी में सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

बोकारो (ससे): सिविल इंजीनियरिंग विभाग (सीईडी) में मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह की अध्यक्षता में सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत सीईडी विभाग के डीएसओ श्री बी. वी. चंद्र द्वारा सुरक्षा शपथ और परिचय भाषण से हुई. मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह ने कर्मचारियों के सुरक्षित कार्यों की सराहना करते हुए, कार्य स्थल पर सतत सुरक्षा बनाए रखने की अपील की.

कार्यक्रम के पहले सत्र में बी बी एस (बिहेवियर-बेस्ड सेफ्टी) पर श्री पी. मिंज , सहायक महाप्रबंधक (सीईडी) एवं श्री पी. स्वैन, सहायक महाप्रबंधक (सीईडी) के द्वारा संकाय के रूप में बिहेवियर-बेस्ड सेफ्टी के तहत बीओ (बिहेवियर ऑब्जर्वर), यूए (अनसेफ एक्ट) एवं यूसी (अनसेफ कंडीशन) पर विस्तृत चर्चा किया गया. दूसरे सत्र में सड़क एवं रेल सुरक्षा प्रबंधन (आरआरएसएम) पर मोहम्मद कासिफ, सहायक महाप्रबंधक (सीईडी) एवं श्री राहुल रंजन, प्रबंधक (सीईडी) के द्वारा कर्मचारियों को सड़क एवं रेल सुरक्षा के बारे में बताया गया. सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पांच कर्मचारियों को आगामी बीआईपी एवं आरआरएसएम प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षक के रूप में नामांकित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती ज्योति, सहायक महाप्रबंधक (सीईडी) के द्वारा तथा संचालन श्री आदित्य स्वरूप के द्वारा किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रभावी रहा.

तीन मुखिया मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रशिक्षण को चयनित

डुमरी (ससे): प्रखंड के तीन पंचायतों क्रमशः चैनपुर पंचायत के मुखिया रेखा महतो मधगोपाली पंचायत के मुखिया जागेश्वर महतो और नागाबाद पंचायत के मुखिया रेणु देवी को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बोध गया में मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया है।
यह प्रशिक्षण ११ फरवरी से १५ फरवरी तक चलेगा। जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों को प्रबंधन, नेतृत्व एवं विकास कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने की प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों की दक्षता बढ़ेगी और विकास योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन होगा।

बताया जाता है कि तीनों मुखिया ने अपने अपने पंचायत में सफाई अभियान,हैंडपंप मरम्मत और स्कूलों में स्वच्छता को लेकर सक्रिय रहे हैं।
साथ ही छात्राओं एवं युवतियों के बीच सैनेटरी पैड का भी वितरण कर चुके हैं। जबकि पंचायत के विकास कार्यों में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। यह प्रशिक्षण डुमरी प्रखण्ड के लिए गर्व की बात है और उम्मीद है कि तीनों मुखिया ट्रेनिंग से सीखी गई चीजों को अपने-अपने पंचायतों में लागू करेंगे।

लालगंज पुलिस ने टोल प्लाजा मामले में तेज की जांच

लखनऊ (ईएमएस): शिवगुलाम टोल प्लाजा सहित देश के ४२ टोल प्लाजा पर हुए १२० करोड़ से अधिक के घोटाले मामले में लालगंज पुलिस ने जांच तेज कर दी है। आरोपी सभी टोल प्लाजा के खिलाफ नोटिस देने की तैयारी हो रही है। अभी सात को नोटिस जारी किए है। वहीं, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। अभी तक गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज व बरेली जनपदों में स्थित सात टोल प्लाजा पर नोटिस की कार्रवाई हुई है।

इसके पहले एसटीएफ के खुलासा करने के बाद पुलिस ने चार को जेल भेज दिया, इसमें राजस्थान में जनपद चित्तौड़गढ़ के विछोली गांव निवासी सावन कुमार, फरीदाबाद के आलोक कुमार सिंह (वर्तमान एसएसआर टावर-११६-सी हरहुआ काजीसराय), मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रहने वाले मनीष मिश्र और प्रयागराज के परानीपुर के मैनेजर राजीव कुमार मिश्र को गिरफ्तार किया है।

इन पर आरोप है कि टोल प्लाजा के बूथ कंप्यूटर में एनएचएआई के सॉफ्टवेयर के अतिरिक्त अलग से समानांतर सॉफ्टवेयर इंस्टाल कर भारी पैमाने पर राजस्व की चोरी करते थे।

बता दें की एसटीएफ द्वारा घोटाले के खुलासे के बाद तीन की गिरफ्तारी हुई थी, जबकि चौथे आरोपी को लालगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद शिवा बिल्डटेक कंपनी ने टोल प्लाजा के मैनेजर सहित सभी कर्मचारियों की नई तैनाती की है।

वही शिव गुलाम टोल प्लाजा पर महाकुंभ के मौनी अमावस्या व वसंत पंचमी के बाद से अभी तक रिकॉर्ड संख्या में वाहन पहुंचे हैं। एक से १२ फरवरी तक रिकॉर्ड ९४७०८ वाहन टोल प्लाजा से क्रॉस हुए हैं। इससे दो करोड़, ४६ लाख, ७३ हजार ८२५ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है जो अभी तक के वसूली से काफी ज्यादा है।

पिता व भाइयों ने लड़की को काटकर मौत के घाट उतारा

कोडरमा(एजेंसी): झारखंड के कोडरमा जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. गांव की एक लड़की निभा पांडेय को उसके पिता मदन पांडेय और दो भाइयों नीतेश पांडेय व ज्योतिष पांडेय ने कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया. इसका कारण निभा का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है. परिवार वाले इस रिश्ते से बेहद नाराज थे, जिसके चलते उन्होंने यह खौफनाक कदम उठाया.

हत्या के बाद शव को तीन दिन तक घर की पानी टंकी में छुपाया गया. जब टंकी से दुर्गंध आने लगी, तो आरोपियों ने शव को बोरे में भरकर साइकिल पर लादकर पंचखेरो नदी के किनारे ले जाकर बालू में गाड़ दिया. हालांकि, बुधवार को चरवाहों ने नदी किनारे बालू से बाहर निकले हाथ को देखा और पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया और मामले की जांच शुरू की.शव की पहचान भगवतीडीह गांव की निभा पांडेय के रूप में हुई.

पुलिस ने जब परिजनों से पूछताछ की, तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया. मदन पांडेय और उनके दोनों बेटों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया. पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी और शव को ले जाने के लिए उपयोग की गई साइकिल को भी बरामद कर लिया है.कोडरमा के एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है. यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है और ऑनर किलिंग की इस घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है.

फारूक रजा बने पीएन इंटर कॉलेज के टीआर

डुमरी (ससे) : पारसनाथ इंटर कॉलेज में गुरुवार को हुए टीआर (शिक्षक प्रतिनिधि) के चुनाव में फारूक रजा विजयी हुए।कॉलेज परिसर में हुये चुनाव में रजा १४ मतों से विजयी घोषित किये गये।कॉलेज प्राचार्य सह निर्वाची पदाधिकारी प्रो अल्लाउद्दीन अंसारी ने उन्हें जीत का प्रमाण पत्र दिया।उक्त आशय की जानकारी देते हुये उन्होने बताया कि शिक्षक प्रतिनिधि के चुनाव में २ उम्मीदवार रसायन शास्त्र के व्याख्याता फारूक रजा और कॉमर्स के व्याख्याता त्रिभुवन कुमार खड़े थे।चुनाव में फारूक रजा को १४ वोट मिले।जबकि उम्मीदवार त्रिभुवन कुमार ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।चुनाव में १४ व्याख्याताओं ने वोट डाले।इस चुनाव के लिये कुल १६ व्याख्याता मतदाता के रूप में सूचीबद्ध थे।इधर शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाने पर फारूक रजा को व्याख्याता सुनील कुमार, बेलाल अंसारी,डा.साबिर अख्तर,मनोज कुमार,रीता सिन्हा,आशा कुमारी,सत्येन्द्र कुमार,ब्रजेन्द्र कुमार, वसीम अख्तर सहित शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों ने बधाई दी है।

खेल मैदान का मुख्यमंत्री नीतीश ने किया उद्घाटन

मुंगेर (ईएमएस): बिहार के मुंगेर में ५ फरवरी को खेल मैदान का उद्घाटन खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किया था, वहां पांच दिन के भीतर ही चोरों ने हाथ साफ कर दिया। मैदान में लगी चार सोलर लाइट चोर चुरा ले गए। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है।

यह घटना नौवागढ़ी खेल मैदान की है। यहां मनरेगा के तहत ४४ लाख रुपये खर्च कर मैदान का निर्माण हुआ था। इसके साथ ही, ३ लाख रुपये की लागत से ८ सोलर लाइट भी लगी थीं, जिसमें से आधी अब गायब हो चुकी हैं।

दरअसल, खिलाड़ी मैदान में दौड़ लगाने पहुंचे, तब उन्हें अंधेरा नजर आया। उन्होंने सोचा कि तकनीकी खराबी के कारण लाइट बंद हुई है, लेकिन पास जाकर देखने पर सच्चाई सामने आई कि पोल से सोलर लाइट गायब है। खिलाड़ियों ने तुरंत इसकी सूचना खेल मैदान की देखरेख करने वाली कमेटी को दी, जिसके बाद कमेटी अध्यक्ष सर्वेश कुमार शर्मा और अन्य सदस्यों ने थाने में शिकायत दर्ज करा दी।

शिक्षक ने छात्रा से गुरु दक्षिणा में मांगी सिलीगुड़ी ट्रिप

किशनगंज(ईएमएस): यहां एक कलयुगी गुरु(शिक्षक) ने शर्मसार करने वाली हरकत की है। आशिक-मिजाज शिक्षक विकास कुमार पीड़ित छात्रा को फोन कर महाभारत के एकलव्य की तरह गुरु दक्षिणा में गर्लफ्रेंड बनने और उसके साथ सिलीगुड़ी जाकर मौज-मस्ती करने की मांग कर रहा था।

कथित कॉल रिकॉर्डिंग में छात्रा, शिक्षक से कह रही है कि तू शादीशुदा है और अपनी पत्नी को लेकर सिलीगुड़ी क्यों नहीं चला जाता। इस पर शिक्षक उसे एकलव्य की गुरु दक्षिणा की दुहाई देकर बहकाने की कोशिश करते हुए सुनाई दिया। पीड़ित छात्रा और ग्रामीणों ने आरोपी टीचर को नौकरी से बर्खास्त करने की मांग की है।

किशनगंज के डीएम विशाल राज ने कहा कि कोचाधामन प्रखंड के एक विद्यालय में शिक्षक द्वारा छात्रा को कॉल कर अश्लील एवं आपत्तिजनक बातें करने के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। पूरे मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम विशाल राज की सख्ती के बाद डीईओ नासिर हुसैन ने कोचाधामन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को स्थलीय जांच कर पूरी रिपोर्ट तलब की है। साथ ही डीईओ ने आरोप के घेरे में आए आशिकमिजाज शिक्षक विकास कुमार से स्पष्टीकरण पूछते हुए जवाब मांगा है कि क्यों नहीं उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

यह मामला कोचाधामन प्रखंड स्थित प्लस टू किसान उच्च विद्यालय सिंघाड़ी से जुड़ा हुआ है। यहां पदस्थापित शिक्षक विकास कुमार द्वारा इसी स्कूल की एक छात्रा को कॉल कर गंदी एवं अश्लील बातें की गई। इस आशिक-मिजाज शिक्षक की करतूत की जानकारी छात्रा ने स्कूल के हेडमास्टर को दी। इधर, मर्यादा की सारी हदें पार करने वाले शिक्षक की काली करतूत की खबर फैलने के बाद शिक्षा विभाग से लेकर प्रशासनिक गलियारे में खलबली मच गई। डीएम विशाल राज ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर कड़ी कार्रवाई की बात कही।

एनसीसी कैडेट्स परीक्षा में शामिल होने देवघर रवाना

डुमरी (ससे): झारखंड कॉलेज डुमरी के एनसीसी के बाईस कैडेट्स 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा २०२५ में सम्मिलित होने के लिए गुरूवार को सीनियर अण्डर ऑफिसर अनामिका पाण्डेय के नेतृत्व में देवघर कॉलेज देवघर के लिए रवाना हुए।ज्ञात हो कि एनसीसी में लगातार तीन वर्षों तक कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात ही कैडेट्स सी सर्टिफिकेट परीक्षा में सम्मिलित होते हैं।
एनसीसी कैडेट्स को कॉलेज के प्राचार्य प्रो प्रमोद कुमार सिन्हा एनसीसी पदाधिकारी प्रो राजेश प्रसाद ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया साथ ही परीक्षा में सफलता प्राप्त करने तथा मंगलमय यात्रा हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।

38 लाख श्रद्धालुओं ने किया महाप्रसाद ग्रहण

प्रयागराज,(ईएमएस): महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सेवा और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी के अदाणी समूह और इस्कॉन की पहल सुर्खियों में है। अभी तक महाकुंभ में ३१ दिनों में ३८ लाख श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण कर चुके हैं, इसमें मौनी अमावस्या के दिन महाप्रसाद ग्रहण करने वाले ३.५ लाख श्रद्धालु शामिल हैं। इधर, महाकुंभ परिक्षेत्र में पहुंचने वाले ३० लाख श्रद्धालुओं को गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित आरती संग्रह भी दी जा चुकी है। हर बार की तरह इस बार भी महाकुंभ में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और अदाणी ग्रुप और इस्कॉन की यह पहल ऐतिहासिक आयोजन को और भी खास बना रही है। यह सेवा न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक है, बल्कि समर्पण और निस्वार्थ सेवा की एक मिसाल बन रही है।

महाकुंभ में अदाणी ग्रुप और इस्कॉन की साझेदारी से महाप्रसाद सेवा चल रही है, इसमें हर दिन करीब एक लाख श्रद्धालुओं को भोजन वितरित किया जा रहा है। इस सेवा में १८,००० से अधिक सफाईकर्मी भी योगदान दे रहे हैं। सेवा को संचालित करने के लिए ५,००० से अधिक स्वयंसेवक प्रतिदिन अपनी निस्वार्थ सेवा दे रहे हैं। श्रद्धालु महाप्रसाद की गुणवत्ता और पवित्रता की लगातार प्रशंसा कर रहे हैं। आयोजन स्थल पर महाप्रसाद की व्यवस्था इतनी सुचारू रूप से की गई है कि किसी भी श्रद्धालु को किसी तरह की असुविधा नहीं हो रही है। इतना ही नहीं अदाणी ग्रुप ने गीता प्रेस के सहयोग से भक्तों को एक करोड़ आरती संग्रह की प्रतियां वितरित करने का संकल्प लिया है, इसमें से अब तक ३० लाख प्रतियां श्रद्धालुओं को भेंट की जा चुकी हैं। यह पहल सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और आध्यात्मिक साहित्य के प्रसार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। महाकुंभ में संतों के प्रवचन, रामकथा, श्रीमद्भागवत कथा और अन्य धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सेवा कार्यों को भी विशेष महत्व दिया गया है।

ममता कुलकर्णी महामंडलेश्वर थीं, और रहेंगी : लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी

लखनऊ (ईएमएस): बॉलीवुड स्टार ममता कुलकर्णी के इस्तीफे के चर्चे में हैं। हाल ही में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाई गईं कुलकर्णी ने इस पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। लेकिन इस फैसले ने किन्नर अखाड़े को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा कि वो किसी पद से इस्तीफा नहीं दे रहे हैं और कुलकर्णी को घर संवारने का काम करने का दायित्व उन्हें सौंपा गया है। यह बताया जा रहा है कि ममता कुलकर्णी ने महाकुंभ में अपना पिंड दान किया और फिर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाई गईं थीं। इसके बाद उनके इस्तीफे का फैसला सुर्खियों में आया था। इस विवाद के बाद अब देखना है कि आगे क्या होता है। ममता कुलकर्णी जब से इंडिया आई हैं, तब से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। ममता ने हाल ही में ऐलान किया था कि वो किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर के पद से इस्तीफा दे रही हैं, लेकिन अब महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने उनके इस फैसले को लेकर कुछ और ही बताया है। त्रिपाठी ने खुलासा किया है कि वो किसी पद से इस्तीफा नहीं दे रही हैं। मीडिया से बात करते हुए महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने ममता कुलकर्णी के इस्तीफे वाली बात को पूरी तरह से नकार दिया और कहा कि वो महामंडलेश्वर थीं, हैं और रहेंगी। उन्होंने कहा कि महामंडलेश्वर यमाई ममतानंद गिरि के नाम से ही ममता जी को जाना जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि गुरु पर बात आई तो ममता ने आहत होकर इस्तीफा दिया था लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ममता जी को सजाकर, संवारकर रखना मेरा दायित्व है। पद की गरिमा रखने वालों को ही महामंडलेश्वर बनाया जाएगा। गौरतलब है कि ममता कुलकर्णी ने हाल ही में महाकुंभ में अपना पिंड दान किया था और इसके बाद उन्हें किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाया गया था। लेकिन इस पर खूब विवाद हुआ। इसके कुछ दिनों बाद ममता ने ऐलान किया है कि वो इस पद से इस्तीफा दे रही हैं। अपने इस्तीफे का ऐलान करते हुए ममता ने कहा था कि 'मैं किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे रही हूं। मैं बचपन से ही साध्वी रही हूं और आगे भी रहूंगी।

जमीन विवाद में सात को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेतिया (एजेंसी): बेतिया में जमीन विवाद के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. ताजा मामला शनिचरी थाना अंतर्गत बकुचिया गांव की है. जहां जमीन विवाद में हुए मारपीट में पांच लोग घायल हो गए हैं. जिसमें एक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है. सभी घायलों का इलाज बेतिया जीएमसीएच में चल रहा है. गांव में तनावपूर्ण माहौल है. वहीं मारपीट की सूचना पर चंपारण रेंज के डीआईजी हरकिशोर राय, एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन. एसडीपीओ विवेक दीप गांव पहुंचे हैं. पूरे गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है. साथ ही भारी संख्या में पुलिस बल की गांव में तैनाती की गई है. गांव की स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है.

बेतिया एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन ने बताया कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है. जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई है. सूचना पर पुलिस टीम पहुंची है. इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है और स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रण में कर लिया गया है. बता दे कि दो पक्षों में हुई मारपीट से पूरे गांव में तनाव का माहौल है. मारपीट में चार लोग घायल हैं.

महिला ने बेटियों को दिया जहर खुद भी खाया, तीनों की मौत

मुजफ्फरनगर,(ईएमएस): मुजफ्फरनगर जिले में चचरौली गांव में एक महिला ने अपनी दो नाबालिग बेटियों को कथित तौर पर जहर देने के बाद खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस के मुताबिक चचरौली गांव में रहने वाली ४२ साल की महिला अपनी दो नाबालिग बेटियों को जहर दे दिया और बाद में खुद भी जहर खा लिया।

महिला की पहचान मिंटू चौधरी की पत्नी विनती के रूप में हुई है। उसने बुधवार शाम को आत्महत्या करने से पहले अपनी दोनों बेटियों सपना (१३) और सरस्वती (११) को जहर दिया था। भोपा थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतेंगे एनडीए : भाजपा

पटना (एजेंसी): लोकसभा चुनाव में एनडीए ने पूरे देश में ४०० पार का नारा दिया था, जिसके बाद विपक्षी दलों के नेताओं ने संविधान बदलने का नैरेटिव सामने ला दिया और फिर एनडीए की खटिया खड़ी हो गई और ३०० सीट पूरा करने में भी पसीने आ गए. अब यही काम बिहार एनडीए ने किया है. बिहार एनडीए ने खुद के लिए २०२५ में २२५ सीटों पर विजयश्री हासिल करने का टारगेट सेट किया है.

कुछ समय पहले बिहार एनडीए के नेता २१० सीटों पर जीत हासिल करने का दावा कर रहे थे, लेकिन बीच में कुछ ऐसा हुआ होगा कि टारगेट फिर से सेट करना पड़ा और अब जो टारगेट तय हुआ है वह २२५ का है. ऐसे में सवाल उठता है कि बिहार एनडीए की ओर से जो टारगेट तय हुआ है, उसका हश्र भी लोकसभा चुनाव में एनडीए के ४०० पार वाले टारगेट की तरह न हो जाए.

एनडीए के नेताओं का दावा है कि विधानसभा चुनाव २०२५ में हर हाल में २२५ सीटें जीतेंगे. इसके लिए एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन हो रहा है. एनडीए के सभी नेता एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं. एकजुटता का संदेश दिया जा रहा है. राज्य, जिला, अनुमंडल और ब्लॉक के बाद इसे बूथ लेवल तक ले जाने की तैयारी है.

एनडीए २०१० के अपने रिकॉर्ड को तोड़ना चाहता है. उस समय एनडीए को २०६ सीटें हासिल हुई थीं. तब जेडीयू को ११५ और भाजपा को ९१ सीटों पर जीत हासिल हुई थी. यह एनडीए का अब तक का सबसे शानदार परफॉर्मेंस है. यह भी दीगर बात है कि तब एनडीए में केवल भाजपा और जेडीयू थे. अब एनडीए में कुल मिलाकर ६ दल शामिल हैं. अगर पशुपति कुमार पारस अलग हो जाते हैं तो भी ५ दल बचते हैं. कुल मिलाकर एनडीए ने अपना दायरा बढ़ाया है और एकता दिखाने की भी कोशिश की जा रही है.

पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा ७४ सीटों के साथ दूसरे नंबर की पार्टी बनी थी और जेडीयू को केवल ४३ सीटें हासिल हुई थीं. जेडीयू नंबर के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी पार्टी रह गई थी. जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा को ४ और विकासशील इंसान पार्टी को भी ४ सीटों पर जीत हासिल हुई थी. कुल मिलाकर एनडीए ने बहुमत १२२ सीटों के अलावा ७ विधायकों का जुगाड़ किया था. इसमें चिराग पासवान वाली तत्कालीन लोजपा का एक विधायक भी शामिल था, जिसने बाद में जेडीयू का दामन थाम लिया था. तब महागठबंधन महज १२,००० वोटों के मामूली अंतर से पीछे छूट गया था. अब सवाल यह है कि क्या एनडीए अपना टारगेट अचीव कर सकता है या नहीं, क्योंकि इसमें सबसे बड़ा रोड़ा शीट शेयरिंग का है.

सीट शेयरिंग की बात करें तो चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ७० सीटों पर अपनी दावेदारी पेश कर रही है. दूसरी ओर जीतन राम मांझी ४० सीटों पर गिद्धदृष्टि जमाए बैठे हैं. मांझी ने तो २० से कम सीटें मिलने पर मोदी कैबिनेट से इस्तीफा देने की चेतावनी भी दे दी थी. हालांकि बाद में वे खंडन करते दिखे थे. उपेंद्र कुशवाहा ने अभी तक अपनी पार्टी के लिए सीटों की संख्या नहीं बताई है, लेकिन ८ से १० सीटों पर उनकी भी नजर होगी. और अंत में भाजपा और जेडीयू शायद ही १००-१०० से कम सीटों पर चुनाव मैदान में जाएंगे. इसलिए सीट शेयरिंग इस समय एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होगी.

इसमें कोई दोराय नहीं है कि हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह अपर हैंड लेकर चल रही है. सीट शेयरिंग में भाजपा की कोशिश एनडीए के सभी दलों पर हावी होने की होगी. टारगेट २२५ को पाने में सबसे मजबूत और सबसे कमजोर कड़ी अगर कोई है तो वो हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार. मजबूत इसलिए कि उनके पास अति पिछड़ा वर्ग के लोगों का ऐसा वोट बैंक है, जो आंख मूंदकर उनके लिए मतदान करता है और वे जिधर होते हैं, उनका वोट उधर ही जाता है. इसके अलावा २० साल के शासन, लाखों नौकरी देने और महिलाओं के लिए किए गए कल्याणकारी काम भी उन्हें मजबूत बनाते हैं.

कमजोर इसलिए क्योंकि नीतीश कुमार पर अब उनकी उम्र हावी होती दिख रही है. कभी कभी वे बोलते हुए ट्रैक से उतरकर बात करते दिखते हैं. भाजपा और जेडीयू नेताओं को उनकी बातों को संभालने के लिए आगे आना पड़ता है. अफसरों को हाथ जोड़कर काम करने की गुहार लगाना या फिर पीएम मोदी के पैर पड़ना भी उनके खिलाफ जा सकता है. विपक्ष भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ऐसे कामों को लेकर आक्रामक हो सकता है. खासतौर से तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ पिछले कुछ समय से कुछ ज्यादा ही मुखर हैं. बहुत संभव है कि लोकसभा चुनाव की तरह बिहार विधानसभा चुनाव के मौके पर भी विपक्ष ऐसा नैरेटिव लेकर आए, जिससे एनडीए का २२५ का नारा ध्वस्त हो सके. कुल मिलाकर बिहार की राजनीति बहुत ही मजेदार रहने वाली है. नजर बनाए रखें,

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद
(संयुक्त कार्यालय भवन परिसर)

अल्पकालीन
ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा प्रसंग संख्या :–**NH/DHANBAD/21/2024-25**
दिनांक : 13.02.2025

1	कार्य का नाम	RCC Box Cell Culvert (size- 2x 6x 4m) in Km. 35.100 of NH-419
2	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रूपये 79,99,500.00
3	कार्य समाप्ति की अवधि	6 माह
4	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	04.03.2025 (12.00 बजे दिन तक)
5	बेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	18.02.2025 (17.00 बजे अपराह्न)
6	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, धनबाद ।
7	प्रोक्युरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	6205664875 / 8709839630
8	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन नम्बर	0651–2446007

अतिरिक्त जानकारी के लिए बेबसाईट : http://Jharkhandtenders.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद।

PR.NO. 346372 Road(24-25):D

मुख्यमंत्री आवास से होती थी अपहरण की डील : सुभाष यादव

पटना (एजेंसी): बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. चुनावी साल में प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते रहते हैं. वहीं एनडीए नेता तेजस्वी को लालू यादव के शासनकाल की याद दिलाते रहते हैं. इस बीच राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के साले सुभाष यादव ने बड़ा खुलासा किया है.

सुभाष यादव के मुताबिक, राजद शासनकाल में मुख्यमंत्री आवास से किडनैपिंग केस में डील हुआ करती थी. ज़ी न्यूज़ से बात करते हुए सुभाष यादव ने एक अपहरण केस का जिक्र किया और बताया कि नेपाल से लोग आ रहे थे, तो बॉडर इलाके में एक किडनैपिंग हुई थी. इसका आरोप जाकिर हुसैन पर लगा था. वो अभी भी जिंदा है. सुभाष यादव ने कहा कि इस मामले में लालू यादव ने डील किया था. सुभाष यादव ने बताया कि इस किडनैपिंग को लेकर मोहम्मद शहाबुद्दीन और लालू यादव ने फोन किया था और जाकिर हुसैन से उसे (अपहृत) छोड़ने को कहा था. लेकिन उसने ये किडनैपिंग नहीं की थी. कोई दूसरा आदमी था. फिर शहाबुद्दीन और लालू यादव ने इसको लेकर बात किया. सीएम हाउस में डील हुआ और फिर उसे व्यक्ति को सकुशल लौटाया गया. सुभाष यादव ने कहा कि लालू यादव बराबर अपने बेटे के बारे में ऐसा बयान देते हैं और हाल बुरा हो जाता है. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में क्या बयान दिए थे और लोकसभा में क्या हाल हुआ था? उन्होंने कहा था कि आरजेडी के ४० में ४० प्रत्याशी जीत रहे हैं, पर ४ पर आकर रुक गए. लालू यादव का हवा-पानी चलते रहेगा. राजद २० से नीचे आएगी. आम पब्लिक में मैसेज है कि २०२५ में बीच से नीचे आएगी. सुभाष यादव ने कहा कि लालू यादव को यादव और मुस्लिम वोट देगा, दूसरा समाज उनका बंधुआ मजदूर नहीं है.

चुनावी साल में सुभाष यादव का ये बयान राजद और तेजस्वी यादव की मुसीबत बढ़ा सकता है. सुभाष यादव ने ही लालू यादव के शासनकाल को जंगलराज साबित कर दिया है.

प्रगति यात्रा में गया पहुंचे सीएम नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को प्रगति यात्रा के क्रम में गया जिला पहुंचे, जहां उन्होंने १,४३७.९० करोड़ रुपए की कुल १,७१४ विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चंदौती प्रखंड के प्रभावती अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने विभिन्न जीविकोपार्जन गतिविधियों से संबंधित लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया. उन्होंने नीरा संग्रहण-सह-बिक्री केंद्र का भी मुआयना किया और उसके विषय में जानकारी प्राप्त की. स्टॉल अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत करते हुए उनके कार्यों की तारीफ की और हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया.

मुख्यमंत्री ने अपने गया दौरे के क्रम में ४,५८७.६८ लाख रुपए की लागत से लावकबार बांध निर्माण एवं पईन सिंचाई योजना के जीर्णोद्धार कार्य तथा कोठी वीयर सिंचाई योजना का स्थल निरीक्षण किया. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह कार्य पूर्ण हो जाने से लावाबार, बाहा गणेशपुर, लौटारा, सोबरी, बसुरा, रॉधा एवं सील्हना गांव के ग्रामीण लाभान्वित होंगे. स्थल निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री स्थानीय किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से भी अवगत हुए. मुख्यमंत्री ने इमामगंज प्रखंड में प्रस्तावित इमामगंज कोठी-सलैया पथ के चौड़ीकरण एवं वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे का भी स्थल निरीक्षण किया. साइट मैप के माध्यम से अधिकारियों ने प्रस्तावित पथों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी.

इसके बाद मुख्यमंत्री ने बोधगया प्रखंड के बसाठी ग्राम के बतसपुर वीयर बांध परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया. इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को मैप के माध्यम से बतसपुर वीयर बांध परियोजना और मोराटल मुख्य पईन के चौड़ीकरण एवं विस्तारीकरण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी. मुख्यमंत्री ने बतसपुर ग्राम में गोबर गैस प्लांट, मनरेगा पार्क, आंगनबाड़ी केंद्र, मनरेगा हाट, खेल के मैदान का निरीक्षण किया. उन्होंने प्रभावती अस्पताल परिसर में २,९०३ लाख रुपए की लागत से बने सौ बेड वाले नवनिर्मित मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किया.

उन्होंने गया जिले में १४ प्रखंडों अतरी, कोंच, गया सदर, टेकारी, डुमरिया, परैया, फतेहपुर, बाराचट्टी, मानपुर, वजीरगंज, आमस, मोहनपुर, गुरारू एवं बांकेबाजार में नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण कराने, इमामगंज में डिग्री कॉलेज की स्थापना, मोरहर नदी पर कोठी वीयर का निर्माण, बसतपुर वीयर से लोदीपुर तक पईन का जीर्णोद्धार, पुलिया का चौड़ीकरण एवं लोदीपुर तक पईन का विस्तारीकरण जैसी कई योजनाओं की घोषणा की.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद
(संयुक्त कार्यालय भवन परिसर)

अल्पकालीन
ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा प्रसंग संख्या :–**NH/DHANBAD/22/2024-25**
दिनांक : 13.02.2025

1	कार्य का नाम	Special Repair from Km. 49.000 to Km. 49.600 of NH-419.
2	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रूपये 59,99,900.00
3	कार्य समाप्ति की अवधि	3 माह
4	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	04.03.2025 (12.00 बजे दिन तक)
5	बेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	18.02.2025 (17.00 बजे अपराह्न)
6	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, धनबाद ।
7	प्रोक्युरमेंट अधिकारी का सम्पर्क नम्बर	6205664875 / 8709839630
8	ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन नम्बर	0651–2446007

अतिरिक्त जानकारी के लिए बेबसाईट : http://Jharkhandtenders.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल,धनबाद

PR 346381 Road(24-25).D

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

पत्रांक– 232/SNMMCH धनबाद, दिनांक– 11.02.2025

निविदा रद्द सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद के उपयोग के कार्य हेतु वाहयश्रोतिय व्यवस्था से दो वर्षो के लिये बोलेरो नियो गाड़ी हेतु निविदा प्रकाशित की गई थी जिसका टेण्डर रेफेरेन्स सं0–137/SNMMCH था जिसका P.R. 345278(Health Med Edu and Family Welfare)24-25*D है। जिसे अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है

ह0/–अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पताल, धनबाद

PR 346343 (Health Med Edu and Family Welfare)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद
(लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद)

निविदा रद्दीकरण सूचना

अपरिहार्य कारणवश अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 14/2024–25 जो पी.आर. संख्या–344738(Road)24-25*D से विभिन्न सामाचार पत्रों में प्रकाशित है को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है ।

कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद

PR 346353 Road(24-25)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद
(लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद)

निविदा रद्दीकरण सूचना

अपरिहार्य कारणवश अति–अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना संख्या NH/DHANBAD /15/ 2024-25 जो पी.आर. संख्या–344734 Road(24-25)_D से विभिन्न सामाचार पत्रों में प्रकाशित है को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है ।

कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद।

PR.NO.346354 Road(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, धनबाद
(लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद)

निविदा रद्दीकरण सूचना

अपरिहार्य कारणवश अति–अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना संख्या NH/DHANBAD / 18/2024-25 जो पी.आर. संख्या–344737 Road(24-25):D से विभिन्न सामाचार पत्रों में प्रकाशित है को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है ।

कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल,धनबाद

PR 346357 Road(24-25).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
Email Id:rdsdjmt@gmail.com

अल्पकालीन पुर्ननिविदा ई0–आमंत्रण संख्या–RDD/SD/JAMTARA/RE/12/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप नं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	जामताड़ा जिला अन्तर्गत प्रखण्ड नाला में आगैया और बांकाशिमल के बीच जोरिया पर पुल निर्माण।	3,16,37,300.00	6,33,000.00	10,000.00	18 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक–14.02.2025
3. ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–14.02.2025 से दिनांक–27.02.2025 (अपराह्न 5:00 बजे)
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा की स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
6. निविदा खोलने का स्थान :– e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
7. निविदा खुलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–01.03.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
9. ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या :– 9973957543
10. अधोहस्ताक्षरी/सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेंगा तथा निविदादा को कारण पृच्छा का अधिकार मान्य नहीं होगा।
11. B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।

PR 346338 (Rural Development) 24-25 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
Email Id:rdsdjmt@gmail.com

अल्पकालीन ई0–आमंत्रण संख्या–**RDD/SD/JMT/RE/14/2024-25**

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	जामताड़ा जिला के नारायणपुर प्रखण्ड परिसर में पलाश मार्ट का निर्माण।	5,08,18,000.00	10,17,000.00	10,000.00	12 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक–14.02.2025
3. ई0–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–14.02.2025 से दिनांक–27.02.2025 (अपराह्न 5:00 बजे)
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा की स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
6. निविदा खोलने का स्थान :– e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
7. निविदा खुलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–01.03.2025 (अपराह्न 2:00 बजे)
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।
9. ई0–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या :– 9973957543
10. अधोहस्ताक्षरी/सक्षम पदाधिकारी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताये रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेंगा तथा निविदादाता को कारण पृच्छा का अधिकार मान्य नहीं होगा।
11. B.O.Q की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, जामताड़ा।

PR 346339 Rural Development(24-25)D

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा

कार्यालय सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यकारी निदेशक, झारखण्ड स्टेट आरोग्य सोसाईटी, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 888 दिनांक 27.12.2024 के आलोक में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के सफल एवं सुचारू रूप से संचालन हेतु स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के विभागीय संकल्प 343(13) दिनांक 13.09.2019 के अंतर्गत जिले में सृजित एकल पद DPC (District Programme Coordinator) की नियुक्ति हेतु विज्ञापन सं0– 01/2025 दिनांक 06.01.2025 को प्रकाशित किया गया था। वांछित योग्यता एवं निम्नांकित शर्तों को पूर्ण करने वाले अभ्यार्थियों से विहित प्रपत्र में आवेदन विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों की समयावधि दिनांक 27.01.2025 तक कार्यालय कार्यावधि में निबंधित डाक द्वारा आवेदन आमंत्रित की गई थी।

प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में प्राप्त आवेदनों को समिति द्वारा Scrutiny करते हुए योग्य/अयोग्य अभ्यार्थियों की जाँच सूची तैयार की गई है। जिसकी विवरणी संलग्न है। Scrutiny समिति द्वारा Scrutiny के कम में Eligible with objection अभ्यार्थियों के आवेदन में प्राप्त त्रुटि के निराकरण हेतु संबंधित दस्तावेज/प्रमाणपत्र जामताड़ा एन0आई0सी0 के वेवसाईट/दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित होने की तिथि से 10 (दस) दिनों के अंदर कार्यालय में समर्पित किया जाना है। तदनुसार समर्पित दस्तावेज/प्रमाणपत्र के Scrutiny के उपरान्त अंतिम रूप से Eligible/Not Eligible अभ्यार्थियों की सूची प्रकाशित की जायेगी।

ह0/–
असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदा0, जामताड़ा

PR 346427 Health Med Edu and Family Welfare(24-25).D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, बोकारो (झारखण्ड)
(अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एंव पिछडा वर्ग कल्याण शाखा, बोकारो)

शैक्षणिक सत्र 2025–26 में आवासीय उच्च विद्यालय एवं आश्रम विद्यालय वर्ग 06, 07 एवं 08 में नामांकन हेतु चयन परीक्षा।

—:: विज्ञप्ति ::—

उतरी छोटानागपुर प्रमण्डल हजारीबाग अन्तर्गत कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय एवं आश्रम आवासीय विद्यालय, शैक्षणिक सत्र 2025–26 वर्ग 06, 07 एवं 08 में रिक्तियों के विरूद्ध नामांकन हेतु इच्छुक (गरीबी रेखा से नीचे आय वाले परिवार) छात्र/छात्राओं (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछडी जाति) से विहित प्रपत्र में 1) आवेदन–पत्र, 2) अभिभावक द्वारा किये जाने वाला घोशणा पत्र 3) संबंधित विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा सत्यापन पत्र/प्रवेश–पत्र दिनांक–28.02.2025 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

नामांकन हेतु लिखित जाँच परीक्षा की तिथि दिनांक–09.03.2025 (रविवार) को निर्धारित की गई है। इच्छुक छात्र/छात्रा आवेदन–पत्र 1) जिला कल्याण शाखा, (समाहरणालय, बोकारो) 2) सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी का कार्यालय, बोकारो जिला 3) अनुसूचित जाति आवासीय उच्च विद्यालय चास (मिर्धा), 4) आश्रम आवासीय विद्यालय तुलबुल (गोमिया) से प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक निःशुल्क प्राप्त कर सकते है।

पूर्ण रूप से भरे गये आवेदन–पत्र अनुसूचित जाति आवासीय उच्च विद्यालय चास (मिर्धा) आश्रम आवासीय विद्यालय तुलबुल (गोमिया) एवं जिला कल्याण शाखा, (समाहरणालय, बोकारो) में जमा करना होगा।

ह0/–
जिला कल्याण पदाधिकारी, बोकारो

PR 346409 (Welfare)24-25*D

कार दुर्घटना में 14 साल की बच्ची की मौत

गोरखपुर (ईएमएस): शादी समारोह से लौट रही कार भीषण हादसे का शिकार हो गई। मैरिज हाल के पास कार तेज रफ़्तार पिकअप से टकरा गई, इससे कार में सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल कालेज भिजवाया, जहां डाक्टरों ने १४ वर्षीय मीनू को मृत घोषित कर दिया। बाकी घायलों का इलाज जारी है। गुरुवार सुबह करीब ३ से ४ बजे के बीच यह दुर्घटना हुई। कार सवार सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार ओसियन इलेवन मैरिज हाल के पास पहुंची, अचानक सामने से आ रही एक पिकअप से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में बैठे सभी लोग बुरी तरह घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से चिलुआताल पुलिस सभी को मेडिकल कालेज ले गई। इस दुर्घटना के बाद मौके पर काफी देर तक अफरातफरी मची रही। लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के अगले हिस्से के परखचे उड़ गए।

झारखण्ड सरकार
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

71वीं औपबंधिक सूची
जिला–धनबाद

क्र0	आवेदनकर्त्ता का विवरण	केस सं0/ वाद सं0	झा0 आं0 के सेनानी पुस्तिका में नाम	आन्दोलनकारी होने का संक्षिप्त कारण	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
1.	1. आवेदन क्र0– 01/25 2. आवेदक–महाबीर प्रसाद राम 3. पिता–स्व0 मंगल राम 4. ग्राम–मोती नगर, चासनाला, पोस्ट–चासनाला 5. थाना–धनबाद प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–61 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–माथा में कटा का निशान।	धनबाद थाना काण्ड सं0–255/83	नहीं	कारण :– दिनांक 09.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–09दिन	2(viii)(a)
2.	1. आवेदन क्र0–534 2. आवेदक–धनंजय ओझा 3. पिता–कालीपदो ओझा उर्फ सुवेश्वर ओझा 4. ग्राम–मोती नगर, चासनाला, पोस्ट–चासनाला 5. थाना–धनबाद प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–56 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	धनबाद थाना काण्ड सं0–255/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–09दिन	2(viii)(a)
3.	1. आवेदन क्र0–536 2. आवेदक–विश्वनाथ राय 3. पिता–शक्तिपदो राय 4. ग्राम–सम्राट नगर, चासनाला, पोस्ट–चासनाला 5. थाना–धनबाद प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–63 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	धनबाद थाना काण्ड सं0–255/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–09दिन	2(viii)(a)
4.	1. आवेदन क्र0–02/25 2. आवेदक–गंगु दास उर्फ गंगा दास 3. पिता–बासु दास उर्फ बासुदेव दास 4. ग्राम–लक्ष्मी कोलियरी, सुरंगा, पोस्ट–खास जिनागोरा 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–60 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	धनबाद थाना काण्ड सं0–255/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–09दिन	2(viii)(a)
5.	1. आवेदन क्र0–537 2. आवेदक–मो0 रहमान 3. पिता–वजीर मियां उर्फ वोजीर अंसारी 4. ग्राम–रमजानपुर, हैदरी मस्जिद के पास, पोस्ट–भागा 5. थाना–भागा प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–53 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	धनबाद थाना काण्ड सं0–255/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–09दिन	2(viii)(a)
6.	1. आवेदन क्र0– 03/25 2. आवेदक–मसो0 मिथला देवी (आश्रित पत्नी) 3. पति–स्व0 ढोमन महतो (आन्दोलनकारी) 4. ग्राम–पारसबनिया, पोस्ट–खास जिनागोरा 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–महिला आयु–54 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	धनबाद थाना काण्ड सं0–51/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–06 दिन	2(viii)(a) (आश्रित पत्नी)
7.	1. आवेदन क्र0– 04/25 2. आवेदक–शेख समीम 3. पिता–स्व0 शेख मोहम्मद हुसैन 4. ग्राम–भिखराजपुर, पोस्ट–बलियापुर 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–70 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के अंगुठा में कटा का निशान।	धनबाद थाना काण्ड सं0–51/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–06 दिन	2(viii)(a)
8.	1. आवेदन क्र0– 05/25 2. आवेदक–सागर मंडल 3. पिता–स्व0 अतुल मंडल 4. ग्राम–सीमाटांड, पोस्ट–ए0सी0सी0 कॉलोनी 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–63 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–दायें गाल पर मासा।	धनबाद थाना काण्ड सं0–51/83	नहीं	कारण :– दिनांक 12.05.1983 को अलग राज्य की मांग को लेकर जेल भरो अभियान चलाना एवं धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप। जेल की अवधि :–06 दिन	2(viii)(a)
9.	1. आवेदन क्रमांक– 06/25 2. आवेदक–मुरली प्रसाद महतो 3. पिता–एतवारी महतो 4. ग्राम–धोबनी, पोस्ट–लालपुर 5. थाना–पुटकी प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–51 वर्ष 7. पहचान चिह्न–दायें तरफ गर्दन के नीचे तिल का दाग।	पुटकी थाना काण्ड सं0 105/92 जी0 आर0 संख्या–3541/92 टी0 आर0 संख्या–10/2011	नहीं	कारण :–दिनांक–15.09.92 को झारखण्ड बंद के दौरान रंगदारी टैक्स मांगने का आरोप। जेल की अवधि:–06 दिन	2(viii)(a)
10.	1. आवेदन क्र0– 07/25 2. आवेदक–मो0 सुलेमान अंसारी 3. पिता–स्व0 मो0 शमीम अंसारी 4. ग्राम–सिन्दुरपुर, टोला–कोड़ाहीर, पोस्ट–बलियापुर 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–60 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–बायें आंख में कटा हुआ दाग।	अनु0 दण्डा0 एम0पी0 वाद सं0 479/93	नहीं	कारण :– दिनांक 20.03.1983 को झारखण्ड बंदी की तिथि का विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। जेल की अवधि :–18दिन	2(viii)(a)
11.	1. आवेदन क्र0– 08/25 2. आवेदक–मो0 सुलेमान अंसारी 3. पिता–स्व0 रूमन मियाँ 4. ग्राम–काशीटांड, पोस्ट–नागनगर 5. थाना–बरवाअड्डा प्रखण्ड–गोविन्दपुर 6. लिंग–पुरूष आयु–75 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–दायें गाल पर कटा का निशान।	नहीं	नहीं	कारण :– संलग्न कागजातों से ज्ञात होता है कि आवेदक वर्ष 1992 को झामुमो (शिबु सोरेन गुट) के कार्यकर्त्ता रहें है।	2(ix)
12.	1. आवेदन क्र0– 09/25 2. आवेदक–दुखन महतो 3. पिता–स्व0 मगरू महतो 4. ग्राम–रघुनाथपुर, पोस्ट–बलियापुर 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–75 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–दायां गाल जला है।	सिन्दरी थाना काण्ड संख्या–09/88 जी0आर0 सं0–109/88		कारण :– दिनांक 26.01.1988 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर अलग झारखण्ड राज्य की मांग करना तथा झारखण्ड का झंडा फहराने का आरोप। जेल की अवधि–01 माह 11 दिन	2(viii)(a)
13.	1. आवेदन क्र0– 10/25 2. आवेदक–ब्रजेश कुमार सिंह 3. पिता–स्व0 पुरन प्रसाद सिंह 4. ग्राम–धिरगोरा, पोस्ट–धनबाद 5. थाना–धनबाद प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–65 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में घाव का निशान।	नहीं	नहीं	कारणः–झारखण्ड अलग राज्य से संबंधित अखबार कतरन के आधार पर।	2(ix)
14.	1. आवेदन क्र0– 11/25 2. आवेदक–रामचन्द्र शर्मा 3. पिता–स्व0 देवनारायण सिंह 4. ग्राम–बासदेवपुर, पोस्ट–कुसुन्डा 5. थाना–केन्दुआडीह प्रखण्ड–धनबाद 6. लिंग–पुरूष आयु–57 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–दाहिने आंख के पास कटा हुआ निशान।	नहीं	नहीं	कारणः–झारखण्ड अलग राज्य से संबंधित अखबार कतरन के आधार पर।	2(ix)
15.	1. आवेदन क्र0–12/25 2. आवेदक–गोपाल महतो 3. पिता–श्यामलाल महतो 4. ग्राम–हुरसोडीह, पोस्ट–खानुडीह 5. थाना–बाघमारा प्रखण्ड–बाघमारा 6. लिंग–पुरूष आयु–45 वर्ष 7. पहचान चिन्ह–बायें घुटने में चोट का निशान।	बाघमारा थाना काण्ड सं0–284/99	नहीं	कारण :–दिनांक 13.12.1999 को एकत्रित होकर झारखण्ड बंद का नारा लगाने का आरोप।	2(ix)
16.	1. आवेदन क्र0–36 2. आवेदक–नारायण महतो 3. पिता–स्व0 गुरूचरण महतो 4. ग्राम–लोहपिट्टी पोस्ट–रामनगरगढ़ 5. थाना–महुदा प्रखण्ड–बाघमारा 6. लिंग–पुरूष आयु–66 वर्ष 7. पहचान चिह्न– अंकित नहीं।	बाघमारा (महुदा) थाना काण्ड सं0–166/83	नहीं	कारण :– दि0 09.05.1983 को निशेषज्ञा का उल्लंघन कर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। जेल की अवधि–07 दिन।	2(viii)(a)
17.	1. आवेदन क्र0–639 2. आवेदक–शेख हासिम 3. पिता–शेख युसूफ 4. ग्राम–बलियापुर पोस्ट–बलियापुर 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–66 वर्ष 7. पहचान चिह्न– अंकित नहीं।	बलियापुर थाना काण्ड संख्या–80/91 बलियापुर थाना काण्ड संख्या–81/91	पृ0सं0–85 क्र0–12(11)	कारण :–दिनांक 13.06.1991 को नजायज मजमा बनाकर सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप।	2(ix)
18.	1. आवेदन क्र0–13/25 2. आवेदक–सरकार मुर्मू 3. पिता–स्व0 लखीराम मुर्मू 4. ग्राम–दांगी (नयाडीह) पोस्ट–प्रधानखंता 5. थाना–बलियापुर प्रखण्ड–बलियापुर 6. लिंग–पुरूष आयु–68 वर्ष 7. पहचान चिह्न–अंकित नहीं।	बलियापुर प्राथ0 116/92	पृ0 सं0–86 क्र0–14(16)	कारण :– दिनांक 30.10.1992 को झारखण्ड अलग राज्य की मांग को लेकर निषेधाज्ञा धारा–144 का उल्लंघन करने का आरोप।	2(ix)

नोट :– 1. सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि यथा नाम, पिता का नाम, पूरा पता, लिंग, आयु, पहचान चिह्न, केस/वाद सं0, झा0 आंदोलन के सेनानी पुस्तिका, कारण, जेल अवधि आदि में पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं और यदि जेल गये हैं तो उसका प्रमाण पत्र/आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करावें।

2. जिन आवेदकों का चिन्हितीकरण अखबार कतरन/बैठक पंजी/सदस्यता प्रमाण पत्र के आधार पर किया गया है, वे सम्पुष्टिकरण से पूर्व उक्त कागजात को सक्षम पदाधिकारी से अभिप्रमाणित कर, इसमें नाम होने के आशय का शपथ पत्र अवश्य रूप से उपलब्ध करावें।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मु) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 346369 (Home) 24-25 (D)

पटना में जीतनराम मांझी का शक्ति प्रदर्शन

पटना (एजेंसी): २८ फरवरी को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी दलित समागम का आयोजन करने जा रहे हैं. इस कार्यक्रम में राज्य के कोने-कोने से लाखों लोगों के आने की संभावना जताई जा रही है. मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) ने इस भव्य आयोजन की तैयारी शुरू कर दी है. मांझी की नजर आगामी विधानसभा चुनाव में दलित वोट बैंक पर है, और इस आयोजन के माध्यम से अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किया जा रहा है. जीतनराम मांझी ने बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए सीटों की दावेदारी स्पष्ट कर दी है.

वे कई मौकों पर यह कह चुके हैं कि झारखंड और दिल्ली चुनावों में उन्हें सीटें नहीं दी गईं, लेकिन बिहार में वे अपनी राजनीतिक ताकत दिखाएंगे. उनका मानना है कि बिहार में उनका जनाधार मजबूत है, जिसे नकारा नहीं जा सकता. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री संतोष सुमन समेत तमाम नेता इस आयोजन की तैयारी में जुटे हुए हैं.

राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने इस आयोजन पर तंज कसते हुए कहा कि चाहे जितना भी शक्ति प्रदर्शन कर लिया जाए, भाजपा का समर्थन चिराग पासवान को ही मिलेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, चिराग पासवान का उपयोग नीतीश कुमार की राजनीति को कमजोर करने के लिए कर रही है. कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पांडेय ने भी कहा कि मांझी का शक्ति प्रदर्शन एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान का नतीजा है. हाल ही में एनडीए नेताओं के साथ हुई बैठक से जिस तरह जीतन राम मांझी को बाहर रखा गया, उसका यह नतीजा है. और इसीलिए वे अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं.

मांझी पर हमले हो रहे हैं. इससे साफ है कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. सभी सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ सख्ती दिखा रहे हैं. इसका ताजा उदाहरण आने वाला कार्यक्रम है.

जेडीयू प्रवक्ता मनीष यादव ने कहा कि मांझी एनडीए परिवार का हिस्सा हैं और उनका यह कार्यक्रम स्वागत योग्य है. भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि दलित और ओबीसी वोट एनडीए के साथ हैं, और मांझी तथा चिराग दोनों मिलकर एनडीए को और मजबूत कर रहे हैं. राजनीतिक विश्लेषक अरुण पांडे का मानना है कि मांझी का यह कार्यक्रम आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है.

उन्होंने चिराग पासवान और मांझी के बीच पिछले विवादों की भी चर्चा की. राजनीतिक विश्लेषक अरुण पांडेय ने कहा कि वे बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. आज वे एनडीए के नेता और केंद्रीय मंत्री हैं. चुनाव से पहले ऐसा कार्यक्रम होगा, इसलिए वे ऐसा कार्यक्रम कर रहे हैं. हर पार्टी के नेता ऐसा करते हैं. चिराग युवा नेता हैं. एक मुद्दा है जिस पर दोनों एक दूसरे से भिड़ गए थे जब सुप्रीम कोर्ट ने कोटा को कोर्ट में लाया था. चिराग इसके खिलाफ थे और विपक्ष के भारत बंद के समर्थन में थे.

जीतन राम मांझी ने सुप्रीम कोर्ट का समर्थन किया था. चिराग उपचुनाव में जीतन राम मांझी की सीट पर प्रचार करने नहीं गए थे. लेकिन अंत में नीतीश कुमार को वोट मांगना ही है. उन्हें अपने समर्थकों को जिताना है, चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन अंत में वे एनडीए के पक्ष में वोट मांगेंगे. यह किसी के लिए नहीं है, यह उनके अपने वोट बैंक के लिए है.

मोतिहारी के एएसपी का सारण में ट्रांसफर

मोतिहारी (एजेंसी): मोतिहारी के एएसपी सदर शिखर चौधरी का अब सारण में ट्रांसफर हो गया है. अब वो सारण के ग्रामीण एसपी के तौर पर अपनी सेवा देंगे. शिखर चौधरी का कार्यकाल मोतिहारी में बहुत लंबा नहीं रहा पर जितना भी दिन रहा वो ना सिर्फ मोतिहारी पुलिस के लिए शानदार नेतृत्व मिलने का अनुभव रहा बल्कि सदर अनुमंडल के लोगों को भी एक मृदुभाषी अधिकारी से दो चार होने का अनुभव रहा है. शिखर चौधरी २०२० बैच के आईपीएस अधिकारी है. शिखर चौधरी ने पहले ही प्रयास में आईएफएस की कठिन परीक्षा पास की थी. जिसमे उन्हें पूरे देश में ९वां स्थान प्राप्त हुआ था. शिखर चौधरी आईआईटी की परीक्षा में पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त किया था. पर जज्बा आम लोगो की सेवा करना का था लिहाजा शिखर चौधरी ने यूपीएससी को चुना.

शिखर चौधरी की जब मोतिहारी में पोस्टिंग हुई थी तब अपराध थोड़ा बेलगाम था. सदर एएसपी के पद पर होने के कारण सदर के साथ ही जिला पर भी नजर रखना पड़ता था. जिसे शिखर चौधरी ने शानदार तरीके से निभाया.

पुलिस महकमे के लोग हो या मीडिया कर्मी एक आईपीएस होने के बावजूद भी शिखर चौधरी के मीठे बोल की तारीफ करते नहीं थकते है. ऐसा नहीं है कि शिखर चौधरी सिर्फ मीठे बोल ही बोलते थे उन्होंने कई ब्लाइंड केस का भी शानदार ढंग से उद्भेदन किया है. बदायूं गैंग का उद्भेदन हो या हरियाणा गैंग की दोनों गैंग के लोगों की गिरफ्तारी से लेकर उद्भेदन किसी फिल्म की कहानी से कम नहीं थी.

मोतिहारी के सेमरा और डीएभी मोड़ पर एक दिन एटीएम काटकर रुपए की चोरी हुई थी. यह चोरी इतनी हाईटिक थी कि बदमाश अपने साथ जैमर और वॉकी टॉकी से लैस होकर होकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था. इस केस का सफल उद्भेदन शिखर चौधरी ने ही किया था. तब इलाके के टावर को डंप किया गया तब भी कोई सुराग नहीं मिल सका तो दूसरी टीम जेल से लेकर जेल के बाहर के अपराधियों से टोह लेता रहा. बावजूद इसके पुलिस के हाथ खाली रह गया था. एसटीएफ की टीम भी अलग से लगी हुई थी.

तब शिखर चौधरी के नेतृत्व में मोतिहारी से निकलने वाले सभी रास्ते की सीसीटीवी के अलावा दिल्ली तक के टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया था. एटीएम चोर की गिरफ्तारी के लिए बेचैन शिखर चौधरी हाईटिक तरीके से पीछा करते हुए हरियाणा तक पहुंच गए और पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया था. शिखर चौधरी के आने से चंद दिनों पहले ही एक सप्ताह के अंदर पांच स्वर्ण आभूषण की दुकान में ताबड़ तोड़ चोरी की वारदात हुई थी. हालात यह हो गई थी कि व्यवसायियों ने बाजार को बंद कर पुलिस के खिलाफ अपनी नाराजगी को जाहिर किया था.

घटना के तुरंत बाद ही शिखर चौधरी ने एएसपी सदर के पद पर मोतिहारी में अपना योगदान दिया था. पांच दुकानों में से नगर थाना क्षेत्र के एक दुकान से दो करोड़ से ज्यादा के आभूषण चोरी होने की चर्चा आज भी लोग करते है.

आभूषण दुकान की पांचों चोरी की वारदात सदर अनुमंडल में ही हुई थी लिहाजा शिखर चौधरी ने ज्वाइनिंग करते ही कांड का सफल उद्भेदन के साथ ही बदायूं से एक महिला सहित गैंग के सभी बदमाशों को गिरफ्तार किया था. साथ ही मोतिहारी पुलिस की नाक को भी बचाया गया था.

6 लोगों की हत्या में फांसी की सजा पाए आरोपी को सुप्रीम कोर्ट ने किया बरी

आगरा,(ईएमएस); यूपी के आगरा जिले के तुरकिया गांव के सामूहिक हत्याकांड में फांसी की सजा पाए आरोपी गंभीर सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है। इसके बाद वह बुधवार सुबह आगरा सेंट्रल जेल से बाहर आ गया। जेल से बाहर आते ही गंभीर ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उसे भगवान पर भरोसा था कि एक दिन न्याय जरुर मिलेगा। इसके साथ ही उसने अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक यह हत्याकांड २०१२ में हुआ था, जिसमें गंभीर सिंह पर आरोप था कि उसने अपने बड़े भाई सत्यभान, भाभी पुष्पा और उनके चार बच्चों आरती, महरा, गुड़िया और कन्हैया समेत कुल ६ लोगों की हत्या कर दी थी। यह मामला पहले से ही सुर्खियों में था और अदालतों में लंबा चला, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर सिंह को बरी कर दिया। बता दें ९ मई २०१२ को आगरा के तुरकिया गांव में एक ही परिवार के ६ लोगों की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने गंभीर सिंह को इन हत्याओं का जिम्मेदार ठहराया था, क्योंकि परिवार में उसकी संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक इस विवाद के कारण उसने अपने परिवार के ६ लोगों की हत्या कर दी थी। गंभीर की भाभी पुष्पा का भाई ने पुलिस के सामने गंभीर सिंह पर हत्या करने का शक जताया था। पुलिस ने उसके बयान को आधार मानते हुए गंभीर सिंह और उसकी एक रिश्तेदार गायत्री को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने दो हथियार भी बरामद किए थे, जिनमें एक कुल्हाड़ी और दूसरा कटारी था।

महाकुंभ में अभिनेता विक्की कौशल ने लगाई डुबकी

महाकुंभनगर (ईएमएस): बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल बृहस्पतिवार को प्रयागराज पहुंचे और उन्होंने कहा कि वह त्रिवेणी संगम में स्नान करने पर भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। विक्की कौशल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'छावा' के प्रचार में व्यस्त हैं। सिनेमाघरों में यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज होने जा रही है।

विक्की कौशल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं लंबे समय से इस अवसर का इंतजार कर रहा था कि महाकुंभ का हिस्सा बन सकूं। अब जब मैं यहां हूं, तो बहुत अच्छा और भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। विक्की अपनी फिल्म 'छावा' की सह-कलाकार रश्मिका मंदाना के साथ धार्मिक स्थलों की यात्रा कर रहे हैं। वे हाल ही में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर और एलोरा गुफाओं के पास स्थित घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग (१२वें ज्योतिर्लिंग) के दर्शन कर चुके हैं।

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं जबकि रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी महारानी यसुबाई के किरदार में नजर आएंगी। यह फिल्म लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

बिहार में तैयार हुआ नया अशोकधाम रेलवे स्टेशन

लखीसराय (ईएमएस): बिहार के लखीसराय का अशोकधाम रेलवे स्टेशन बनकर तैयार है। दानापुर के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी ने किऊल-मोकामा रेलखंड स्थित अशोकधाम रेलवे स्टेशन एवं किऊल-झाझा रेलखंड स्थित वंशीपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान डीआरएम चौधरी ने कहा कि अशोकधाम रेलवे स्टेशन पर जल्दी ही ट्रेनों का ठहराव शुरु होगा। इसके लिए संबंधित पदाधिकारियों को अशोकधाम रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जल्दी से विस्तार करने का निर्देश दिया। डीआरएम ने स्टेशन पर निर्माणाधीन प्लेटफार्म एवं फुट ओवर ब्रीज का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारी को अविलंब निर्माण कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने अशोकधाम स्टेशन पर टिकट काउंटर, यात्रियों के बैठने के लिए शेड, पेयजल, शौचालय आदि का निर्माण कराने का निर्देश दिया।

कराची के पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी पहुंचे कुंभ

प्रयागराज (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ मेला २०२५ में दुनियाभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसमें पाकिस्तान से आए कराची के पंचमुखी हनुमान मंदिर और श्मशान के मुख्य पुजारी रामनाथ मिश्रा भी शामिल हैं। वे पाकिस्तान से ४०० हिंदुओं और सिखों की अस्थियां हरिद्वारा में विसर्जित करने के लिए लाए हैं।

मिश्रा कराची में इकलौते मिश्रा परिवार से हैं। वे अपने परिवार के साथ महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-२४ में ठहरे हैं। उन्होंने अपने ९ साल के बेटे का उपनयन संस्कार स्वामी अधोक्षजानंद के शिविर में कराया। वह संगम का पवित्र जल दिल्ली ले जाने की योजना बना रहे हैं। २१ फरवरी को निगम बोध घाट पर अस्थियां रखे कलशों की पूजा की जाएगी। मिश्रा ने बताया कि अस्थियों पर संगम जल छिड़कने के बाद दिल्ली से हरिद्वार तक रथ यात्रा निकलेगी।

फिर २२ फरवरी को हरिद्वार के सती घाट पर १०० लीटर दूध की धारा में अस्थियों को विसर्जित किया जाएगा।

अपनी मां कमला देवी, पत्नी, बेटे देवेंद्रनाथ मिश्रा, दो बेटियों और एक भतीजे के साथ आए मिश्रा ने स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि कराची का पंचमुखी हनुमान मंदिर एक बार कब्ज़ा लिया गया था। काफी कोशिशों के बाद मंदिर को खाली करवाया गया। वहां के श्मशान घाट का भी जीर्णोद्धार किया गया है। अब वहां एक साथ १५ दाह संस्कार हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि श्मशान घाट पर अस्थियां रखने के लिए एक जगह बनी है। पिछले ९ सालों से कलश इकट्ठे किए जा रहे हैं। मिश्रा ने कहा, जब मेरा भारत का वीजा मिल गया तब मैंने सारी अस्थियां तर्पण करने के लिए इकट्ठा कर लीं। उनका परिवार १,५०० सालों से पंचमुखी हनुमान मंदिर की सेवा कर रहा है।

जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा

सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद जामताड़ा के द्वारा निर्मित मिहिजाम प्रदर्शनी भवन को भाड़ा पर दिया जायेगा।

आवेदन पत्र के साथ निम्न राशि का बैंक ड्राफ्ट / बैंकर्स चेक D.D.C cum C.E.O, Zila Parishad, Jamtara के पदनाम से जमा करना होगा जो जामताड़ा में भुगतेय हो एवं आवेदन के साथ शपथ पत्र देना होगा कि मुझे जिला परिषद का नियम एवं शर्त्त मान्य है। जमानत की राशि जब आप भवन छोड़ेगें उस समय वापस कर दी जाएगी जिस पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। भाड़ा प्रत्येक माह के 10 तारीख तक जमा करना होगा। 10 तारीख के बाद मिहिजाम प्रदर्शनी भवन का 20/– प्रतिदिन एवं माह पुरा होने पर 200/– प्रतिमाह जुर्माना लगेगा। निर्मित भवन से अधिक व्यक्ति/दुकानदार होने पर जो व्यक्ति/दुकानदार द्वारा न्यूनतम निर्धारित भाड़ा से अधिकतम भाड़ा देगा उसे ही भवन आवंटित की जायेगी जो व्यक्ति इसमें असफल रहेगें उन्हें बैंक ड्राफ्ट/ बैंकर्स चेक वापस कर दी जायेगी। सफल उम्मीदवार अगर एकरारनामा के पूर्व भवन छोड़ेंगें तो उसे जमानत की राशि से 20 प्रतिशत की कटौती कर राशि वापस की जायेगी। वर्तमान में खाली भवन का भाड़ा एवं जमानत की राशि निम्न होगा :–

क्र0सं0	स्थल/ प्रखण्ड	भाड़ा प्रति माह	जमानत की राशि
1	मिहिजाम प्रदर्शनी भवन	7920.00	50000.00

दिनांक 20.02.2025 से 28.02.2025 तक (कार्यालय अवधि में अवकाश छोड़कर) आवेदन शुल्क 100/– रूपये नगद जमा करने के उपरांत फार्म निर्गत किया जायेगा। दिनांक 01.03.2025 से 07.03.2025 तक (कार्यालय अवधि में अवकाश छोड़कर) बैंक ड्राफ्ट/ बैंकर्स चेक एवं शपथ पत्र के साथ आवेदन जमा लिया जायेगा। शर्त्तयुक्त आवेदन स्वीकार नहीं होगा। किसी भी समय इसे रद्द करने के लिए अधोहस्ताक्षरी सक्षम होगें।

ह0/–
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, जामताड़ा

PR 346424 (Rural Development)24-25*D

कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के कामकाज का होगा सोशल ऑडिट खराब प्रदर्शन होने पर हो सकते हैं मंत्रिमंडल से आउट

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के काम का आंतरिक मूल्यांकन किया जाएगा। पार्टी जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर तक उन मंत्रियों द्वारा संभाले गए विभागों से संबंधित योजनाओं की स्थिति का विश्लेषण करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर मंत्रियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा।

जिन मंत्रियों का काम संतोषजनक रहेगा, उन्हें सरकार में बनाए रखा जाएगा, जबकि जिनकी कार्यप्रणाली सही नहीं पाई जाएगी, उन्हें बदला जा सकता है। कांग्रेस नेतृत्व ने मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्हें कहा गया है कि वे अपने कार्यों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करें और जो विभाग उन्हें सौंपे गए हैं, उनमें बेहतर प्रदर्शन करें। मंत्रियों को हर महीने अपनी कार्यप्रगति की रिपोर्ट तैयार करनी होगी। उनके काम का मूल्यांकन छह महीने या एक साल के कार्यकाल के आधार पर किया जाएगा। इसके साथ ही पार्टी और मंत्रियों को यह भी समझाया गया है कि कांग्रेस सरकार में केवल पिछलग्गू के रूप में नहीं, बल्कि सक्रिय सहयोगी के तौर पर काम करे।

आलाकमान ने कहा है कि सरकार में जितनी बाकी घटक दलों की भागीदार में है उतनी ही भागीदारी कांग्रेस की भी है। सरकार ने चुनाव के पूर्व साझा घोषणा पत्र सात गांरटी जारी किया था। यह पूरे गठबंधन सरकार की गारंटी और निश्चय है। उसे एक-एक कर पूरा करें और इसमें अपनी ओर से सहयोग करें। कांग्रेस आलाकमान ने मंत्रियों के अलावा विधायकों को भी जिम्मेदारी दी है कि संगठन और कार्यकर्ताओं को सम्मान दें। उनके काम में मदद करें। कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से वे जीत कर आए हैं। सरकार की योजनाओं को विधायक-कार्यकर्ताओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचा सकेंगे।

झारखंड के विधानसभा चुनाव में जेएमएम और कांग्रेस गठबंधन का प्रदर्शन बहुत बेहतरीन रहा। वैसे, कांग्रेस की स्थिति झारखंड में तो बढ़िया है, लेकिन देशभर में पार्टी अपनी पकड़ खोती जा रही है। इसका सटीक और हालिया उदाहरण दिल्ली का विधानसभा चुनाव है, वही दिल्ली जहां पर कांग्रेस ने १५ सालों तक एकछत्र राज किया, लेकिन आज स्थिति ये है कि पार्टी का जनाधार ज़ीरो है, लिहाज़ा चुनाव में भी वह दोबारा से ज़ीरो पर आउट हो गयी। इसलिये कांग्रेस ने फैसला किया है कि जिन राज्यों में उसका जनाधार स्ट्रांग है, कम से कम वहां अपनी पकड़ और मजबूत बनानी है। इसी कड़ी में अब कांग्रेस अपने विधायक मंत्रियों के ज़रिये अब खुद की लोकतांत्रिक छवि को और बेहतर प्रदर्शित करने की दिशा में अग्रसर है।

कांग्रेस इस कार्यकाल में फ्रंटफुट पर रहना चाहती है, जेएमएम के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहती है, लेकिन इस रास्ते में कांग्रेस के ही कुछ नेता मंत्री अड़चन बन रहे हैं, जिसको अब पार्टी कतई स्वीकार करने के मूड में नहीं है। अब आने वाले समय में वैसे मंत्रियों के खिलाफ भी पार्टी कार्रवाई कर सकती है, जिसकी पूरी संभावना है।

मंत्रियों के अलावा, विधायकों के काम काज का भी आकलन किया जायेगा, उनकी भी रिपोर्ट कार्ड तलब की जायेगी, जिसके आधार पर उनका नाम मंत्री पद के लिये आगे होता चला जायेगा। लिहाज़ा विधायकों को भी संगठन और कार्यकर्ताओं के साथ सामंजस्य बैठाकर और सम्मान के साथ पेश आने को कहा गया है।

अभ्यर्थियों ने किया जेपीएससी का पिंडदान, कहा- नहीं मिला जल्द अध्यक्ष तो विरोध तेज करेंगे

रांची (एजेंसी): झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर छात्रों का आंदोलन तेज हो गया है। गुस्से में छात्र नक्सली बनने की बात कर रहे हैं। जेपीएससी गेट पर छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला के नेतृत्व में छात्रों ने पिंडदान और ब्रम्हभोज कर अपना विरोध दर्ज किया और राज्य सरकार से जल्द ही व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

जेपीएससी वह पहली संस्था है, जहां अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के छह महीने बाद भी अब तक न तो नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और न ही कोई कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आयोग में २२ अगस्त २०२४ से अध्यक्ष का पद खाली पड़ा हुआ है। तत्कालीन अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा सहित आधा दर्जन से अधिक परीक्षाएं लटकी हुई हैं।

इन लटकी परीक्षाओं में सबसे ज्यादा परेशानी ११वीं से १३वीं सिविल सेवा के मुख्य परीक्षा में शामिल छात्रों को हो रही है। छात्रों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण उनकी तैयारी और भविष्य दांव पर लग गया है।

छात्रों ने सरकार से मांग की है कि जेपीएससी में जल्द से जल्द अध्यक्ष की नियुक्ति की जाए ताकि परीक्षा प्रक्रिया में कोई और विलंब न हो और छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो सके।

पेंशनधारियों के लिए खुशखबरी एक ही साथ मिलेगा 3 माह का पेंशन

रांची (एजेंसी): झारखंड के ११,८०,१९१ पेंशनधारियों को चार माह बाद इस माह तीन महीने की पेंशन एक साथ मिलनी है। इन पेंशनधारियों को सितंबर तक की पेंशन मिल चुकी थी, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित पेंशन योजनाओं के तहत पेंशन वितरण में देरी हुई थी। कारण यह था कि केंद्र सरकार की ओर से पेंशन के लिए निर्धारित राशि नहीं मिली थी, लेकिन अब केंद्र सरकार ने अपने हिस्से की राशि उपलब्ध करवा दी है, जिससे पेंशन वितरण संभव हो सका।

राज्य में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन योजनाओं के तहत प्रति माह १००० रुपये दिए जाते हैं। इसमें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित राशि के अलावा शेष राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। पेंशन राशि की निकासी के लिए केंद्र और राज्य दोनों की राशि एक साथ निकाली जाती है।

समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पेंशनधारियों को अक्तूबर, नवंबर और दिसंबर की पेंशन एक साथ दी जाएगी। इसके लिए विभाग जल्द ही दिशा-निर्देश जारी करेगा। हालांकि, जून तक ही राज्य को केंद्र सरकार से पेंशन राशि प्राप्त हुई थी और वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के नौ महीने बीतने को हैं, ऐसे में छह महीने की राशि राज्य को नहीं मिल पाई थी।

झारखंड राज्य में पेंशन योजनाओं के तहत ९,०२,९९८ वृद्ध, २,५१,७८० विधवा और २५,४१३ दिव्यांग लाभुक पेंशन प्राप्त करते हैं। इनमें से ६० वर्ष से अधिक उम्र के बीपीएल वृद्धों को प्रतिमाह १००० रुपये, ८० वर्ष से अधिक आयु के वृद्धों को १५०० रुपये (केंद्र और राज्य मिलाकर) मिलते हैं। विधवा महिलाओं और दिव्यांगों को भी १००० रुपये प्रतिमाह मिलते हैं।

पलामू जिले में पेंशन पानेवाले सबसे अधिक ८८,५७७ लाभुक हैं, जिसमें ७६,१०८ वृद्धा पेंशन प्राप्त करते है। इसके अलावा रांची, गढ़वा, धनबाद, गोड्डा, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, हजारीबाग और दुमका जिलों में भी बड़ी संख्या में पेंशनधारी हैं, जिन्हें अब जल्द ही उनकी लंबित पेंशन राशि प्राप्त होगी।

जेपीएससी परीक्षा को लेकर बाबूलाल का सरकार पर निशाना, कहा- युवाओं के भविष्य पर सिस्टम मौन

रांची (एजेंसी): बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी परीक्षा को लेकर राज्य सरकार पर सलाव उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा, 'पिछले ६ महीनों से बिना अध्यक्ष के जेपीएससी पंगु बन चुका है। लाखों मेधावी छात्र, जिन्होंने अपना सबकुछ दांव पर लगाकर परीक्षा दी, आज उनके भविष्य पर ग्रहण लग गया है। न कोई परिणाम, न अगली प्रक्रिया, बस असमंजस, इंतजार और अनिश्चितता! राज्य सरकार की बेरुखी ने लाखों युवाओं की मेहनत पर पानी फेर दिया है। युवाओं के भविष्य की बारी आई, तो पूरा सिस्टम मौन है।' उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए यथाशीघ्र जेपीएससी अध्यक्ष पद की नियुक्ति कर युवाओं की समस्या का निदान करें।

राज्यपाल ने रांची एयरपोर्ट पर कैप्टन करमजीत को दी श्रद्धांजलि, आज पैतृक गांव में अंतिम संस्कार

रांची (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए झारखंड के वीर सपूत कैप्टन करमजीत सिंह का उनका पार्थिव शरीर बुधवार शाम विशेष विमान से रांची लाया गया। रांची एयरपोर्ट पर राज्यपाल संतोष गंगवार, मंत्री राधा कृष्ण किशोर और सेना के अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

हजारीबाग में होगा अंतिम संस्कार

श्रद्धांजलि देने के बाद शहीद कैप्टन करमजीत के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव हजारीबाग भेज दिया गया। वहीं, पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बता दें कि कैप्टन करमजीत जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में ड्यूटी पर थे, जहां मंगलवार को आईईडी धमाके में बुरी तरह घायल हो गए। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी शादी ५ अप्रैल को तय थी, लेकिन इससे पहले ही वह वीरगति को प्राप्त हो गए।

जानकारी हो कि शहीद कैप्टन करमजीत का परिवार हजारीबाग में रहता है। उनके पिता राजेंद्र सिंह वहां टेंट हाउस का व्यवसाय करते हैं। बेटे की शहादत की खबर से परिवार गहरे सदमे में है।

पृष्ठ एक का शेषांश

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन---

कांग्रेस सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद पीएम मोदी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि हिंसा और जान-माल के नुकसान के बावजूद पीएम मोदी ने बीरेन सिंह को पद पर बनाए रखा। राहुल गांधी ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा कि अब जरूरी है कि मणिपुर में शांति बहाल की जाए और लोगों के घावों को भरा जाए। उन्होंने मांग की कि पीएम मोदी को तुरंत मणिपुर जाना चाहिए, वहां के लोगों की बात सुननी चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे हालात सामान्य करने के लिए क्या योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद अब राज्य की बागडोर केंद्र सरकार के हाथ में होगी। मणिपुर में हालात सामान्य करने के लिए केंद्र सरकार क्या कदम उठाती है, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। कूकी और मैतेई समुदायों के बीच तनाव को दूर करने के लिए क्या कोई नई सुलह प्रक्रिया शुरू होगी? यह देखना अहम होगा।

बजट सत्र को लेकर---

की बैठकें की जा चुकी हैं। इसके लिए विशेषज्ञ समेत आमलोगों के सुझाव भी लिए गए थे। बजट राज्य के चौतरफा विकास को केंद्रित कर बनाया जा रहा है। इसमे सभी वर्गों का ख्याल रखा जाएगा। आगामी बजट सत्र झारखंड की समृद्धि और विकास की नई दिशाएं तय करेगा।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर---

कुलकर्णी ने रिपोर्ट को राज्यसभा में पेश किया।

दिल्ली को मिनी इंडिया के---

पार्टी नेताओं ने करनैल सिंह और राज कुमार भाटिया जैसे कुछ नवनिर्वाचित विधायकों को भी शीर्ष पद का संभावित दावेदार बताया है।यह प्रस्ताव राष्ट्रीय नेतृत्व के विचाराधीन है, जो इस पर अंतिम फैसला लेगा, साथ ही मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के नामों को भी अंतिम रूप देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीकेंड पर विदेश यात्रा से स्वदेश लौटने के बाद भाजपा के सरकार गठन की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। पार्टी नेताओं ने बताया कि सदन के नेता का चुनाव करने के लिए भाजपा विधायक दल की बैठक रविवार को होने की संभावना है, जो दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री होगा।

पाकिस्तानी सेना ने की---

अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना का एक जूनियर कमीशंड अधिकारी बुधवार शाम उस समय मामूली रूप से घायल हो गया, जब उसने गलती से एक बारूदी सुरंग पर पैर रख दिया। उन्होंने बताया कि मेंढर निवासी जेसीओ आतंकवादियों की घुसपैठ रोकने के लिए नियंत्रण रेखा पर कड़ी निगरानी रखने वाले गश्ती दल का हिस्सा थे। घायल अधिकारी को सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले सप्ताह सीमा पार से शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में वृद्धि के बाद नियंत्रण रेखा पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

सुनीता विलियम्स लौटेंगी---

हो सकती है।

संतुलन और कोऑर्डिनेशन में दिक्कत- कान और मस्तिष्क में वेस्टिबुलर सिस्टम होता है, जो शरीर को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है। माइक्रोग्रैविटी के कारण यह सिस्टम प्रभावित होता है, जिससे सीधे खड़े रहने, चलने और शरीर के विभिन्न अंगों के बीच तालमेल बैठाने में दिक्कत हो सकती है।

आंखों पर प्रभाव- स्पेस में शरीर के तरल पदार्थ सिर की ओर बढ़ जाते हैं, जिससे आंखों की नसों पर दबाव पड़ता है। इसे स्पेसफ्लाइट एसोसिएटेड न्यूरो-ओकुलर सिंड्रोम कहा जाता है। इससे दृष्टि कमजोर हो सकती है, और हो सकता है कि उन्हें चश्मा लगाने की जरूरत पड़े।

माइक्रोग्रैविटी की आदत- अंतरिक्ष में हर चीज हवा में तैरती रहती है, इसलिए एस्ट्रोनॉट्स को कोई भी चीज छोड़ने पर गिरने की चिंता नहीं होती। धरती पर लौटने के बाद भी उनका मस्तिष्क उसी तरीके से काम करता है, जिससे वे अनजाने में चीजों को हवा में छोड़ सकते हैं, यह भूलकर कि वे गिर जाएंगी।

इम्यून सिस्टम और रेडिएशन का असर- अंतरिक्ष में हाई-लेवल रेडिएशन के संपर्क में रहने से इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। इससे संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक स्पेस में रहने से डीएनए में बदलाव, हृदय संबंधी समस्याएं और मानसिक तनाव भी हो सकता है।

अंतरिक्ष एनीमिया- अंतरिक्ष में शरीर रेड ब्लड सेल्स तेजी से नष्ट करता है। सामान्य परिस्थितियों में हमारा शरीर हर सेकंड २० लाख रेड ब्लड सेल्स बनाता और नष्ट करता है। लेकिन अंतरिक्ष में यह दर ३० लाख प्रति सेकंड हो जाती है, यानी ५४फीसदी ज्यादा। इससे कमजोरी, थकान और सुस्ती जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

धरती पर लौटने के बाद एस्ट्रोनॉट्स को पूरी तरह सामान्य होने में ४५ दिन से लेकर १ साल तक का समय लग सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनका शरीर अंतरिक्ष में रहने के दौरान कितनी ज्यादा प्रभावित हुआ है। सुनीता विलियम्स की सेहत को लेकर डॉक्टर्स सतर्क हैं और उनके लिए एक विशेष रिकवरी प्लान तैयार किया गया है। आने वाले महीनों में मेडिकल सुपरविजन और फिजिकल थेरेपी के जरिए उन्हें सामान्य स्थिति में लाने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के काफिले की गाड़िया आपस में टकराई, बीडीओ समेत 5 लोग घायल

रांची (एजेंसी): कृषि, सहकारिता और पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के काफिले की गाड़ियां गुरूवार को हादसे की शिकार हो गई। गुमला के बसिया प्रखंड में मंत्री के काफिले में शामिल तीन गाड़ियां आपस में टकरा गई। इस हादसे में बीडीओ समेत पांच लोग घायल हो गए। गुरूवार को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की अपने कारकेड के साथ गुमला के जोलो गांव की ओर जा रही थी। तभी तुकई गांव के समीप एक स्कूल के पास आगे चल रही कार ने अचानक से ब्रेक लगा दिया। मंत्री के कारकेड में शामिल बीडीओ की गाड़ी ने इस दौरान कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की दोनों ही गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में गुमला के बसिया प्रखंड के बीडीओ सुप्रिया भगत, उनके वाहन चालक जगपाल कुमार, जेएसएलपीएस के बनमाली साहू, रामजड़ी निवासी जितेंद्र कुमार भगत और ज्योति लकड़ा घायल हो गए हैं।

देवघर में शिक्षक की बम मारकर हत्या, स्कूल से लौट रहे थे घर

देवघर (एजेंसी): देवघर जिले के मधुपुर में एक शिक्षक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। महुआडाबर मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय दास की बम से हत्या कर दी गई है। घटना मधुपुर थाना क्षेत्र के पिपरासोल गांव के दुबे मंडा के पास हुई। बताया जा रहा है कि संजय दास स्कूल में हाजिरी लगाने के बाद स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे।

इसी दौरान अपराधियों ने उन पर बम से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी पूर्व में जिला परिषद की सदस्य रह चुकी हैं। घटना की सूचना मिलते ही मधुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

घर में लगी आग, चपेट में आने से दंपत्ती की हुई मौत

रांची (एजेंसी): रांची के सोनाहातु थाना क्षेत्र अंतर्गत डिबाडीह गोंड़ेया टांड़ गांव के रंजीत साहु के घर में देर रात आग लग गयी। घर में रखे डीजल और गैस टंकी के फटने से आग इतना बिकराल रूप ले लिया कि देखते ही देखते पुरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि आग लगने के बावजुद रंजीत साहु और उसकी पत्नी अपने संपत्ती को बचाने की जद्दोजहद करने लगे इसी दौरान दोनों चपेट में आ गये और दोनों की मौत हो गयी। घर में उनके २ बच्चे भी थे जो छत से कुद कर अपनी जान बचाकर भागन में सफल हुये। घटना की सुचना पर दमकल की गाड़ी पहुंची तब तक आग अपना तांडव मचा चुका था। किसी तरह आग पर काबु पाया गया। मौके पर सोनाहातु पुलिस पहुंची और दोनों के शव को काफी मशक्कत के बाद निकाल कर थाना ले गयी है। पोस्टमार्टम में भेजने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल पुलिस आगलगी की घटना की जांच पड़ताल में जुटी। लोगों में चर्चा है कि सिल्ली टाटा मुख्य मार्ग में होने के कारण इस जगह पर डीजल कटींग कर अवैध काम किया जाता था।

एकलव्य प्रशिक्षण और शिक्षा प्रोत्साहन योजना पर लटका ताला, भाजपा ने हेमंत सरकार से मांगा जवाब

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान झारखंड के उच्च शिक्षा से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया। उन्होंने अक्टूबर २०२३ में झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी २ अहम टेंडरों एकलव्य प्रशिक्षण योजना और मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना की स्थिति पर सवाल खड़े किए।

अजय साह ने बताया कि हेमंत सरकार ने वर्ष २०२३ में इन दोनों योजनाओं की घोषणा की थी, जिनका उद्देश्य झारखंड के ३५,००० छात्रों को लाभ पहुंचाना था। इन योजनाओं के तहत छात्रों के लिए यूपीएससी, जेपीएससी, बैंक पीओ, मेडिकल, इंजीनियरिंग, एसएससी, होटल मैनेजमेंट, मास कम्युनिकेशन, रेलवे बोर्ड, आदि जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की गई थी।

इसके अलावा, छात्रों को हर महीने २५०० रुपए की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान भी था।

अजय साह ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दोनों योजनाओं के लिए लगभग ३५० करोड़ का बजट डेढ़ साल पहले ही स्वीकृत किया गया था। लेकिन, हैरानी की बात है कि आज तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि बिना किसी स्पष्ट कारण के इतनी महत्वपूर्ण योजना को रोककर झारखंड के हजारों छात्रों के भविष्य को अंधकार में क्यों धकेला गया?

अजय साह ने आशंका जताते हुए पूछा कि यदि इन योजनाओं के लिए बजट स्वीकृत हो चुका था, तो क्या छात्रों के लिए निर्धारित फंड किसी अन्य योजना में डायवर्ट कर दिया गया? उन्होंने सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि क्या ये योजनाएँ पूरी तरह बंद कर दी गई हैं या आगामी बजट में इन्हें पुनः शुरू किया जाएगा?

अजय साह ने कहा कि आमतौर पर छात्र हर वर्ष अप्रैल में नए सत्र के साथ कोचिंग शुरू करते हैं। यदि सरकार ने मार्च तक इन योजनाओं को लागू नहीं किया, तो फिर ये योजनाएँ केवल कागज़ों तक ही सीमित रह जाएंगी और धरातल पर कभी उतर नहीं पाएंगी। इससे हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित होगा।

यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो छात्रों का शैक्षिक भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

उन्होंने सरकार से अपील की कि शिक्षा से जुड़ी योजनाओं को राजनीतिक खींचतान से दूर रखते हुए तुरंत लागू किया जाए। प्रेसवार्ता में मीडिया सह प्रभारी अशोक बड़ाईक की मौजूदगी रही।

ये गिफ्ट करें इस वैलंटाइंस डे पर दिन बनेगा स्पेशल

इस वैलंटाइंस डे पर अगर आप यह सोचकर कन्फ्यूज हैं कि अपने वैलंटाइन को क्या गिफ्ट देंगे तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आपके साथ कुछ वैलंटाइंस गिफ्ट आइडिया शेयर कर रहे हैं। उम्मीद है कि इन्हें पाकर आपका वह स्पेशल फ्रेंड खुद को और भी स्पेशल समझने लगेगा।

गर्लफ्रेंड के लिए यह खरीदें

स्टाइलिश पर्स और बैग - लड़कियों के पास चाहें कितने ही हैंडबैग या पर्स क्यों न हों लेकिन उसके बाद भी उन्हें एक अदद पर्स की कमी हमेशा खलती रहती है। इसलिए इस वैलंटाइंस डे पर उनके लिए एक खूबसूरत, कलरफुल और फैशनेबल पर्स सरप्राइज गिफ्ट कीजिए। यकीन कीजिए आपका दिन बन जाएगा।

नई ड्रेस - आजकल हर शहर में डिजाइन कपड़े मिलने लगे हैं। आप भी चाहें तो उनके लिए टी-शर्ट, कुर्ती, सूट, जींस कुछ भी खरीद कर गिफ्ट कर सकते हैं। इस गिफ्ट से उनका मूड खिल जाएगा।

जूलरी - इसमें कोई शक नही है कि लड़कियों को गिफ्ट के तौर पर जूलरी कभी भी किसी भी समय पर दी जाए, उन्हें हमेशा भाती है। हम वैलंटाइंस डे पर आपको कोई भारी-भरकम हार खरीदने को नहीं कह रहे एक नाजुक सी, प्यारी सी चेन या खूबसूरत सी अंगूठी भी काफी है।

स्किनकेयर प्रॉडक्ट - अगर आपको उनकी नरम, मुलायम त्वचा बहुत भाती है और आप चाहते हैं कि वह ऐसी ही बनी रहे तो इस वैलंटाइंस डे पर उन्हें कोई अच्छा सा स्किनकेयर प्रॉडक्ट गिफ्ट कर सकते हैं। बहुत आसानी से आपको सही कीमत में ऐसी चीजें मिल जाएंगी। पर सावधानी यह बरतनी है कि ये प्रॉडक्ट किसी अच्छी कंपनी के हों वरना नुकसान कर सकते है।

बॉयफ्रेंड को यह सब भाएगा

वॉच - लड़कों को घड़ियां काफी पसंद होती हैं। आप इस वैलंटाइंस डे पर उनके लिए अच्छी सी घड़ी खरीदकर गिफ्ट कर सकती हैं।

टाई - उनके फेवरिट सूट या शर्ट से मैच करती हुई टाई गिफ्ट कीजिए उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

चश्मा - लड़के अपने ऊपर बहुत खर्चा नहीं करते। इस वैलंटाइंस डे पर मौका है उनके लिए वही ब्रैंडेड चश्मा खरीद दीजिए जिसे देखकर अकसर वह आहें भरते रहते हैं।

Valentine's Day 2025

प्यार किया नहीं जाता हो जाता है

पश्चिमी देशों का पर्व वेलेंडाइन डे जो 14 फरवरी को आता है और इसी के आसपास ही वसंत पंचमी का त्योहार भी आता है। भारत में वसंत पंचमी को प्रेम दिवस भी माना जाता है। भारत में पहले प्यार आलमआरा, संगम, हीर रांझा, सोहनी महिवाल, सिरी फरहाद हुआ करता था और अब तो नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम या ओटीटी हो गया है। एक जमाना था जब प्यार होना बहुत मुश्किल होता था। टेलीफोन की सुविधा हर किसी के पास नहीं थी। पिछले साल भाई की शादी में देखा था उसे अब इस बार दादाजी के नुक्ते में दिखाई दी, सोचा इस बार तो पत्र थमा ही दूंगा। परंतु ऐसा कम ही हो पाता था। कम से कम 2 साल में इजहार हो पाता था। कई बार एक साल बाद पता चलता था कि उसकी शादी कहीं और हो गई। हालांकि उस दौर में प्यार सचमुच ही प्यार होता था।

अब तो वाट्सएप और फेसबुक का दौर है। पहले ऐसा था कि एक पत्र या प्रेम संदेश को पहुंचाने में बहुत पापड़ बेलना पड़ते थे। कम से कम दो माह लग जाते थे। लेकिन जब से एसएमएस का दौर प्रारंभ हुआ तो प्यार ने थोड़ी स्पीड पकड़ी। फिर उसी के साथ याहू जैसी कंपनियों ने फ्री-चेट सुविधा प्रारंभ की तो और स्पीड बढ़ गई। अब तो वॉट्सऐप और फेसबुक ने तो सबकुछ बदल कर रख दिया। अब तो लिखते लिखते किसी से कब लव हो जाए और कब ब्रेकअप हो जाए कोई भरोसा नहीं क्योंकि स्पीड हाईटेक है। टेक्नॉलाजी ने लड़के और लड़कियों को तुरंत मिलाने में अहम भूमिका निभाई है लेकिन इससे अब भावनाएं पीछे छुटती गई है। परिवार से जुड़ाव पीछे छुट गया है। लोग अब तो ऑनलाइन मंगनी, शादी और तलाक भी करने लगे हैं। आप सोचिए कि जमाना कहां जा रहा है। पहले कहते थे कि चट मंगनी और पट ब्याव। पर, अब कहते हैं- चट ब्याव और पट तलाक और झट पुनः ब्याव। आप सोचिए शादी से बड़ा आयोजन तो प्री-वेडिंग हो चला है अब तो लोग तलाक की भी पार्टी देने लगे हैं। ज्यादातर प्रेमियों का प्यार शादी के बाद रफूचक्कर हो जाता है- यदि ऐसा था तो यह समझे की वह प्यार नहीं बुखार था। जिस तरह नए गाने आते हैं कुछ समय तक उनका खुमार छाया रहता है फिर दूसरे नए गाने आ जाते हैं तो पुराने का खुमार उतर जाता है।

यह कौन जान पाया कि प्यार किसे कहते हैं जिसने किया वह जान पाया? यह भी कौन तय करेगा कि प्यार जिसने किया वही अच्छे से व्यक्त कर पाएगा कि प्यार क्या होता है? हो सकता है कि उसने प्यार नहीं किया हो। जिस भी लड़की या लड़के से उसके संबंध हैं उसके प्रति उसके मन में प्यार हो यह जरूरी नहीं। तब कैसे जाने कि प्यार किसे कहते हैं? फ्रेग मार्क ने कही कहा था कि ''सच्चा प्रेम भूत की तरह है, चर्चा उसकी सब करते हैं, देखा किसी ने नहीं।'' हां, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि प्यार किया नहीं जाता हो जाता है।

गुलाब देकर ही क्यों होती है वैलेंटाइन वीक की शुरुआत

फरवरी महीने में आने वाले वैलेंटाइन वीक की शुरुआत हो चुकी है। यह वीक कपल्स के लिए बेहद ही खास होता है। कई कपल्स अपने गिल की फीलिंग्स को बयां करने के लिए खास मौके का इंतजार करते हैं। इस महीने आशिकों को कई इम्तिहान से होकर गुजरना पड़ता है। जिसका पहला पेपर रोज डे और आखिरी पेपर वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी होता है। इम्तिहान के पहले दिन कपल अपने पार्टनर को गुलाब का फूल देकर अपने प्यार का इजहार करते हैं। गुलाब खुद में प्यार को दर्शाता है इसे देने के बाद कुछ और कहने की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन क्या आपने सोचा कि आखिर गुलाब देकर ही क्यों वैलेंटाइन वीक की शुरुआत होती है। इस फूल की जगह कोई और फूल क्यों नहीं।

गुलाब का दिन क्यों हुआ शुरू

रेड रोज प्यार और सम्मान का प्रतीक होता है और लाल रंग गहरे प्यार को दर्शाता है। कपल्स जब अपने प्यार का इजहार करते हैं तो वह लाल रंग का गुलाब जरूर खरीदते हैं। आपको बता दें कि गुलाब का खास संबंध मुगल काल से है। ऐसा कहा जाता है कि मुगल बेगम नूरजहां को लाल रंग के गुलाब से बेहद ही पसंद थे। नूरजहां को खुश करने के लिए मुगल शासक जहांगीर रोज उन्हें 1 ताजा गुलाब भेंट स्वरूप भेजा करते थे। इसके अलावा महारानी विक्टोरिया ने अपने पति प्रिंस अल्बर्ट से प्यार का इजहार करते वक्त गुलाब का गुलदस्ता उपहार स्वरूप भेंट किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार महारानी विक्टोरिया के समय से ही रोज डे सेलिब्रेट किया जा रहा है।

आखिर लाल गुलाब ही क्यों

फूलों में लाल गुलाब को बेहद ही सुंदर माना जाता है। गुलाब को उपहार के रूप में इसलिए दिया जाता है क्योंकि इसकी महक ना सिर्फ लोगों को आकर्षित करती है बल्कि रिश्तों में भी महक बनी रहती है। ऐसे में प्यार के वीक को स्पेशल और खास बनाने के लिए इस वीक की शुरुआत गुलाब से की जाती है। ऐसे में आप अपने लव पार्टनर को स्पेशल फील कराने के लिए गुलाब का फूल दे सकती हैं।

वैलेंटाइन डे पर रेड नहीं बल्कि इन कलर आउटफिट्स को करें वियर

वैलेंटाइन डे हर किसी के लिए खास होता है। इस दिन कपल बाहर जाने का प्लान बनाते हैं, जिसके लिए वो कॉन्ट्रास्ट या फिर मैचिंग आउटफिट को वियर करते हैं, ताकि उसे दिन वो अलग और स्पेशल लगे। लेकिन इस बार आप रेड कलर नहीं बल्कि आर्टिकल में बताए गए इन ट्रेंडी कलर को वियर करें। वैलेंटाइन डे के लिए ये भी काफी अच्छे लगते हैं और सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव लगते हैं।

पर्पल कलर आउटफिट्स

इस वैलेंटाइन डे पर आप पर्पल कलर के आउटफिट्स को वियर कर सकती हैं। ये कलर भी काफी अच्छा लगता है। इसमें आपको काफी अच्छे-अच्छे डिजाइन मिल जाएंगे। आप इस कलर में कट ऑफ ड्रेस को वियर कर सकती हैं। आजकल कट ऑफ ड्रेस काफी ट्रेंड में भी है। ये आपको सीक्वेंस वर्क, मिरर वर्क यहां तक की प्लेन कपड़े में भी मिल जाएगी। जिसे स्टाइल करके आप लुक को परफेक्ट बना सकती हैं। मार्केट से आप इसके अलावा लॉन्ग गाउन, क्रॉप टॉप जींस और टॉप और स्कर्ट को भी वियर कर सकती हैं।

डार्क ब्लू कलर करें वियर

आप इस वैलेंटाइन पार्टी या फिर डेट के लिए डार्क ब्लू कलर ड्रेस को वियर कर सकती हैं। यह कलर काफी अट्रैक्टिव (शरारा सूट डिजाइन) लगता है साथ ही वियर करने के बाद आपको खूबसूरत और लंबा दिखाता है। इस कलर को अगर आप नाइट पार्टी में वियर करेंगी तो और भी ज्यादा सुंदर लगेंगी। इसमें आप साटन ड्रेस को खरीद सकती हैं, वरना आप चाहे तो वेलवेट कपड़े से तैयार की गई ड्रेस को भी वियर कर सकती हैं।

ब्लैक कलर ड्रेस

हर किसी का फेवरेट कलर होता है ब्लैक कलर इस वैलेंटाइन डे पर आप इस कलर को भी वियर कर सकती हैं। ये स्टाइलिश (डेनिम आउटफिट्स) के साथ-साथ काफी अट्रैक्टिव कलर होता है। इसलिए आप इसे भी अपने पार्टनर के साथ डेट पर जाने के लिए वियर कर सकती हैं। इसमें आपको ब्लैक ड्रेस, टॉप, गाउन, स्लिट कट ड्रेस भी वियर कर सकती हैं।

इन कलर को भी करें वियर

इन कलर के अलावा आप चाहे तो ग्रीन, येलो, पिंक और वाइन कलर को वियर कर सकती हैं। इस कलर की ड्रेस भी काफी अच्छी लगती हैं। इन्हें वियर करके आप भी काफी सुंदर लगेंगी, साथ ही आपका डे भी काफी अच्छा जाएगी। इसलिए आपको भी रेड कलर के अलावा इन कलर को वियर करें।

वैलेंटाइन डे इस बार कुछ हटके

वैलेंटाइन डे हर कपल के लिए बेहद खास होता है। वीक के पहले दिन यानि रोज डे से कपल्स अपनी सेलिब्रेशन शुरू कर देते है। हर कोई अपने पार्टनर को गुलाब या अलग तरह के फूल देकर उन्हें विश करते है। वैसे तो आप हर बार पार्टनर को फूल देकर उन्हें विश करते होगें लेकिन क्यों न आप इस बार कुछ हटके करें। आज हम आपको अपने रोज डे को स्पैशल बनाने के लिए कुछ हटके और अलग आइडियाज देंगे। आज हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताने जा रहे है, जिनकी मदद से आप रोज डे को स्पैशल डे बना सकते है।

फूलों का महत्व

हर फूल का अपना ही अलग महत्तव होता है। लाल गुलाब प्यार, जुनून और सुंदरता का प्रतीक है। वहीं पीला दोस्ती, ऑरेंज गुलाब अपनी इच्छा जाहिर करने, पिंक रोज सराहना के लिए, और नारंगी गुलाब मन के मोह और उत्साह को दर्शाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी गलती की माफी मांगना चाहते है तो आप सफेद गुलाब दे सकते है। आप इसे अपने दोस्त के साथ भी सेलिब्रेट कर सकते है।

सरप्राइज बुके मैसेज

आप अपने पार्टनर के लिए इसे स्पैशल बनाना चाहते है तो उन्हें लाल गुलाबों के बुके साथ एक प्यारा सा मैसेज लिख कर भेंजे। मैसेज को आप एक खूबसूरत कोटेशन कार्ड पर लिख दें। आप चाहें तो बुके को स्पैशल बनाने के लिए हर कलर का गुलाब लगवा सकते है।

फोटो से बनाए बुके को स्पैशल

अगर आप पार्टनर के लिए बुके को और भी स्पैशल बनाना चाहती है तो आप बुके में अपनी प्यारी यादों की फोटो लगवाएं। फूलों के साथ आप अपनी यादों को और भी खासबना सकते है।

पार्टनर की पसंद

आप अपने पार्टनर की पसंद जान कर आप उसे बुके साथ दें। पार्टनर की पसंद की चीड को रोज डे पर देकर आप उन्हें खुश कर सकते हैं।

डिनर प्लान

रोज डे पर आप पार्टनर के साथ उनकी पसंद की जगह पर डिनर प्लान बनाएं। आपके साथ इस तरह तरह रोज डे सेलिब्रेशन को वो कभी नहीं भूलेंगे।

ऑनलाइन रोज

अगर आप अपने पार्टनर से दूर है तो आप उन्हें ऑनलाइन फूल भेज सकते है। इसके साथ ही आप पार्टनर के लिए एक प्यारा-सा तोफहा भेजे इससे पार्टनर को आपसे दूर होने का अहसास नहीं होगा।

रोमांटिक म्यूजिक

आप चाहें तो बुके को रोमांटिक म्यूजिक के साथ भी स्पैशल बना सकते है। आप पार्टनर के पसंद के गाने के साथ भी उन्हें रोज डे विश कर सकते है।

इस तरह के टेडी बियर लड़कियों को आते हैं पसंद, आप भी करें गिफ्ट

लड़कियों को सॉफ्ट टॉय बहुत पसंद होते हैं। इसलिए आप अपनी पार्टनर को एक प्यारा सा टेडी बियर देकर खुश कर सकते हैं। लेकिन मार्केट में तरह-तरह के टेडी बियर मिलते हैं, ऐसे में कौन सा टेडी बियर उनकी पार्टनर को पसंद आएगा, इसे समझना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। अगर आपके मन में भी ये सवाल घूम रहा है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टेडी बियर के बारे में बताएंगे, जिसे देखने के बाद गारंटी है कि आपकी गर्लफ्रेंड खुश हो जाएगी।

लंबे पैरो वाले टेडी बियर

अगर आपका बजट अच्छा है, तो आप इस तरह के टेडी बियर अपने पार्टनर को गिफ्ट कर सकते हैं। इस तरह के टेडी बियर हर लड़की को पसंद आते हैं। यह दिखने में बेहद प्यारे होते हैं और इसे घर में बेड या टेबल पर सजाया भी जा सकता है। लेकिन ये टेडी बियर थोड़े महंगे आते हैं। इसका प्राइस 500 रुपये से शुरू होता है। अगर आप किसी मॉल से टेडी बियर खरीदेंगे तो आपको यह और ज्यादा महंगा पड़ सकता है। इसलिए आप इसे लोकल मार्केट से ही खरीदें।

एनिमल टेडी बियर

इस तरह के टेडी बियर भी लड़कियों को बहुत पसंद आते हैं। आजकल मार्केट में आपको कई तरह के एनिमल वाले टेडी बियर मिल जाएंगे। जैसे कि हाथी, घोड़ा, जेब्रा, जिराफ, कछुआ, कुत्ता और बिल्ली। अगर आपकी पार्टनर एनीमल लवर है, तो आप इस तरह के टेडी बियर उन्हें गिफ्ट कर सकते हैं।

फर वाले टेडी बियर

मार्केट में आपको फर वाले भी टेडी बियर मिल जाएंगे। इस तरह के टेडी बियर भी लड़कियों को बेहद पसंद आते हैं। लेकिन यह जल्दी खराब हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि समय के साथ इसका फर खराब होने लगता है, इसलिए आप इसे ज्यादा दिनों तक नया नहीं रख सकते। यह कुछ समय बाद ही पुराने नजर आने लगते हैं।

छोटे और प्यारे टेडी बियर का बॉक्स

अगर आपका बजट कम है, तो आप छोटा सा प्यारा टेडी बियर भी गिफ्ट कर सकते हैं। आप इसके लिए घर पर ही गिफ्ट बॉक्स तैयार कर सकते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में मिलने वाले डिब्बे को आप चॉकलेट और रिबन से सजा कर उसमें एक छोटा टेडी बियर रखें और पार्टनर को गिफ्ट करें। यकीन मानिए यह गिफ्ट आपके पार्टनर को जरूर पसंद आएगा।

गर्लफ्रेंड को किस रंग का टेडी बियर गिफ्ट करें

आप अपनी पार्टनर को रेड, पिंक, ऑरेंज और ब्लू कलर का टेडी बियर गिफ्ट कर सकते हैं।

इस रंग के टेडी बियर न करें गिफ्ट

- ध्यान रखें कि आप अपने पार्टनर को काले रंग का टेडी बियर गिफ्ट न करें। इस तरह के टेडी बियर लड़कियों को पसंद नहीं आते।
- सफेद रंग का टेडी बियर दोस्ती के नाम माना जाता है। अगर आप अपनी गर्लफ्रेंड को टेडी बियर गिफ्ट करना चाहते हैं, तो इस रंग का टेडी बियर न दें। आप अपने किसी दोस्त को इस रंग का टेडी बियर गिफ्ट कर सकते हैं।
- पीले रंग का टेडी बियर लड़कियों को कुछ खास पसंद नहीं आता। इसलिए आप इस रंग का टेडी बियर गिफ्ट करने से बचें।

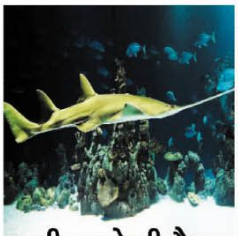

बड़ी अनोखी है ये मछली, मुंह के आगे निकला होता है 5 फीट का 'आरा'

दुनिया में ऐसी कई मछलियां हैं, जिनके बारे में लोग जानते तक नहीं हैं. यहां तक की उनका नाम भी नहीं सुना होता है, देखना तो दूर की बात है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में मछलियों की 33 हजार से अधिक ज्ञात प्रजातियां हैं, लेकिन लोग मुश्किल से इनमें से 200-400 मछलियों के बारे में ही जानते होंगे. आरी या आरा तो आपने देखा ही होगा, आज हम आपको एक ऐसी ही मछली के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके मुंह के आगे एक लंबा सा चोंचनुमा आरा होता है, जो नुकीला होता है और इनकी लंबाई 5 से 6 फीट तक होती है. यहीं वजह है कि इस मछली को आरा मछली के नाम से भी जाना जाता है. हालांकि इस मछली का असली नाम सॉफिश है. इसे 'कारपेंटर शार्क' भी कहा जाता है. पाकिस्तान के सिंध और बलूचिस्तान के समुद्र में ये मछली पाई जाती है. एक समय था जब यह मछली सैकड़ों देशों में पाई जाती थी, लेकिन नेशनल जियोग्राफिक की एक रिपोर्ट के मुताबिक 20 से अधिक देशों में आरा मछली विलुप्त हो चुकी है और अमेरिका समेत 40 से अधिक देश ऐसे हैं, जहां कम से कम इनकी एक प्रजाति तो खत्म हो चुकी है. साइंस एडवांसेज मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन, इराक, जापान और ब्रूनेई जैसे देशों में ये मछली विलुप्त हो चुकी है. पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मछुआरों ने हाल ही में समुद्र के किनारे से एक आरा मछली को पकड़ा था, जिसका वजन करीब 70 से 80 किलो बताया गया था. हालांकि उसे स्थानीय मंडी में बेच दिया गया था. वैसे तो सिंध और बलूचिस्तान में इस मछली के शिकार और व्यापार पर पूरी तरह से पाबंदी है, लेकिन इसके बावजूद गैर-कानूनी तरीके से इसकी खरीद-बिक्री होती रहती है. इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक आरा मछली की अधिकतम लंबाई 23 फीट या उससे ज्यादा भी हो सकती है. इस मछली की व्यस्क आयु 10 साल होती है, जबकि इनकी कुल उम्र 25 से 30 साल होती है. ये मछली शरीर के अंदर ही अंडे देती है. कहते हैं कि आरा मछली के पंखों और दांतों को दवा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. इसके अलावा कई लोग मुर्गों की लड़ाई में इस्तेमाल के लिए भी इसे खरीदते हैं.

ये है दुनिया की सबसे बड़ी गुफा, यहां खड़ी की जा सकती है 30 मंजिला इमारत

इस दुनिया में कई ऐसी जगह मौजूद है जिनकी खासियत और रहस्य हर किसी को हैरान कर देते हैं। कभी किसी धार्मिक जगह के चमत्कार के बारे में जानकारी सामने आती है, तो कभी कोई रहस्य से भरी हुई जगह चर्चा में होती है।

आपने दुनिया भर में मौजूद अनगिनत गुफाओं के बारे में सुना होगा। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी गुफा के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया में सबसे बड़ी है और इसका साइज इतना ज्यादा है कि यहां 30 मंजिल से ज्यादा ऊंची इमारत बनाई जा सकती है। जाहिर सी बात है इतनी बड़ी गुफा के बारे में सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा लेकिन यह सच में मौजूद है। इस बड़ी सी गुफा में कहीं सारी गहरी खाई और नदियां बहती है। इसका आकार देख कर कोई भी अचंभे में पड़ सकता है। चलिए जानते हैं ये कहा हैं और कैसी है।

इतनी गहराई में है गुफा

रोमांस से भरी हुई है गुफाएं वियतनाम में मौजूद है और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र है। यहां के क्रांग बिन्ह में डेढ़ सौ से ज्यादा गुफा है जो जमीन के 104 किलोमीटर नीचे किसी गहरी भूल भुलैया की तरह बनी हुई है। यहां पर कई तरह के जानवर वनस्पति और औषधीय पाई जाती हैं और यहां का इतिहास लाखों साल पुराना है। यहां पहुंचे पर्यटकों को असीम प्राकृतिक सुंदरता के साथ अद्वितीय प्राचीनता का दीदार करने के लिए मिलता है।

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा सोन डोंग भी यहीं पर मौजूद है। 200 मीटर ऊंची इस गुफा की लंबाई 5 किलोमीटर है और इस विशाल जगह पर 30 मंजिला से ऊंची इमारत बन सकती है। 1991 में स्थानीय लकड़हारे ने इसकी खोज की थी और 2009 में इसे वैज्ञानिक मान्यता मिली। 2013 से सैलानियों के लिए खोल दिया गया।

सीमित है पर्यटक संख्या

इस गुफा में कई घने जंगल और अनोखी नदियां मौजूद है और यहां जाना खतरे से कम नहीं है। यही वजह है कि यहां पर हर साल सिर्फ 1000 सैलानियों को ही जाने की अनुमति दी जाती है जिसके लिए उन्हें मोटी रकम चुकानी पड़ती है।

40 प्रतिशत हिस्सा ही प्रकाश में

ये गुफाएं बहुत ही अद्भुत और अंशु ही है और यहां गाइड के सहारे जंगल से होते हुए गुजारना पड़ता है। अब तक सिर्फ 40% क्षेत्र तक ही विज्ञान पहुंच चुका है इसलिए यह रहस्यमय जगह में शामिल है। अभी भी इसकी खोज बाकी है, इसलिए ये खास आकर्षण का केंद्र है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इसे उड़ने वाली लोमड़ी के आवास के रूप में पहचाना जाता है।

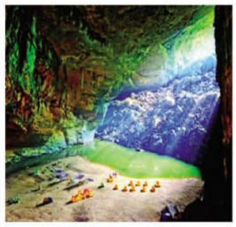

पैंथर आकार का है दुनिया का सबसे महंगा ब्रेसलेट

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज मिलती है, जिनकी कीमत सस्ती से लेकर महंगी होती है। हर व्यक्ति अपने बजट के अनुसार इन चीजों को खरीदता है। आम आदमी जहां मध्यम बजट की चीजों की खरीदारी करना पसंद करता है, तो वही अमीर व्यक्ति अपने रुतबे के मुताबिक उपयोग करने के लिए चीजें खरीदता है। वैसे कहा जाता है कि अगर आपके पास पैसा हो तो आप दुनिया की हर चीज खरीद सकते हैं, जिस पर आपका दिल आ जाए या आपको पसंद आ जाए। यही कारण है कि पैसे वालों की सारी इच्छाएं जल्दी पूरी हो जाती है। हालांकि, दुनिया में कुछ ऐसी चीज भी मौजूद है जिन्हें खरीदने के लिए अमीर से अमीर व्यक्ति को भी एक बार तो सोचना ही पड़ता है। आज हम आपको एक ऐसी ही चीज के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि इतने पैसों में आधा दर्जन प्राइवेट जेट खरीदे जा सकते हैं। यह चीज कुछ और नहीं बल्कि एक ब्रेसलेट है, जो देखने में बहुत ही शानदार है।

कितनी है कीमत

दुनिया का सबसे महंगा ब्रेसलेट डायमंड पैंथर है, जिसकी कीमत 12.4 मिलियन डॉलर से ज्यादा बताई जाती है। 1952 में इस ब्रेसलेट को कार्टियर पेरिस ने तैयार किया था। यह देखने में इतना शानदार लगता है कि किसी की भी आंखें फटी रह जाएगी।

तेंदुए का आकार

यह ब्रेसलेट तेंदुए के आकार का बना हुआ है यानी कि इस पर तेंदुए का मुंह बना है, जिसकी आंखें हरे रंग की दिखाई पड़ती है।

वहीं पूरे ब्रेसलेट पर डायमंड को कुछ इस तरह से लगाया गया है जैसे तेंदुए के शरीर पर धारियां होती है। दो तेंदुए इसमें एक दूसरे की ओर देखते हुए दिखाई पड़ते हैं। इस ब्रेसलेट में पैंथर के कान हीरे के, आंखें पन्ना की और दांत प्लेटिनम से तैयार किए गए हैं। इस शानदार डिजाइन को देखकर किसी का भी मन इस 195 मिलीमीटर लंबे ब्रेसलेट को खरीदने के लिए ललचा सकता है।

सबसे पहले किसने खरीदा

1952 में जब इसे तैयार किया गया था, तो सबसे पहले वालिस सिंपसन ने इसे खरीदा था। कुछ समय तक यह उनके पास रहा जिसके बाद इसे मैडोना ने खरीद लिया।

अनोखी है ये म्यूजिकल रोड, यहां गाड़ियां गुजरने पर बजती है सुरीली धुन

दुनिया भर में आवागमन के लिए रोड का जाल बिछा हुआ है। इन रास्तों के जरिए हर व्यक्ति अपनी मंजिल तक का सफर तय करता है। किसी शानदार सी सड़क पर आसपास के बेहतरीन नजरों को निहारते हुए चलने का जो आनंद आता है वह कहीं और नहीं मिल सकता। फर्राटेदार दौड़ती हुई गाड़ी और प्राकृतिक खूबसूरती किसी का भी दिल जीत सकती है। इस शानदार सफर के बीच आपको अगर कोई यह कहे कि ऐसी भी सड़क है जो गुनगुनाती है, तो जाहिर सी बात है कोई भी हैरान हो जाएगा। हर व्यक्ति यही कहेगा कि भला ऐसी कौन सी सड़क होगी जो गुनगुनाती है। लेकिन यह कोई सोची गई बात नहीं है बल्कि दुनिया में ऐसी जगह है, जहां पर जब सड़कों पर गाड़ी दौड़ती है, तो म्यूजिक बजता है। आज हम आपको इसी की जानकारी देते हैं।

यहां है गुनगुनाने वाली सड़क

म्यूजिकल सड़क वाकई में मौजूद है तो यह कहां है यह सवाल हर किसी के मन में आएगा। हम आपको बता दें कि म्यूजिक बजाने वाली ये सड़क हंगरी में हैं। जब इस रोड पर से गाड़ी गुजरती है तो अपने आप ही म्यूजिक बजने लगता है। इस शहर में जब कोई गाड़ी स्पीड ब्रेकर से होकर गुजरती है तो गति को नियंत्रित करने के साथ इसमें से शानदार म्यूजिक भी निकलता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। अधिकतर जगह यहां पर स्पीड को नियंत्रित करने के लिए ब्रेकर लगाए गए हैं जिन पर जैसे ही टायर गुजरता है धुन सुनाई देती है।

80 किलोमीटर रखना होती है स्पीड

इस शानदार म्यूजिकल सड़क पर संगीत की धुन सुनाई देने के पीछे स्पीड काफी महत्व रखती है। इस रोड पर चलने की गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा है। लेकिन यदि कार चालक इससे ज्यादा या कम स्पीड से निकलता है तो यह धुन टूट जाती है। हंगरी के सोमोगी काउंटी में 2 साल पहले इन सड़कों का निर्माण हुआ था, जिनपर चलने के लिए आदर्श गति जरूरी है।

कई जगह है संगीतमय सड़कें आपको बता दें कि दुनिया में सिर्फ यही नहीं बल्कि कई जगह इस तरह की संगीतमय सड़कें पाई जाती है। सबसे पहले संगीतमय सड़क का निर्माण डेनमार्क में किया गया था। उभरे हुए फुटपाथ मार्क की सीरीज तैयार की गई थी। फ्रांस में साल 2000 में 28-नोट की धुन वाली सड़क बनी थी। इसके अलावा कई जगह इस तरह की सड़कें हैं।

गजब की इंजीनियरिंग

आमतौर पर सभी शहरों में सड़कों पर सफेद पट्टी दिखाई देती है। लेकिन इन म्यूजिकल सड़कों की पट्टी पियानो या फिर हारमोनियम की तरह दिखती है, जो गाड़ियों के चढ़ते ही बेहतरीन धुन पैदा करती है। दरअसल इन सड़कों पर कुछ उभरे हुए बटन लगाए गए हैं जिनके दबने से यह आवाज पैदा होती है, जो सुरीले संगीत की तरह सुनाई देती है।

भारतीय भू-वैज्ञानिकों ने भारत में अनेक गर्म पानी के कुंडों की पहचान की है। इनमें से कुछ कुंड अपनी बीमारी ठीक करने की विशेषता या अन्य कुछ कारणों से ज्यादा प्रसिद्ध हैं। दरअसल माना जाता है कि गर्म पानी के कुंडों में कई तरह के खनिज तत्व उपस्थित होते हैं। यही कारण है कि इन कुंडों में स्नान करने से कई तरह के रोग व बीमारियां ठीक हो जाती हैं। गर्म पानी के सबसे प्रसिद्ध कुंड....

राजगीर के जल कुंड

पटना के समीप राजगीर को भारत के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। यह कभी मगध साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। राजगीर न सिर्फ एक प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थल है बल्कि एक खूबसूरत हेल्थ रेसॉर्ट के रूप में भी लोकप्रिय है। देव नगरी राजगीर सभी धर्मो की संगमस्थली है। कथाओं के अनुसार भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र राजा बसु ने राजगीर के ब्रह्मकुंड परिसर में एक यज्ञ का आयोजन कराया था। इसी दौरान आए सभी देवी-देवताओं को एक ही कुंड में स्नान करने में परेशानी होने लगी। तभी ब्रह्मा ने यहां 22 कुंड और 52 जलधाराओं का निर्माण कराया था। वैभारगिरी पर्वत की सीढियों पर मंदिरों के बीच गर्म जल के कई झरने हैं, जहां सप्तकर्णी गुफाओं से जल आता है। ऐसी संभावना जताई जाती है कि इसी पर्वत पर स्थित भेलवाडोव तालाब है, जिससे ही जल पर्वत से होते हुए यहां पहुंचता है। इस पर्वत में कई तरह के केमिकल्स जैसे सोडियम, गंधक, सल्फर हैं। इसकी वजह से जल गर्म और रोग को मिटाने वाला होता है। यहां पर आप 22 कुंडों में स्नान कर सकते हैं। इन कुंडों के नाम अलग-अलग हैं। ब्रह्मकुंड सबसे महत्वपूर्ण हैं। इसका तापमान 45 डिग्री सेल्सियस होता है। इसे पाताल गंगा भी कहा जाता है। सभी झरनों में स्नान करने के बाद इस कुंड में भी लोग स्नान करते हैं। जो सप्तधाराएं बहती हैं, उसके नाम भी ऋषि-मुनियों के नाम पर रखे गए हैं। 22 कुंडों में ब्रह्मकुंड के अलावा मार्कंडेय कुंड, व्यास कुंड, अनंत ऋषि कुंड, गंगा-यमुना कुंड, साक्षी धारा कुंड, सूर्य कुंड, गौरी कुंड, चंद्रमा कुंड, राम-लक्ष्मण कुंड। राम-लक्ष्मण कुंड में एक धारा से ठंडा और दूसरे से गर्म पानी निकलता है।

अत्रि जल कुंड ओडिशा

ओडिशा का अत्रि उसके सल्फर युक्त गर्म पानी के कुंडों के लिए प्रसिद्ध है। यह जलकुंड भुबनेश्वर से 42 कि.मी. दूर स्थित है। इस कुंड के पानी का तापमान 55 डिग्री है। कुंड में स्नान करने से बहुत ताजगी महसूस होती है व थकान दूर हो जाती है।

बकरेश्वर जल कुंड पश्चिम बंगाल

यह पश्चिम बंगाल का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। इसकी पश्चिम बंगाल के भ्रमण स्थलों में एक अलग पहचान है, क्योंकि यहां गर्म पानी के कुंड स्थित है। यहां देश के कोने-कोने से लोग पवित्र कुंडों में स्नान के लिए आते हैं।

इन कुंडों में स्नान से कई रोग दूर हो जाते हैं।

यूमेसमडोंग सिक्किम

यूमेसमडोंग सिक्किम के सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है। उत्तर-पूर्वी राज्य में स्थित ये कुंड 15500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यूमेसमडोंग में 14 सल्फर के जल से युक्त कुंड हैं।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण सूडान के उप राष्ट्रपति ने अधिकारियों की बर्खास्तगी को बताया शांति समझौते के लिए खतरा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण सूडान के उप राष्ट्रपति ने अधिकारियों की बर्खास्तगी से राष्ट्रपति के साथ शांति समझौते को खतरा बताया है। उप राष्ट्रपति रीक माचर ने कहा कि इस सप्ताह कैबिनेट में फेरबदल के कारण कई वरिष्ठ अधिकारियों को हटा दिया गया है, जिससे 2018 में राष्ट्रपति के साथ हुए नाजुक शांति समझौते को खतरा है।

साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री योलान्डा एवेल डेंग और पश्चिमी इक्वेटोरिया राज्य के गवर्नर जनरल अल्फ्रेड फुतुयो कराबा को बहाल करने का आह्वान भी किया। कीर द्वारा बर्खास्त किए गए अन्य अधिकारियों में दो अन्य उपराष्ट्रपति और जासूस प्रमुख शामिल हैं। मचार ने मंगलवार को कहा कि एकतरफा बर्खास्तगी 2018 के सत्ता-साझाकरण समझौते का उल्लंघन है।

गौरतलब है कि 2018 के समझौते के अनुसार, दक्षिण सूडान में पांच उपराष्ट्रपति हैं। जिसने पांच साल के गृह युद्ध को समाप्त कर दिया 2011 में तेल समृद्ध दक्षिण सूडान को सूडान से आजादी मिलने के बाद शांति और स्थिरता की बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन दिसंबर 2013 में देश बड़े पैमाने पर जातीय विभाजन पर आधारित गृह युद्ध में फंस गया, जब कीर के प्रति वफादार बलों ने मचर के प्रति वफादार लोगों से लड़ना शुरू कर दिया। अभी तक 2018 का शांति समझौता पूरी तरह से लागू नहीं हुआ है। चुनौतियों में सेना कमान के एकीकरण को पूरा करने जैसे वादे किए गए सुधारों को लागू करने में सरकार की विफलता शामिल है।

भारत-इस्राइल में रणनीतिक साझेदारी को स्थायी बनाएंगे : इस्राइली मंत्री

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के सीईओ का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत दौरे पर है। इस्राइली मंत्री नीर बरकत ने कहा कि यह आर्थिक सहयोग के नए युग का प्रतीक है और हम यहां केवल व्यापार करने नहीं, बल्कि स्थायी रणनीतिक साझेदारी बनाने आए हैं। बरकत ने कहा कि इससे आपसी विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस्राइली दूतावास ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा कि दोनों देशों के बीच कृषि, रक्षा, जल प्रौद्योगिकी और उच्च तकनीक सहित कई क्षेत्रों में सहयोग का समृद्ध इतिहास है। बयान में कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। नवाचार के लिए इस्राइल की वैश्विक प्रतिष्ठा और भारत के गतिशील बाजार, मजबूत विनिर्माण के साथ साझेदारी आपसी विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस्राइली मंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य सेवा, साइबर, ऊर्जा, ऑटोमोटिव, खुदरा और लॉजिस्टिक जैसे क्षेत्रों के 100 से अधिक शीर्ष इस्राइली सीईओ शामिल थे।

उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया में फिर ठनी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की तरफ से निर्मित एक संपत्ति को ध्वस्त कर रहा है जिसका उपयोग 1950-53 के कोरियाई युद्ध के दौरान अलग हुए परिवारों के पुनर्मिलन की मेजबानी के लिए किया गया था, दक्षिण कोरिया की सरकार ने गुरुवार को कहा, क्योंकि यह युद्ध में विभाजित प्रतिद्वंद्वियों के बीच जुड़ाव के प्रतीकों को खत्म करना जारी रखता है। कोरियाई देशों के बीच संबंध वर्षों में सबसे खराब स्थिति में हैं, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अपने विस्तारित परमाणु हथियार कार्यक्रम का दिखावा करना जारी रखते हैं और अंतर-कोरियाई सुलह के लंबे समय से चले आ रहे लक्ष्यों को छोड़ने की घोषणा करते हैं, जबकि दक्षिण कोरिया को एक स्थायी दुश्मन बताते हैं।

उत्तर कोरिया के सुंदर डायमंड माउंटेन रिसॉर्ट में 12 मंजिला इमारत, जिसमें 206 कमरे और बैठकों की मेजबानी के लिए भोज की सुविधा है, का उपयोग 2009 से पारिवारिक पुनर्मिलन के लिए किया जा रहा था। कोरिया ने आखिरी बार 2018 में पारिवारिक पुनर्मिलन किया था, जब किम ने आर्थिक लाभ के लिए अपने परमाणु कार्यक्रम का लाभ उठाने के प्रयास में सियोल और वाशिंगटन के साथ कूटनीति शुरू की थी।

संयुक्त राष्ट्र ने भी माना-बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार, घरों और उपासना स्थलों पर बढ़े हमले

जेनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में पिछले वर्ष प्रदर्शनों और उसके बाद बांग्लादेशी हिंदू, अहमदिया मुस्लिम और स्वदेशी समुदायों के कुछ सदस्यों को मानवाधिकार उल्लंघन का सामना करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट में कहा गया है, ''बांग्लादेश की पूर्व सरकार, सुरक्षा और खुफिया सेवाएं, अवामी लीग पार्टी से जुड़े हिंसक तत्वों के साथ मिलकर पिछले साल के छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान व्यवस्थित रूप से कई गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों में शामिल थीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद, ''हिंदुओं के घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उपासना स्थलों पर व्यापक हमले हुए, विशेष रूप से ग्रामीण और तनाव वाले क्षेत्रों जैसे ठाकुरगांव, लालमोनिरहाट, दिनाजपुर, सिलहट, खुलना और रंगपुर जैसे अन्य स्थानों पर हमले हुए। इसमें कहा गया है, ''हिंदुओं, अहमदिया मुसलमानों और चटगांव पहाड़ी इलाकों के मूल निवासियों को भी मानवाधिकारों के हनन का सामना करना पड़ा जबकि अलग-अलग धार्मिक और मूल निवासियों पर हमलों के बारे में लगभग 100 गिरफ्तारियां की गई हैं। इसके अनुसार एक साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि ठाकुरगांव में हिंदू अंत्येष्टि स्थलों और मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। अन्य गवाहों ने बताया कि उनकी संपत्ति पर हमलों के बाद, सांप्रदायिक हिंसा के डर से उन गांवों के लगभग 3,000-4,000 हिंदुओं ने भारत की सीमा के पास शरण ली।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रभावित परिवारों ने व्यापक असुरक्षा की भावना और भारी वित्तीय नुकसान की बात कही है। इसके अनुसार हिंसक भीड़ द्वारा हिंदू प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के कई आरोप सामने आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में उपासना स्थलों, विशेषकर मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों का लंबा रिकॉर्ड रहा है। इसके अनुसार पांच से 15 अगस्त के बीच, मीडिया और अन्य स्थानीय स्रोतों ने कई क्षेत्रों में हिंदू, अहमदिया, बौद्ध और ईसाई समुदायों से जुड़े उपासना स्थलों पर हमलों की सूचना दी। इसमें कहा गया है कि मेहरपुर में अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के मंदिर में भी आगजनी की गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले साल गर्मियों में छह सप्ताह के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में 1,400 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है। जिनेवा स्थित कार्यालय ने एक रिपोर्ट में कहा है कि सुरक्षा और खुफिया सेवाएं व्यवस्थित रूप से अधिकारों के उल्लंघन में संलिप्त हैं, जो मानवता के खिलाफ अपराध हो सकते हैं और इनकी जांच की आवश्यकता है। मानवाधिकार कार्यालय ने ''विभिन्न विश्वसनीय स्रोतों का हवाला देते हुए कहा कि एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में 1,400 से अधिक लोगों के मारे जाने और हजारों लोगों के घायल होने की आशंका है। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भारत चली गईं थीं और पिछले साल पांच अगस्त से वह वहां हैं। इन व्यापक प्रदर्शन के बाद उनकी अवामी लीग की 16 साल पुरानी सरकार गिर गयी थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने आठ अगस्त, 2024 को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने दावा किया कि विरोध-प्रदर्शनों को दबाने के लिए राजनीतिक नेतृत्व और शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की जानकारी और समन्वय से न्यायिक हत्याएं, व्यापक रूप से मनमाने ढंग से लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एआई को वैश्विक शासन भू-राजनीति से परे होना चाहिए : फू यिंग

बीजिंग, एजेंसी। पूर्व चीनी उप विदेश मंत्री फू यिंग ने फ्रांस के पेरिस में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को वैश्विक शासन भू-राजनीतिक हस्तक्षेप से परे होना चाहिए और चीन अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर एआई के सुरक्षित विकास को बढ़ावा देने को तैयार है।

यहां फू यिंग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट और अन्य कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान उपरोक्त टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि चीनी उद्योग ने सरकार के समर्थन से अंतर्राष्ट्रीय एआई सुरक्षा अनुसंधान संस्थान (एआईएसआई) के अनुरूप चीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विकास और सुरक्षा अनुसंधान केंद्र की स्थापना की है।

फू यिंग ने कहा कि एक ओर, 2017 की शुरुआत में, चीनी सरकार ने नई पीढ़ी की एआई विकास योजना तैयार की, जिसने एआई सुरक्षा, नियंत्रणीयता और सतत विकास की मांग की। वर्तमान में, अर्थव्यवस्था, वित्त, शहरी प्रबंधन, चिकित्सा देखभाल और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में एआई को पूरी तरह से लागू किया गया है। जोखिम और चुनौतियां एक साथ मौजूद हैं। सरकार नवाचार को प्रोत्साहित करने और जोखिमों को नियंत्रित करने के बीच संतुलन बनाए रखती है और एआई सुरक्षा मुद्दों को संबोधित करने वाली कई तकनीकी नवाचार कंपनियां उभरी हैं। दूसरी ओर, चीन भविष्य के जोखिमों पर नजर रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में भाग लेता है, चीन ने क्रमिक रूप से वैश्विक एआई शासन पहल जारी की, ब्लेचली घोषणा पर हस्ताक्षर किए और संयुक्त राष्ट्र महासभा में एआई क्षमता निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर एक प्रस्ताव के पारित होने को बढ़ावा दिया, जिसने 140 से अधिक देशों का समर्थन जीता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन शिखर सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम 10 से 11 फरवरी तक फ्रांस के पेरिस में आयोजित किए गए। वर्तमान शिखर सम्मेलन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की कार्रवाई क्षमता को मजबूत करना तथा एआई के अनुप्रयोग और वैश्विक शासन के मुद्दों पर विचार करना है।

कांगो में बर्बरता: जेल में बंद महिला कैदियों को रेप के बाद जिंदा जलाया

सेंट्रल अफ्रीका के देश कांगो में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। विद्रोही गुट हिंसा और बर्बरता पर उतारू हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, रू23 विद्रोहियों ने गोमा शहर की मुंजेंजे जेल पर हमला किया और सैकड़ों महिला कैदियों के साथ सामूहिक बलात्कार किया, फिर उन्हें जिंदा जला दिया।इस हमले के दौरान 150 से अधिक कैदी जेल तोड़कर भाग निकले। गोमा शहर पर पिछले हफ्ते विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया था, जिसके बाद जेल में आग लगा दी गई।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में कई महिलाओं को जिंदा जला दिया गया, जिनमें से केवल 9 ही बच सकीं। रिपोर्ट के मुताबिक कांगो में हालात भयावह हैं। गोमा शहर में भारी हिंसा, लूटपाट और बर्बर हत्याएं हो रही हैं। विस्थापन शिविरों पर बमबारी की गई और महिलाओं के साथ गैंगरेप जैसी वीभत्स घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जिंदा जलाई गई कैदियों में से सिर्फ 9 ही जीवित बच पाईं।

खनिज संपदा से भरपूर शहर पर कब्जा

पिछले सप्ताह रवांडा समर्थित विद्रोही गुटों ने खनिज संपदा से भरपूर गोमा शहर पर कब्जा कर लिया था। यह शहर कांगो के रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है। हिंसा के दौरान **सरकारी इमारतों, जेलों और अन्य सार्वजनिक परिसरों में आगजनी** की गई। कांगो इस समय गंभीर संकट से गुजर रहा है, और वहां की जनता भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है।

ब्रिटेन में हजारों भारतीयों को मिलेगी मुफ्त एंट्री और वर्क वीज़ा ! बिना स्पॉन्सर उठाएं नई स्कीम का लाभ

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन सरकार ने बड़ी खुशखबरी देते हुए भारतीय युवाओं के लिए एक शानदार स्कीम शुरू की है। ब्रिटेन सरकार ने यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम 2025 सके तहत 3,000 भारतीय नागरिकों को च में दो साल तक रहने, काम करने और पढ़ाई करने का अवसर देने । इस स्कीम के लिए आवेदन की प्रक्रिया बैलट (लॉटरी सिस्टम)के जरिए होगी, जो पूरी तरह से निःशुल्क है। बैलट आवेदन 18 फरवरी 2025 दोपहर 2:30 बजे से 20 फरवरी 2025 दोपहर 2:30 बजे खुलेगा। चयनित उम्मीदवारों को वीज़ा आवेदन के लिए आमंत्रण मिलेगा, जिसके बाद वे च में दो साल तक रह सकते हैं।

क्या है वीज़ा स्कीम?

यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम ब्रिटेन और भारत के बीच हुई एक द्विपक्षीय समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत हर साल 3,000 भारतीय युवाओं को च में दो साल तक रहने, काम करने और पढ़ाई करने की अनुमति दी जाती है। इस वीजा के लिए आवेदन करने के लिए किसी नौकरी का ऑफर (स्पॉन्सर) होना जरूरी नहीं है। साल 2023 में इस स्कीम के तहत 2,100 भारतीय नागरिकों को वीजा जारी किया गया था। इस साल 3,000 लोगों को यह अवसर मिलने वाला है।

आवेदन की प्रक्रिया

आवेदन के लिए द्द१.द्ध्रु की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर बैलट में भाग लेना होगा। बैलट नि:शुल्क होगा, जिसमें उम्मीदवारों को अपना नाम, जन्मतिथि, पासपोर्ट डिटेल (स्कैन कॉपी सहित), फोन नंबर और ईमेल आईडी देनी होगी।

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने 2 हिंदू व्यापारियों की गोली मारकर की हत्या

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के केच जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने सरेआम दो हिंदू व्यापारियों की गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हमला सोमवार शाम तुरबत इलाके में हुआ, जिसकी पुष्टि पुलिस ने मंगलवार को की। पुलिस के अनुसार, यह घटना उस वक्त हुई जब बाजार के पास चार लोगों पर मोटरसाइकिल सवार नकाबपोश हमलावरों ने गोलियां बरसा दीं। इस हमले में हरि लाल और मोती लाल नामक दो हिंदू व्यापारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शेरो मल गंभीर रूप से घायल हो गए।

डीआईजी अर्सलान खोकर ने इसे एक लक्षित हमला करार दिया, लेकिन अब तक किसी भी उग्रवादी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। एक अन्य अधिकारी ने आशंका जताई कि यह घटना व्यापारिक विवाद का परिणाम हो सकती है, क्योंकि मृतक संपन्न व्यापारी थे। आमतौर पर बलूचिस्तान में आतंकवादी समूह सुरक्षा बलों और चीनी नागरिकों को निशाना बनाते हैं, लेकिन अल्पसंख्यकों के खिलाफ इस तरह की हिंसा दुर्लभ मानी जाती है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस हमले की कड़ी निंदा की और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी का आदेश दिया। इसी बीच, बुलेदा इलाके में भी एक अन्य घटना में अज्ञात बंदूकधारियों ने मुहम्मद हयात नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। गौरतलब है कि बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और आतंकवाद की चपेट में है, जहां आए दिन हमले होते रहते हैं। इस ताजा घटना से अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय में डर का माहौल बन गया है।

लीबिया ने त्रिपोली के डिटेंशन सेंटर से 24 शरणार्थियों को रिहा किया : संयुक्त राष्ट्र

त्रिपोली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर ने कहा कि लीबियाई अधिकारियों ने त्रिपोली स्थित एक डिटेंशन सेंटर से महिलाओं और बच्चों सहित 24 शरणार्थियों को रिहा कर दिया है। यूएनएचसीआर ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि शरणार्थियों को दक्षिणी त्रिपोली में अबुसलीम डिटेंशन सेंटर से रिहा किया गया। एजेंसी ने रिहा किए गए व्यक्तियों को पंजीकृत किया और उन्हें चिकित्सा सहायता, कंबल, कपड़े और व्यक्तिगत देखभाल की वस्तुओं सहित सहायता प्रदान की। बयान में कहा गया कि कुछ को अस्थायी आश्रय मिलेगा।

यूएनएचसीआर ने कहा कि वह हिरासत में लिए गए सभी शरणार्थियों और शरण चाहने वालों, विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों की रिहाई के लिए लीबिया के अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। इसके अलावा, लीबिया के आंतरिक मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने नाइजीरियाई प्रवासियों के एक समूह को स्वेच्छा से उनके देश में डिपोर्ट कर दिया है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से लीबिया असुरक्षा और अराजकता से ग्रस्त है। इसके कारण कई प्रवासी, मुख्य रूप से उप-सहारा अफ्रीका से, खतरनाक समुद्री मार्ग से यूरोप जाने का प्रयास कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने बताया कि इस वर्ष 3,188 प्रवासियों को समुद्र में रोका गया और उन्हें लीबिया वापस भेजा गया। आईओएम ने मध्य भूमध्य सागर मार्ग पर 62 प्रवासियों की मौत का भी डॉक्यूमेंटेशन किया।

लीबिया के आंतरिक मंत्री इमाद अल-तरबेल्सी ने रविवार को कहा कि लीबिया प्रवासियों को बसाने से इनकार करता है और संभावित जबरन डिपोर्ट की चेतावनी दी। मंत्रालय के फेसबुक पेज पर प्रकाशित एक बयान में अल-तरबेल्सी ने कहा कि लीबिया में 30 लाख से अधिक अवैध प्रवासी हैं, जो इसे अवैध प्रवास प्रवाह से सबसे अधिक प्रभावित देश बनाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय स्वैच्छिक वापसी कार्यक्रमों का समर्थन करने में विफल रहता है, तो लीबिया जबरन निर्वासन का सहारा ले सकता है।

ट्रूडो की नफरत के बावजूद 2024 में सबसे ज्यादा भारतीय बने कनाडाई नागरिक

ओटावा, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच राजनीतिक तनाव के बावजूद एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। कनाडा सरकार की वार्षिक आव्रजन रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में कनाडा की नागरिकता पाने वालों में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक रही। इस वर्ष कुल 3,74,832 नए नागरिकों को कनाडा की नागरिकता मिली, जिनमें से 23.43त्न भारतीय थे। हालांकि 2023 की तुलना में 2024 में कनाडा की नागरिकता लेने वाले भारतीयों की संख्या थोड़ी कम रही, लेकिन फिर भी वे अन्य सभी देशों की तुलना में अधिक थे। इस साल 217 देशों के नागरिकों को कनाडाई नागरिकता दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीयों की संख्या कम होने का एक कारण भारत-कनाडा के बीच बढ़ता तनाव भी हो सकता है।

भारत-कनाडा तनाव की पृष्ठभूमि: कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2023 में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत पर गंभीर आरोप लगाए थे। भारत ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया था, जिससे दोनों देशों के रिश्ते बिगड़ गए। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। बाद में ट्रूडो ने एक जांच आयोग के सामने स्वीकार किया कि उनकी सरकार के पास भारत के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि उनके द्वारा लगाए गए आरोप महज खुफिया जानकारी पर आधारित थे, न कि प्रमाणित तथ्य।

आरसीबी ने आईपीएल 2025 से पहले नए कप्तान की घोषणा की

कोहली नहीं, रजत पाटीदार को मिली जिम्मेदारी

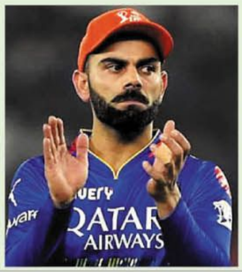

बेंगलूर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले नए कप्तान की घोषणा कर दी है। रजत पाटीदार को आगामी टी20 टूर्नामेंट के लिए टीम की कप्तानी सौंपी गई है। रजत पाटीदार के अलावा विराट कोहली और क्रुणाल पांड्या दो अन्य कप्तानी उम्मीदवार थे जिन्हें टीमों का नेतृत्व करने का अनुभव है। पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश का नेतृत्व किया है। वहीं, क्रुणाल बड़ौदा के कप्तान रहे हैं।

राजेश मेनन ने प्रश्न के साथ कहा, हमारा अगला कप्तान कौन होगा? यह आरसीबी के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय है। हमारे पास दिग्गज खिलाड़ी हैं। यह निर्णय बिल्कुल भी आसान नहीं है। इस पर आंतरिक और बाहरी रूप से विचार-विमर्श किया गया। हमें लगता है कि यह निर्णय फ्रैंचाइजी के लिए अगले कुछ वर्षों में अच्छा है। इसके बाद मेनन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में क्रिकेट निदेशक ने घोषणा करते हुए कहा कि रजत पाटीदार को आरसीबी का कप्तान बनाया गया है।

रजत कप्तान क्यों?

एंडी फ्लावर ने कहा, तीन मुख्य बातें साझा करने लायक हैं। पहली बात आईपीएल में शांत और सादगी की जरूरत होती है। यह उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। दूसरी बात वह शांत हैं लेकिन अपने आस-पास के लोगों की परवाह करते हैं। इसका मतलब है कि उन्हें तुरंत ही दूसरे लोगों से सम्मान और देखभाल मिलेगी, एक नेता के तौर पर लोग उनके पीछे चलेंगे। तीसरी बात उनमें एक जिद्दीपन और दृढ़ता है। आप इसे उनके खेलने के तरीके और खेल को संभालने के तरीके में देख सकते हैं।

रजत हमारे लिए वाकई एक अच्छा विकल्प

मो बोबट ने कहा, नई टीम, नई कप्तानी, रजत के साथ जाना बहुत समझदारी भरा फैसला था। वह शांत, केंद्रित हैं और मुझे सबसे ज्यादा पसंद है कि वह दबाव में भी बहादुर हैं। उन्होंने हमारे लिए रन बरसाए हैं। वह टीम के लिए वाकई बहुत फायदेमंद साबित होंगे।

क्या कोहली भी कप्तानी की दौड़ में थे?

मो बोबट ने कहा, एंडी और मैं खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि हमारे पास कई विकल्प थे। हम भारतीय विकल्प के लिए उत्सुक थे क्योंकि स्थानीय जानकारी रखने वाला कोई व्यक्ति हमारे लिए मददगार होता है। बेशक विराट एक विकल्प था। विराट को कप्तानी करने के लिए कप्तानी की जरूरत नहीं है। यह उनके अंदर स्वाभाविक रूप से आता है। वह बल्ले से एक उदाहरण के रूप में नेतृत्व करते हैं। वह मैदान में नेतृत्व करते हैं। वह अपनी ऊर्जा से माहौल बनाते हैं। उन्हें संघर्ष करना पसंद है। जिस तरह से वह अभ्यास करते हैं, पोषण करते हैं, वह एक लीडर हैं। मुझे पूरा यकीन है कि रजत भी उन पर निर्भर होंगे। विराट के पास इस निर्णय के लिए बहुत ऊर्जा थी। वह जानते हैं कि रजत इस कप्तानी के हकदार हैं।

विराट कोहली ने दी शुभकामनाएं

कोहली ने घोषणा करते हुए कहा, आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जिस तरह से आप आगे बढ़े हैं, आपने पूरे भारत में प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। यह बहुत ही योग्य है। मैं और टीम के अन्य सदस्य आपके पीछे खड़े होंगे। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह देखना कि कौन फैंचाइजी को आगे ले जाएगा, आपके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मुझे यकीन है कि आप आगे बढ़ते रहेंगे। वह विकसित हुआ है, उसके खेल में कई स्तरों पर सुधार हुआ है। उसने राज्य की टीम का नेतृत्व किया है। उसने दिखाया है कि फैंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए क्या करना पड़ता है। मैं प्रशंसकों से उसका समर्थन करने का अनुरोध करता हूं, और जानता हूं कि वह टीम के लिए सबसे अच्छा काम करेगा। चाहे कुछ भी हो सबसे महत्वपूर्ण बात टीम और फैंचाइजी है। टीम, फैंचाइजी को मेरी शुभकामनाएं और सभी के साथ काम करने का इंतजार है।

कोहली का अनुभव मदद करेगा, आरसीबी की कप्तानी मिलने पर बोले रजत पाटीदार

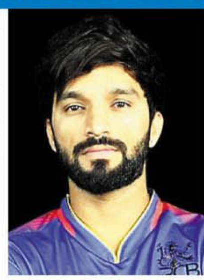

बेंगलुरू (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के नवनियुक्त कप्तान रजत पाटीदार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कप्तानी की बारीकियां करिश्माई विराट कोहली से सीखना चाहेंगे और सभी परिस्थितियों में 'खिलाड़ियों के साथ खड़े रहने' के महत्व पर जोर दिया। पाटीदार ने फाफ डु प्लेसी की जगह आरसीबी के कप्तान का पद संभाला है जिन्हें पिछले साल की बड़ी नीलामी से पहले रिलीज (अपने साथ बरकरार नहीं रखना) कर दिया गया था।

पाटीदार ने कहा, 'मैं मुकाबलों की स्थिति से वाकिफ हूं। इसलिए मुझे लगता है कि अपने खिलाड़ियों का समर्थन करना और हर परिस्थितियों में उनके साथ खड़े रहना और ऐसा माहौल देना महत्वपूर्ण है जहां वे सहज और आत्मविश्वास से भरा महसूस करें।

पाटीदार ने कहा कि आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में मौजूद अनुभवी नाम आईपीएल कप्तानी के चुनौतीपूर्ण काम में उनका मार्गदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास नेतृत्वकर्ताओं का एक समूह है, जहां उनके अनुभव और विचार निश्चित रूप से मेरी नई नेतृत्व भूमिका में मदद करेंगे और एक व्यक्ति के रूप में भी प्रगति करने में मदद करेंगे। यह मेरे लिए क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक (कोहली) से सीखने का शानदार अवसर है।

पाटीदार ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके विचार और अनुभव निश्चित रूप से कप्तान की भूमिका में मेरी मदद करेंगे। मैंने उनके साथ बहुत सारी (बल्लेबाजी) साझेदारियां की हैं। मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। हम इस साझेदारी का भी इंतजार कर रहे हैं।

पाटीदार ने नए सत्र से पहले आरसीबी की कप्तानी को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी बात की। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह आरसीबी के साथ अधिक कठिन भूमिका स्वीकार करने से पहले अपने राज्य की टीम मध्य प्रदेश की कप्तानी करना चाहते थे। पाटीदार ने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की कप्तानी की थी लेकिन इन टूर्नामेंट का अधिकतर हिस्सा नीलामी के बाद आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा, ''पिछले साल, मुझे लगता है कि मैंने और मो (बोबट, आरसीबी में क्रिकेट निदेशक) ने इसके (कप्तानी) बारे में बात की थी। मो ने मुझसे पूछा, क्या आप कप्तानी करने में रुचि रखते हैं? मैंने उनसे कहा कि आरसीबी की कप्तानी करने से पहले मैं राज्य टीम की कप्तानी करना चाहूंगा। पाटीदार ने कहा, 'मुझे वहां से संकेत मिला कि मुझे कप्तानी मिल सकती है। इसलिए जब मुझे जानकारी मिली कि विराट या मैं कप्तानी कर सकते हैं तो मैं इससे बहुत खुश हुआ।

हम चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने में सक्षम है : शांतो

दुबई (एजेंसी)। बंगलादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा है कि उनकी टीम चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीतने में सक्षम है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शांतों ने प्रतिद्वंद्वी टीमों को चेतावनी के लहज में कहा है कि उनकी टीम आगामी टूर्नामेंट में खिताब जीतने की सोच के साथ मैंदान में उतरेंगी। शांतो का मानना है कि बंगलादेश की टीम का विश्वास बढ़ रहा है और उन्हें भरोसा है कि उनकी टीम 19 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आठ टीमों के टूर्नामेंट में सबको चौंका सकती है।

शांतो ने कहा, 'हम चैंपियंस ट्रॉफी में चैंपियन बनने जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट में सभी आठ टीमें चैंपियन बनने की हकदार हैं। वे सभी बेहतरीन टीमें हैं। मेरा मानना है कि हमारी टीम में भी यह क्षमता है। उन्होंने कहा, हर कोई वास्तव में (चैंपियन बनना) चाहता है और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करता है। हमें नहीं पता कि ऊपर वाले ने हमारे भाग्य में क्या लिखा है। हम कड़ी मेहनत कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। मुझे भरोसा है कि हम अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, मैं टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों से बेहद आश्वस्त हूं। और कोई भी खिलाड़ी अकेले दम पर मैच जीतने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास बेहतरीन तेज और स्पिन गेंदबाज है। हमारे पास एक संतुलित टीम है। अगर हर कोई अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाए, तो हम किसी भी टीम को कभी भी हरा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए में है और वह 20 फरवरी को दुबई में भारत से भिड़ेगा, उसके बाद 24 फरवरी को रावलपिंडी में न्यूजीलैंड तथा 27 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगा।

कोबे ब्राएंट के स्नीकर्स 6.60 लाख डॉलर में बिके

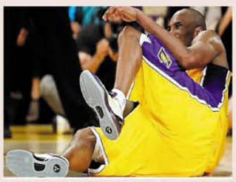

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट ने 2013 के एक प्रतिष्ठित खेल के दौरान जो जूते पहने थे, वे नीलामी में 6.60 लाख डॉलर में बिके हैं। लॉस एंजिल्स लेकर्स के लिए खेलते हुए ब्रायंट गंभीर चोट के बावजूद गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के खिलाफ शानदार खेल दिखाने में सफल रहे थे। नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने बताया कि कोबे के करियर में 'द अकिलिस गेम' से ज्यादा 'माम्बा मानसिकता' का प्रतीक कोई क्षण नहीं है। बता दें कि बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर की जनवरी 2020 में कैलिफोर्निया के कैलाबास में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 41 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। इसमें उनकी 13 वर्षीय बेटी जियाना सहित 8 अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

ब्रायंट के लिए यह मुकाबला कभी न भूलने वाला साबित हुआ। खेल के दूसरे भाग में उनके घुटने पर चोट लगी। फिर चौथे क्वार्टर खत्म होने से 3 मिनट पहले ही वह गिर गए जिससे उनकी बाई एड़ी पर चोट लगी। ब्रायंट ने उस चोट पर एक इंटरव्यू में कहा था कि जैसे ही मैंने कदम उठाया, मुझे यह पता चल गया। ऐसा महसूस हुआ कि पैर के पिछले हिस्से में लगे शॉक एब्जॉर्बर खत्म हो गए हैं। ब्रायंट इस मैच में कुछ मिनटों के लिए बेंच पर बैठे और फिर कोर्ट पर लौट आए और दो फ्री थ्रो किए। यह बास्केटबॉल कोर्ट पर ब्रायंट के सबसे प्रसिद्ध क्षणों में से एक था।

पाक-दक्षिण अफ्रीका

शाहीन, सऊद और कामरान पर लगा जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी, सऊद शकील और कामरान गुलाम पर कराची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कराची में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज इन तीनों पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईसीसी आचार संहिता के लेवल वन के उल्लंघन का दोषी पाया है। शाहीन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत तथा सऊद और कामरान पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। शाहीन को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 के उल्लंघन तथा सऊद और कामरान को संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 28वें ओवर में उस समय हुई जब शाहीन जानबूझकर बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके के रास्ते में आ गए, जब वह एक रन के लिए दौड़ रहे थे, जिससे अनुचित शारीरिक संपर्क हुआ और जिसके परिणामस्वरूप बहस भी हुई। इसके अलावा तीनों खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिनमें से किसी ने भी 24 महीने की अवधि में कोई पिछला अपराध नहीं किया था। तीनों ने अपराध स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी के एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के डेविड बून द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

पाकिस्तान ने हासिल किया 353 रन का लक्ष्य, रिजवान-सलमान के बड़े शतक

कराची के नेशनल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने 353 रन का लक्ष्य हासिल कर ट्राई सीरीज के फाइनल में जगह बना ली है जहां उनका मुकाबला अब न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए बावुमा के 82, ब्रीटजके के 83 तो क्लासेन के 87 रनों की बदौलत 352 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान ने 91 रन पर तीन विकेट गंवा लिए थे लेकिन इसके बाद मोहम्मद रिजवान और सलमाल आगा ने 260 रन की पार्टनरशिप कर टीम को जीत के पास पहुंचा दिया। रिजवान ने 122 तो सलमान ने 134 रन बनाए और टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

दक्षिण अफ्रीका – टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, काइल वेरेन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, कॉर्बिन बॉश, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, तबरेज शम्सी

पाकिस्तान – फखर जमान, बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), सलमान आगा, तैय्यब ताहिर, खुशदिल शाह, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, अबरार अहमद

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत, रोहित बोले- मैं बहुत खुश हूं

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में भारत के आक्रामक रवैये का उदाहरण देते हुए कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने तरीके से खेलने की 'आजादी' है और प्रबंधन कभी-कभार मिलने वाली असफलताओं को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। भारत ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को इंग्लैंड को 3-0 से रौंदकर पुख्ता किया। मेजबान टीम ने बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में इंग्लैंड को 142 रन के बड़े अंतर से हराया।

यह टीम इंडिया की रनों के हिसाब से दूसरी बड़ी जीत रही।

भारत बनाम इंग्लैंड की सबसे बड़ी वनडे जीत (रनों के हिसाब से)

158 रन - राजकोट 2008
142 रन -अहमदाबाद 2025*
133 रन -कार्डिफ़ 2014

रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहा कि टीम में अपने तरीके से खेलने की थोड़ी आजादी है। विश्व कप (2023) इसका एक आदर्श उदाहरण है। हम ऐसा करना जारी रखना चाहते हैं। कभी-कभी ऐसा होगा कि सब कुछ ठीक नहीं रहेगा लेकिन कोई बात नहीं। रोहित टीम के सामूहिक प्रदर्शन और सभी के संतोषजनक प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से श्रृंखला आगे बढ़ी उससे मैं बहुत खुश हूं। हमें पता था कि हमारे सामने चुनौतियां होंगी। रोहित ने कहा कि भारत 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए अपने खेल में और सुधार करना चाहेगा।

भारतीय कप्तान ने कहा कि बेशक हम कुछ चीजों पर ध्यान दे रहे हैं और मैं यहां खड़े होकर उन्हें समझाने नहीं जा रहा हूं। टीम में निरंतरता बनाए रखना भी हमारा काम है और इसे लेकर संवाद स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि जाहिर है कि एक चैंपियन टीम हर मैच के साथ बेहतर होना चाहती है और वहां से आगे बढ़ना चाहती है।

गौतम गंभीर ने अटकलों को किया खारिज

श्रेयस को कभी बाहर बैठाने की योजना नहीं थी

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इन अटकलों को खारिज किया कि श्रेयस अय्यर को उनके शानदार फॉर्म के बावजूद एकदिवसीय टीम से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाला दाएं हाथ का यह बल्लेबाज हमेशा 'योजनाओं' का हिस्सा था और इस महीने होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में वह महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में भारत की 3-0 की जीत के दौरान अय्यर शानदार फॉर्म में दिखे। नागपुर में 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के 19 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद उन्होंने पलटवार करते हुए 36 गेंद में 59 रन की आक्रामक पारी खेली। उन्होंने अगले दो मैच में 44 और 78 रन बनाए। पहले मैच के बाद अय्यर ने यह कहकर हलचल मचा दी थी कि उन्हें टीम में तभी शामिल किया गया जब विराट कोहली घुटने में दर्द के कारण मैच से बाहर हो गए। इससे यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि अगले दो मैच में कोहली की वापसी पर उन्हें बाहर किया जा सकता है।

बुधवार को तीसरे और अंतिम मैच के बाद गंभीर ने कहा, 'पूरी श्रृंखला के दौरान उन्हें बाहर बैठाने की योजना नहीं थी। हम पहले मैच में यशस्वी (जायसवाल) को मौका देना चाहते थे और देखना चाहते थे कि वह क्या कर सकते हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में वह बहुत अच्छी फॉर्म में थे। अय्यर को आखिरकार जायसवाल पर तरजीह दी गई और गंभीर ने उन्हें टीम में 'महत्वपूर्ण खिलाड़ी बताया। गंभीर ने कहा, 'मुझे पता है कि आप किसी (जायसवाल) को एक पारी से नहीं आंक सकते। लेकिन हम हमेशा से जानते थे कि श्रेयस हमारे लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी होने जा रहे हैं। कभी-कभी जब आपके पास केवल तीन मैच होते हैं तो आप सभी खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं।

चैंपियन्स ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी जिसमें भारत का पहला मुकाबला 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश से होगा। गंभीर का मानना ??है कि अगर कोई बाहर होता है तो किसी अन्य के लिए सुनहरा मौका बनता है। उन्हें उम्मीद है कि हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ी जिम्मेदारी लेकर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के चैंपियन्स ट्रॉफी से चोट के कारण बाहर होने से पैदा हुई कमी को पूरा करेंगे।

पिछले साल भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बुमराह ने फाइनल में अहम स्पेल सहित 15 विकेट लिए थे लेकिन पीठ की समस्या के कारण आठ टीमों की प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। गंभीर ने कहा, 'किसी का अवसर चूकना किसी और के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है। खेल में ऐसा ही होता है। उम्मीद है कि ये खिलाड़ी (राणा, अर्शदीप और मोहम्मद शमी) अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टीम के लिए काम करेंगे।